@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 21 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 285 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अर्जुन हत्याकांड- अनुसूचित जाति के युवक के परिवार से मिले राहुल गांधी

लखनऊ, 20 अगस्त। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पिछ्वरिया गांव में अनुसूचित जाति के युवक अर्जुन पासी की हत्या से पीड़ित उसके परिजनों से मिले और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की। राहुल गांधी ने कहा कि यहां पर जो सभी लोग हैं वो

न्याय मांग रहे हैं क्योंकि एक दलित युवा को जान से मारा गया है। पूरे परिवार को धमकाया गया है, एक व्यक्ति को मारा गया है लेकिन यहां कोई कार्रवाई नहीं हो रही है... यहां के एसपी मास्टरमाइंड पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, छोटे-छोटे लोगों को पकड़ रहे हैं। मैं चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में हर वर्ग का आदर हो और न्याय सबको मिले... जब तक इस परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम पीछे नहीं हटने वाले हैं। रायबरेली, उत्तर प्रदेश- रायबरेली में सरेआम युवक की गोली मारकर हत्या के मामले पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, यहां पर जो सभी लोग हैं वो न्याय मांग रहे हैं क्योंकि एक दलित युवा को जान से मारा गया है। प इसके पहले मंगलवार को कांग्रेस नेता व रायबरेली सांसद राहुल गांधी पीड़ित परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे। दोपहर को वह अमेठी के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी फुरसतगंज अपने विशेष विमान से उतरे। जहां कांग्रेस नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। उसके बाद वह अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा सहित अन्य नेताओं के साथ रायबरेली के नसीराबाद थाना क्षेत्र के पिछ्वरिया गांव के लिए रवाना हो गए। दरअसल, पिछ्वरिया गांव निवासी अर्जुन पासी की बीते दिनों हत्या कर दी गई थी। इसी मामले में वह उनके परिवार से मिलने पहुंचे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने किया टास्क फोर्स के गठन का एलान

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 20 अगस्त। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई शुरू हो गई। शीर्ष अदालत ने जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या और अस्पताल में तोड़फोड़ के मामले पर स्वतत्संज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल रहे। बेंच ने इस मामले में पीड़िता की पहचान उजागर होने पर चिंता जाहिर की। साथ ही केस में पुलिस जांच से लेकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका तक पर सवाल उठाए। कोर्ट ने मामले में आठ सदस्यीय टास्क फोर्स के गठन का फैसला किया। इसमें एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवासन के अलावा कई और डॉक्टरों का नाम शामिल किया गया। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि ये सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है। हमें डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता है। बेंच ने कहा कि महिलाएं सुरक्षा से वंचित हो रही हैं। बेंच ने कहा कि आखिर ऐसे हालात में डॉक्टर कैसे काम करेंगे। हमने देखा है कि उनके लिए कई जगहों पर रेस्ट रूम तक नहीं होते। आज महिलाएं तेजी से वर्कप्लेस में शामिल हो रही हैं। इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और बदलाव लाने के लिए एक और बलात्कार का इंतजार नहीं कर सकते। चिकित्सा पेशे में हिंसा की आशंका बढ़ गई है। पुरुष प्रधान सोच के कारण महिला डॉक्टरों को ज्यादा निशाना बनाया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर महिलाएं काम पर नहीं जा पा रही हैं और काम करने की स्थितियां सुरक्षित नहीं हैं तो हम उन्हें समानता से वंचित कर रहे हैं। ज्यादातर युवा चिकित्सक 36 घंटे काम करते हैं, हमें काम करने की सुरक्षित स्थितियां सुनिश्चित

करने के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा से संबंधित मामले पर विचार कर रहा है, इसलिए हम देशभर में विरोध-प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से अनुरोध करते हैं कि वे काम पर लौट आएं, क्योंकि इससे मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं मिलने में दिक्कत आ रही है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से पीड़िता की पहचान उजागर करने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की गई। कोर्ट ने कहा कि यह घटना दुखद है। सुप्रीम कोर्ट ने एलान किया कि इस घटना के बाद डॉक्टरों की स्थिति को लेकर नेशनल टास्क फोर्स बनाने जा रहे हैं। यह टास्क फोर्स कोर्ट की निगरानी में काम करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट भी तलब की। साथ ही सीबीआई को तीन महीने के अंदर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने तीन हफ्ते के अंदर टास्क फोर्स से रिपोर्ट मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पुलिस की कार्रवाई और पीड़िता के परिवार को अंधेरे में रखने से जुड़े आरोपों को लेकर भी सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि ये एक अपराध का मामला नहीं है। इस मामले में एफआईआर दर्ज करने में भी देर हुई। यह अस्पताल की जिम्मेदारी थी कि वह एफआईआर दर्ज कराए। लेकिन देर रात एफआईआर दर्ज कराई गई। अस्पताल प्रबंधन इस मामले में आखिर कर क्या रहा था? अभिभावकों को भी पीड़िता का शव काफी देर बाद सौंपा गया। एफआईआर दर्ज करने में बेवजह देरी हो रही है। राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तोड़फोड़ करने वालों को पकड़ा जाए। हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि राज्य सरकार अस्पताल में हुई तोड़फोड़ के मामले को कैसे नहीं संभाल पाई। कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य संदीप घोष को लेकर भी कई सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद डरावनी घटना है। प्रिंसिपल ने इस मामले को पहले सुसाइड बताने की कोशिश की। आखिर प्रिंसिपल कर क्या रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आखिर इस मामले के बाद प्रिंसिपल की नियुक्ति दूसरी जगह कैसे कर दी गई?

राजस्थान के ब्लैकमेल कांडः छह आरोपियों को उम्रकैद की सजा

कौमी संवाददाता

अजमेर, 20 अगस्त। राजस्थान के अजमेर में सबसे बड़े ब्लैकमेल कांड के बाकी बचे 6 आरोपियों को दोषी ठहरा दिया गया है। आज दोपहर 2 बजे कोर्ट इन पर सजा सुनाई। बता दें कि कोर्ट ने नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहेल गनी व सैयद जमीर हुसैन को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास व प्रत्येक पर 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल, अजमेर के एक गैंग ने 1992 में स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाली करीब 250 लड़कियों की नग्न तस्वीरें हासिल की। फिर उन्हें लीक करने की धमकी देकर 100 से अधिक छात्राओं के साथ गैंगरेप किया। गैंग के लोग स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को फार्महाउस पर बुलाते थे। उनके साथ गैंगरेप करते थे। कई स्कूल तो अजमेर के जाने-माने प्राइवेट स्कूल थे। एक अखबार ने जब इसका खुलासा किया तो मामला सामने आया। इन बच्चियों की उम्र उस समय 11 से 20 साल की हुआ करती थी। फिलहाल मामले में 4 आरोपी पूर्व में सजा काट चुके हैं। फैसले को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता कोर्ट के बाहर मौजूद है। बता दें कि पुलिस ने मामले में 12 आरोपियों कैलाश सोनी, हरीश तोलानी, फारुख चिश्ती, इशरत अली, मोइजुल्लाह उर्फ पूतन इलाहाबादी, परवेज अंसारी, नसीम उर्फ टारजन, पुरुषोत्तम उर्फ बबली, महेश लुधानी, अनवर चिश्ती, शम्सू उर्फ माराडोना और जहूर चिश्ती को गिरफ्तार कर छ्छ्छ कोर्ट अजमेर में 30 नवंबर 1992 को पहली चार्जशीट पेश कर दी थी। पहली चार्जशीट 8 आरोपियों के खिलाफ और इसके बाद 4 अलग-अलग चार्जशीट 4 आरोपियों के खिलाफ थीं। इसके बाद भी पुलिस ने 6 अन्य आरोपियों के खिलाफ 4 और चार्जशीट पेश की। यहीं पुलिस ने सबसे बड़ी गलती कर दी, जिस वजह से 32 साल बाद भी केस में इंसाफ नहीं हो पाया है।

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन करेंगे

कोलकाता, 20 अगस्त। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली बुधवार को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के अंदर एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान उनकी पत्नी डोना गांगुली भी साथ होंगी। मालूम हो कि गांगुली ने इस घटना के विरोध में सोमवार को अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल की डीपी काले रंग में बदली थी। गांगुली ने कुछ दिन पहले कहा था कि एक बेटी के पिता होने के नाते वह इस घटना से बहुत सदमे में हैं। गांगुली ने कहा था, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण और जघन्य घटना है। इस पर सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है। यह बिल्कुल सही नहीं है। महिला सुरक्षा को लेकर और सावधानी बरतने की जरूरत है। यह किसी भी जगह हो सकता है तो ऐसा न हो इसके लिए सिर्फ अस्पताल ही नहीं बल्कि सभी जगह पर सीसीटीवी कैमरा और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की आवश्यकता है। हालांकि ऐसी घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह विशेष मामला एक अस्पताल के अंदर हुआ। गांगुली बुधवार शाम को विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह विरोध मार्च डोना गांगुली के डांस स्कूल से शुरू होगा। मालूम हो कि इस घटना के बाद से ही गांगुली इस मुद्दे पर काफी मुखर होकर बोल रहे हैं और उन्होंने अब सड़क पर उतरकर विरोध करने का फैसला किया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना 8-9 अगस्त की दरमियानी रात की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं।

किरण चौधरी, रवनीत सिंह बिट्टू को राज्यसभा भेजेगी भाजपा

नई दिल्ली, 20 अगस्त। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशियों की ,सूची जारी कर दी है। किरण चौधरी, रवनीत सिंह बिट्टू को भाजपा ने राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है। पार्टी ने कुल नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों और दो सदस्यों के इस्तीफे के बाद राज्यसभा में 12 सीटें खाली हो गई हैं। जो सीटें खाली हुई हैं, उसमें असम, बिहार और महाराष्ट्र में दो-दो, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, ओडिशा और तेलंगाना में एक-एक सीट शामिल हैं। तेलंगाना और ओडिशा में राज्यसभा की दो सीट के लिए उपचुनाव भी होगा। तेलंगाना में हाल में के. केशव राव ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वहीं बीजू जनता दल (बीजद) की सांसद ममता मोहंता ने राज्यसभा सीट और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। मोहंता बीजद से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गईं। नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को उपचुनाव होना है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा सांसद के तौर पर निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई थीं। वहीं बाद में राज्यसभा के दो सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति ने विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी राज्यसभा के उप-चुनाव हेतु निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

हिमाचल में डॉक्टरों ने खत्म की हड़ताल, मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद लिया फैसला

सौरभ शर्मा

शिमला, 20 अगस्त। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने हड़ताल वापस ले ली हैं। ऐसे में बुधवार से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी), अटल सुपर स्पेशलिटी आयुर्विज्ञान संस्थान (चमियाना) और कमला नेहरू अस्पताल (केएनएच) में रूटीन की ओपीडी और ऑपरेशन थियेटर सामान्य रुप से पहले की तरह चलेंगे। वहीं शिमला समेत प्रदेश भर से अस्पताल आने वाले मरीजों को इलाज के लिए किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और निर्मम हत्या के बाद से डॉक्टर आक्रोशित थे। लिहाजा पिछले आठ दिनों से शहर के तीनों प्रमुख अस्पतालों में 100 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर थे। रेजिडेंट डॉक्टरों की मांग थी कि कोलकता में हुए इस भयावह घटना में संलिप्त आरोपियों कड़ी सजा दी जाए। वहीं डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए जो एक्ट बने हैं, उन्हें लागू किया जाए। लिहाजा मंगलवार सुबह 10ः15 बजे रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने आईजीएमसी गेट से लेकर सचिवालय तक पैदल मार्च निकाला। यह मार्च रीगल, ओकओवर होते हुए सुबह 11ः00 बजे छोटा शिमला पहुंचा। वहीं दोपहर 12ः00 बजे मुख्यमंत्री

सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आरडीए, स्टेट एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (सेमडिकोट) के साथ बैठक की। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल, स्वास्थ्य सचिव एम सुधा देवी, सीपीएस संजय अवस्थी शामिल रहे। सचिवालय में डेढ़ घंटे तक चली बैठक में एसोसिएशन ने डॉक्टरों के साथ इस तरह की घटनाओं को रोकने व सुरक्षा व्यवस्था मुद्दे, ड्यूटी रूम, सीसीटीवी कैमरे और मेडिपर्सन एक्ट को लागू करने की मांग उठाई। बताया जा रहा है कि बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मेडिपर्सन एक्ट को स्टडी करने की बात कही। इसके अलावा प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुविधाएं जल्द उपलब्ध करवाने को कहा। वहीं बैठक में पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था बनाने के बारे में अहम निर्देश जारी किए। बैठक में आईजीएमसी प्राचार्य डॉ. सीता ठाकुर, वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव, डॉ. बलवीर वर्मा, डॉ. सुदर्शन, आरडीए अध्यक्ष हरि मोहन शर्मा समेत सीएससीए के अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। आरडीए डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ले ली है, लेकिन कोलकता में जो घटना हुई है, उसका विरोध आरडीए करती रहेगी। बताया जा रहा है कि ड्यूटी के बाद विरोध स्वरूप कैंडल मार्च निकालते रहेंगे। राज्य मेडिकल और डेंटल कॉलेज टीचर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बलवीर वर्मा ने कहा कि मांगें मानने के बाद डॉक्टर काम पर लौट रहे हैं।

यौन शोषण का मामला- आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म की कोशिश का मामला दर्ज करें: मुख्यमंत्री शिंदे

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 20 अगस्त। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया है कि ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में दो छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास का मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच तेजी से की जाएगी और एक विशेष सरकारी वकील नियुक्त की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने ठाणे के पुलिस आयुक्त से बात की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मैंने मामले की जांच तेजी से करने और आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास और पोक्सो (क्क्रष्टस्ह्र) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने को कहा है। बदलापुर के स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के सैकड़ों माता-पिता यौन शोषण की घटना के विरोध में और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार सुबह से बदलापुर रेलवे स्टेशन पर रेल रोको प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण उपनगरीय ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। सीएम शिंदे ने अभिभावकों से संयम बरतने की अपील की, क्योंकि रेल नाकेबंदी से लोकल ट्रेनों का संचालन बाधित हो रहा है। ठाणे जिले

के संरक्षक मंत्री शंभुराज देसाई ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने ठाणे जिला कलेक्टर से मामले की जांच करने को कहा है। दो जांच की जाएंगी - एक शिक्षा विभाग द्वारा और दूसरी क्षेत्रीय पुलिस उपायुक्त द्वारा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि अभिभावकों द्वारा लगाए गए आरोप के अनुसार अपराध दर्ज करने में देरी क्यों हुई। स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी का तबादला कर दिया गया है, क्योंकि अभिभावकों द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के 12 घंटे बाद भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि स्कूल को भी नोटिस भेजा गया है और उसके प्रिंसिपल तथा एक अध्यापक को निलंबित कर दिया गया है। केसरकर ने कहा कि उन्होंने स्कूलों में विशाखा समितियां गठित करने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने स्कूल के अटेंडेंट को स्कूल में पढ़ने वाली दो बच्चियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

न्यायमूर्ति हेमा समिति के सुझाव पर न्यायाधिकरण बनाएगी केरल सरकार

नई दिल्ली, 20 अगस्त। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार न्यायमूर्ति हेमा समिति की तरफ से दी गई तमाम सिफारिशों पर गंभीरता से विचार कर रही है, जिसमें न्यायाधिकरण की स्थापना और एक व्यापक सिनेमा कानून तैयार करना शामिल है। सीएम विजयन ने यह भी कहा कि फिल्म उद्योग में महिलाओं के खिलाफ कई अपराधों के खिलाफ समिति की तरफ से अनुशंसित कार्रवाई पर राज्य में कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार एजेंसियां पहले से ही विचार कर रही हैं। इधर भाजपा ने आरोप लगाया कि सरकार आरोपियों की तरफ से किए गए अपराधों की जानकारी मिलने के बावजूद उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करने में विफल रही है। इन आरोपों का खंडन करते हुए सीएम विजयन ने पीड़ितों के प्रति सरकार के समर्थन की पुष्टि की और कहा कि वह कथित अपराधियों के साथ नहीं है, जिनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि यदि हेमा आयोग के समक्ष गवाही देने वालों में से कोई भी शिकायत लेकर आता है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। चाहे वह कोई भी कितने भी बड़े पद पर क्यों न हो, कानून के सामने सभी को जवाबदेह ठहराया जाएगा। सोमवार को जारी की गई बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट में फिल्म उद्योग में महिला पेशेवरों के उत्पीड़न, शोषण और दुर्व्यवहार के विवरण दर्ज किए गए हैं और आरोप लगाया गया है कि एक आपराधिक गिरोह इस उद्योग को नियंत्रित कर रहा है, जहां महिलाओं को दबाया जा रहा है।

सेबी प्रमुख पर आरोप, करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा गंभीर मामला: जयराम रमेश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 20 अगस्त। कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े हालिया विवाद पर मंगलवार को फिर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सेबी अध्यक्ष के हितों का गंभीर टकराव करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा एक गंभीर मामला है। हाल ही में अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने सेबी प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ हितों के टकराव का आरोप लगाया था। माधवी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि यूनिक पैन के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का यूनिक पंजीकृत निवेशक आधार 10 करोड़ से अधिक हो गया है। इसका तात्कालिक अर्थ यह निकाला जा सकता है कि वित्तीय बाजारों में ईमानदारी और पारदर्शिता बड़ी व बढ़ती संख्या में भारतीयों, विशेष रूप से युवाओं के लिए मायने रखती है।'' उन्होंने कहा कि एनएसई के अनुसार, इन निवेशकों की औसत आयु 32 वर्ष है और सभी निवेशकों में से 40 प्रतिशत 30 वर्ष से कम आयु के हैं। रमेश ने कहा, ''वित्तीय बाज़ार इस धारणा पर कार्य करते हैं कि नियामक निष्पक्ष रूप से नियमन करेंगे और कंपनियां नियमों के अनुसार चलेंगी। लेकिन जब सेबी अध्यक्ष के हितों का

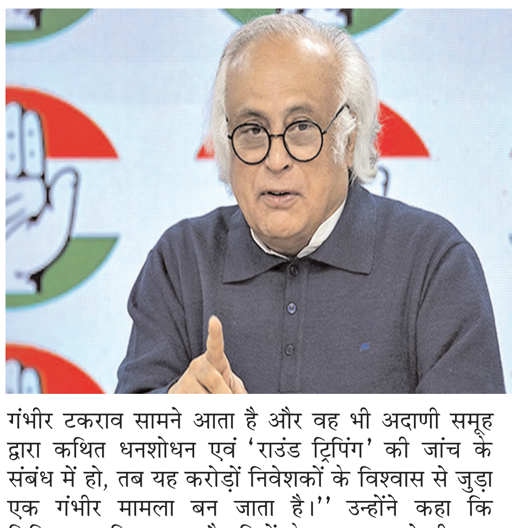

गंभीर टकराव सामने आता है और वह भी अदाणी समूह द्वारा कथित धनशोधन एवं 'राउंड ट्रिपिंग' की जांच के संबंध में हो, तब यह करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा एक गंभीर मामला बन जाता है।'' उन्होंने कहा कि विनियामक विफलता और हितों के टकराव भले ही कुछ समय के लिए सामने आएं और चर्चा में बने रहें, लेकिन इससे बाज़ार को लेकर सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास को दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि युवा और निवेशकों की बढ़ती संख्या निश्चित रूप से बेहतर की हक़दार है। उन्होंने दावा किया, ''4 जून, 2024 को मतों की गिनती के बाद 'मोदी-मेड' बाज़ार की अस्थिरता से भी बाज़ार में विश्वास हिला है। 13 मई को, स्वयंभू चाणक्य ने अदाणी के स्वामित्व वाले चैनल पर एक इंटरव्यू में निवेशकों से कहा था, ''मेरा सुझाव है कि आप 4 जून से पहले (शेयर) खरीदें। यह तेजी से बढ़ेगा।'' कुछ दिनों बाद, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने दोहराया कि शेयर बाजार 4 जून को रिकॉर्ड तोड़ देगा।'' रमेश ने कहा, ''हमारे सुव्यवस्थित बाज़ारों और पेशेवर रूप से प्रबंधित कंपनियों के कारण उभरते बाज़ारों के बीच भारतीय इक्विटी बाजार ने अब तक मूल्यांकन प्रीमियम का आनंद लिया है। संदेह के घेरे में आए नियामकों या सर्वज्ञानी प्रधानमंत्री, जो खुद को हर चीज़ में विशेषज्ञ समझते हैं (नोटबंदी की आपदा को याद करें) द्वारा इन स्तंभों के किसी भी तरह के क्षरण से भारतीय बाज़ारों के अस्थिर होने का ख़तरा है।''

यूपी उपचुनावः सपा का दांव फिर पीडीए पर

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त। मीरापुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सपा ने अपने हर एक कार्यकर्ता को अपने साथ पांच नए लोगों को जोड़ने की जिम्मेदारी दी है। सपा का दांव फिर से पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) पर है। वहीं आसपा ने विधानसभा

प्रभारियों की घोषणा के साथ ही साफ कर दिया है कि उसकी नजर अनुसूचित जाति और मुस्लिम वोटों पर है। डिग्री कॉलेज की लाइब्रेरी में आयोजित समाजवादी पार्टी की समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव चौधरी मजाहिर राणा और चौधरी लियाकत अली एडवोकेट रहे। उन्होंने विधानसभा के पांच जोन, 10 सेक्टर, 114 बूथ और 38 गांवों में तैयारियों का जायजा लिया। चौधरी मजाहिर राणा ने कार्यकर्ताओं की आगामी रणनीति के विषय में विस्तार से समझाया और प्रत्येक कार्यकर्ता से पांच-पांच नए लोगों को जोड़ने के लिए कहा। चौधरी लियाकत अली ने समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और पूरे क्षेत्र में पार्टी का झंडा लेकर निकलने का आह्वान किया। माना जा रहा है कि सपा का दांव फिर से पीडीए पर है। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जिया चौधरी एडवोकेट ने की और संचालन विधानसभा अध्यक्ष सादिक चौहान ने किया। इस मौके पर अंजार अब्बासी, अजय कुमार, इश्तकार अंसारी, राशिद मलिक, डॉ. हनी समाअत, इसरार अंसारी, रजनीश यादव, जुबेर अंसारी, शाह रजा जैदी, कादिर प्रधान, इमरान एडवोकेट, शाहनवाज, जावेद, हाजी गुफरान, मुमताज सलमानी, सोनू प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, डॉ. अरशद आदि उपस्थित रहे। आसपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने सूची जारी की है। गाजियाबाद सदर सीट पर सतपाल चौधरी, मीरापुर से जाहिद हुसैन और मिर्जापुर की मझवा सीट से धीरज मौर्या को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है। ऐसा करके अनुसूचित जाति और मुस्लिमों को साधने की तैयारी है। प्रदेश की अन्य सात सीटों पर भी जल्द ही प्रभारी घोषित किए जाएंगे। उधर, मीरापुर के प्रभारी की घोषणा के बाद रुड़कली गांव में हसन के समर्थकों ने खुशी मनाई। आसपा के जिलाध्यक्ष बबलू चौधरी का कहना है कि आसपा मीरापुर में जीत हासिल करेगी।

थाईलैंड पहुंचा शख्स, एयरपोर्ट से तुरंत उठाया बैग, तेजी से दौड़ते-दौड़ते पहुंचा यहां, किया ये काम!

विदेश. सोशल मीडिया पर कब क्या वायरल हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता है. कोई अपने अनोखे डांसिंग स्टाइल से रातों-रात इंटरनेट सेंशेसन बन जाता है, तो कोई सड़कों पर अलग अंदाज में खाना बेचकर लोगों के दिलों-दिमाग पर छा जाता है. लेकिन कुछ लोग इन सबसे अलग रास्ता

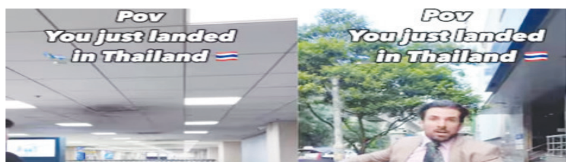

अपनाते हैं और लोग उनके वीडियो को वायरल करके बता देते हैं कि वे उन्हें कितना पसंद करते हैं. इंस्टाग्राम पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स थाईलैंड पहुंचता है. प्लेन के लैंड होते ही, वो एयरपोर्ट पर पहुंचता है. फिर बैग के आने का इंतजार करता है. जैसे ही बैग उसके हाथ में आता है, वो तुरंत दौड़ना शुरू कर देता है. वो थाईलैंड की सड़कों पर लगातार दौड़ता रहता है. उसे एक खास जगह पर पहुंचना होता है. हालांकि, वीडियो में भले ही बैग लेकर वो दौड़ना शुरू कर देता है, लेकिन इमिग्रेशन के लिए उसे रुकना भी पड़ा होगा. वीडियो में नजर आ रहे इस शख्स का नाम मार्टिन ब्रावो है, जो एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है. मार्टिन अलग-अलग देशों की सैर करते हैं और वहां के खान-पान से जुड़े वीडियोज भी शेयर करते हैं. लेकिन साथ ही साथ वे दौड़ते हुए अपने पसंदीदा शॉप तक जाने का वीडियो भी बनवाते हैं. वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि मार्टिन थाईलैंड के बैंकॉक में एयरपोर्ट पर लैंड करते हैं. वे तुरंत बैग उठाकर दौड़ना शुरू कर देते हैं. ऐसा लगता है कि उन्हें किसी खास जगह पर तुरंत पहुंचना है. वो लगातार दौड़े जा रहे हैं. वे दौड़ते-दौड़ते थाईलैंड के फूड्स मार्केट में पहुंचते हैं. वहां पर जाकर मार्टिन अपने पसंदीदा फूड्स को खाना शुरू कर देते हैं. मार्टिन को देखकर ऐसा लगता है मानो वे काफी दिनों से भूखे हों.

क्राउन प्रिंस सलमान तो बड़े 'शातिर' निकले, पिता का जाली सिग्नेचर कर यमन में किया ऐलान-ए-जंग, मगर क्यों?

विदेश.सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस तो गजब के चालबाज निकले. उन्होंने अपने पिता का फर्जी सिग्नेचर करके यमन में हुतियों के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया था. अब इसका खुलासा खुद सऊदी अरब सरकार के पूर्व इंटेलिजेंस अधिकारी अल-जबरी ने किया है. उनका यह भी आरोप है कि क्राउन प्रिंस उनकी हत्या करवाना चाहते हैं.

बीबीसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोहम्मद बिन सलमान ने यमन के हुती विद्रोहियों के खिलाफ जमीनी हमले के लिए एक शाही फरमान जारी करवाया. इसके लिए उन्होंने शाही फरमान पर पिता यानी सऊदी के राजा का फर्जी सिग्नेचर किया था. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका ने सऊदी अरब के केवल हवाई हमले का ही समर्थन किया था. मगर मोहम्मद बिन सलमान ने इसे नजरअंदाज कर दिया और पिता के फर्जी सिग्नेचर से यमन में जमीनी हमले को आगे बढ़ाया.

सऊदी के पूर्व इंटेलिजेंस अफसर साद अल-जबरी के मुताबिक, यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाले शाही फरमान पर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अपने पिता के हस्ताक्षर जाली किए थे. उस वक्त क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान केवल 29 साल के थे. वह सऊदी अरब के रक्षा मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे. उन्होंने राजा सलमान की खराब सेहत को देखते हुए यह चाल चली थी. इसकी वजह थी गद्दी पर अपना अधिकार सुनिश्चित करना. इसके लिए ही उन्होंने सऊदी अरब को युद्ध की आग में झोंक दिया था.सऊदी के पूर्व इंटेलिजेंस अफसर साद अल-जबरी का सऊदी अरब के साथ अभी छत्तीस का आंकड़ा है. सऊदी से उन्हें निर्वासित कर दिया गया है. वह काफी समय से कनाडा में रह रहे हैं. उनका कई सालों से सऊदी अरब से विवाद चल रहा है. सऊदी अरब ने उनके दो बच्चों को जेल में बंद कर रखा है. यह आरोप ऐसे समय में आया है जब प्रिंस मोहम्मद ही सऊदी अरब के सर्वेसर्वा हैं. वह ही, अब अपने 88 वर्षीय पिता राजा सलमान की जगह दुनियाभर के नेताओं से मिलते हैं.

बीबीसी से बातचीत में साद अल-जबरी ने कहा कि सऊदी गृह मंत्रालय से जुड़े एक विश्वसनीय और भरोसेमंद अधिकारी ने उन्हें इस बात की पुष्टि की है कि प्रिंस मोहम्मद ने अपने पिता की जगह युद्ध की घोषणा करते हुए शाही फरमान पर फेक हस्ताक्षर किए थे. यह तब हुआ, जब राजा की स्थिति अच्छी नहीं थी. हालांकि, इन आरोपों पर सऊदी का अभी तक कोई जवाब नहीं आया है.

एक, दो, तीन या चार नहीं, शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में खुल गई 15 केसों की फाइल

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ अब तक 15 मामले दर्ज हो गए हैं. अभी वह भारत में हैं.

ढाका. बांग्लादेश छोड़ चुकीं शेख हसीना की मुसीबतें लगातार बढ़ रही हैं. बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ हत्या के दो नये मामले दर्ज किए गए हैं. शेख हसीना के साथ-साथ उनकी सरकार के पूर्व मंत्रियों के खिलाफ भी मामला दर्ज है. बांग्लादेश की 76 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ दर्ज मामलों की सीरीज में यह ताजा मामला है. शेख हसीना ने सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त को त्यागपत्र दे दिया था और भारत चली गयी थी. शेख हसीना के खिलाफ अब कुल 15 मामले हो गए हैं.

सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, मीरपुर इलाके में लिटन हसन लालू उर्फ हसन और शेर-ए-बांग्ला नगर इलाके में तारिक हुसैन की हत्या के लिए शेख हसीना के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं. इस हिंसा के कारण हसीना को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था. लिटन के भाई ने ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मेंहदी हसन की अदालत में हसीना, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) अब्दुल्ला अल मामून और अन्य समेत 148 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है.

मामले के दस्तावेजों के अनुसार, लिटन चार अगस्त को मीरपुर इलाके में छात्र आंदोलन के तहत एक शांतिपूर्ण जुलूस में शामिल हुआ था. दोपहर करीब दो बजे हसीना की अवामी लीग पार्टी के लोगों ने जुलूस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे हसन घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई. इस बीच, तारिक की मां फिदुशी खातून ने हसीना, पूर्व सड़क, परिवहन एवं पुल मंत्री ओबैदुल

कादर, पूर्व गृह मंत्री कमाल, पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात सहित 13 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज कराया.

रिपोर्ट के अनुसार, तारिक को पांच अगस्त को शेर-ए-बांग्ला नगर पुलिस थाने के सामने अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी थी और नौ अगस्त को उसकी मौत हो गई. इससे हसीना के पद से हटने के बाद उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर पंद्रह हो गई है. ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, रविवार देर रात मोहम्मद मिलन की पत्नी शहनाज बेगम ने एक और हत्या का मामला दर्ज कराया. मिलन की 21 जुलाई को स्थानीय मछली बाजार से घर लौटते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस मामले में हसीना, पूर्व सड़क परिवहन और पुल मंत्री कादर, पूर्व विधायक शमीम उस्मान और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान सहित 62 लोगों को आरोपी बनाया गया है.

खबर के मुताबिक, हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने आग्नेयास्त्रों और लाठियों से लैस होकर छात्र आंदोलन में व्यवधान डालने के लिए ढाका-चटगांव राजमार्ग पर यातायात में बाधा उत्पन्न की थी. खबर के अनुसार, आरोप है कि हसीना, कादर और असदुज्जमां ने प्रदर्शनकारी छात्रों और आम लोगों पर गोलीबारी व हमला करने का आदेश दिया. खबर में कहा गया है कि उस समय मछली बाजार से घर लौट रहे मिलन के सीने में गोली लगी और वह सड़क पर गिर पड़ा, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

कमला हैरिस की जमकर तारीफें, तो डोनाल्ड ट्रंप को लताड़, नेशनल कन्वेंशन में क्या बोली पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन?

शिकागो. शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन चल रहा है. अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन अपनी पार्टी से राष्ट्रपति के दावेदार कमला हैरिस का खुलकर समर्थन कर रहीं हैं. तो वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को बख्शने की की मूड में नहीं दिख रही है. जहां, कमला को उन्होंने दूरदर्शी बताया तो वहीं ट्रंप को भगोड़ा बता दिया है. उन्होंने ट्रंप पर कुछ ऐसे कमेंट किया, 'हमने उनको भागने पर मजबूर कर दिया है.' वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कन्वेंशन को संबोधित किया और लोगों से कमला हैरिस और टिम

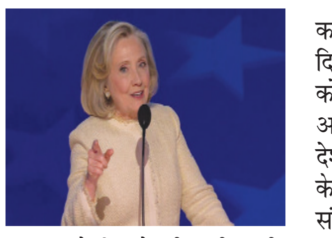

वाल्ज़ को जिताने की अपील की. 50000 लोगों की भीड़ उन्होंने कहा कि 'आजादी,' 'लोकतंत्र,' और 'अमेरिका' के लिए कमला और टीम जिताएं. पूर्व विदेश मंत्री और प्रथम महिला रह चुकीं हिलेरी क्लिंटन ने सोमवार को यहां शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के तारीफों के जमकर कसीदे गढ़े. उन्होंने इतना तक कह दिया कि कमला के पास अमेरिका को आगे ले जाने के लिए चरित्र, अनुभव और दूरदृष्टि है. क्लिंटन ने देशभर के हजारों डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं और सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा बताया कि हमदोनों (कमला और क्लिंटन) ने साथ में वकालत शुरू की थी. मैं उनकी ईमानदारी को जानती हूं.

क्लिंटन ने नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों के लिए पूर्व वकील और वर्तमान अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला को डेमोक्रेट का उम्मीदवार बनाने के लिए देश भर से हजारों डेमोक्रेटिक नेताओं और सदस्यों का धन्यवाद किया. गौरतलब है कि 76 क्लिंटन ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था. डोनाल्ड ट्रंप से उनको हार मिली थी. क्लिंटन ने राष्ट्रपति जो बिडेन की ÷जीवन भर की सेवा और नेतृत्व÷ के लिए सराहना की. गुरुवार को, 59 साल कमला हैरिस औपचारिक रूप से 5 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामांकन स्वीकार करते हुए अपना भाषण देंगी. 81 वर्षीय मौजूदा राष्ट्रपति जो बिडेन ने पिछले महीने व्हाइट हाउस की दौड़ से नाम वापस ले लिया और इस पद के लिए हैरिस का समर्थन किया था.

स्वतंत्रता दिवस के आयोजन पर भी कनाडा में खालिस्तानी साया, हिंदू वापस जाओ के लगाए नारे

विदेश. कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के संरक्षण में खालिस्तानी भारत समर्थकों और हिंदुओं को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। आए दिन खालिस्तान समर्थक भारतीयों के कार्यक्रम में दखल देते हैं। रविवार को खालिस्तान समर्थकों ने टोरंटो में इंडिया डे परेड में भी खलल डाली और इसके बाद हंगामा मच गया। दरअसल इंडो-कनाडियन लोगों ने टोरंटो में आजादी के जश्न का आयोजन किया था। जब इंडिया डे परेड निकाली गई तो खालिस्तानियों ने भीड़ लगाकर नारेबाजी की और इसे बाधित करने का प्रयास किया। खालिस्तानी हिंदुओं को टारगेट करके नारेबाजी कर रहे थे।

कनाडा में रहने वाले भारतवंशियों ने खालिस्तान समर्थकों पर गुस्सा जाहिर किया है। उनका कहना है कि खालिस्तानी खुलकर हिंदुओं को टारगेट कर रहे हैं। रैली के मौके पर भी खालिस्तानी कनाडाई हिंदू वापस भारत जाओ के नारे लगा रहे थे। इस कार्यक्रम से एक दिन पहले ही भड़काऊ फ्लायर लगाए गए जिनमें खालिस्तानी सिखों और कनाडाई हिंदुओं को विरोधी बताया गया।

'अहमद' से प्यार कर पछताई महिला, पति बच्चों को छोड़ किया था निकाह, शौहर ने दिया ऐसा धोखा

शादीशुदा जिंदगी में पति-पत्नी के बीच हमेशा नोंक-झोंक होती रहती है. लेकिन इसका ये मतलब नहीं होता है कि वो एक-दूसरे को छोड़कर अलग हो जाते हैं. हालांकि, कुछ लोग तलाक लेकर भले ही अपनी अलग जिंदगी जीने लगते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग वाद-विवाद के बीच भी एक-दूसरे का दामन प्यार से थामे रहते हैं. लेकिन कई लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें अचानक अपनी जिंदगी में अकेलापन महसूस होने लग जाता है और वे किसी नए साथी की तलाश में लग जाते हैं. आज हम आपको एक ऐसी ही महिला के बारे में बताने जा रहे हैं. इस महिला का नाम जूलिया क्लार्क है, जो यूनाइटेड किंगडम के लिंकन सिटी की रहने वाली है. जुलिया ने एक अजनबी के प्यार में न सिर्फ 15 साल की शादी तोड़ दी, बल्कि पति और 3 बच्चों को छोड़कर मिस्त्र चली गई. उसे अहमद नाम के शख्स से ऑनलाइन मोहब्बत हो गई थी, जिससे उसने निकाह कर लिया. लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसे इस रिश्ते से पछतावा होने लगा, क्योंकि उसके शौहर ने ऐसा धोखा दिया, जिससे जुलिया टूट गई. जुलिया के मुताबिक, यह बात साल 2016 की है. जब वो एक स्विमिंग पूल के किनारे अकेली बैठी हुई थी. उसके तीन बच्चे और पति खुशी से पूल में नहा रहे थे. लेकिन जुलिया को उस दौरान अकेलापन महसूस हो रहा था. जुलिया ने कहा, ऐसा लग रहा था कि मेरे रिश्ते में चमक खत्म हो गई है.

मैं 15 साल से पीटर के साथ शादीशुदा जिंदगी जी रही थी. पीटर एक अद्भुत व्यक्ति थे, हमारे बच्चों जेम्स (अब 34), मेलिसा (21) और अमेलिया (18) के लिए एक बेहतरीन पिता थे, लेकिन मुझे ऐसा लगता था कि हम सिर्फ़ बच्चों के लिए ही साथ थे.

इजरायल को वक्त दे रहा अमेरिका- हमास का बड़ा आरोप, क्या होगा सीजफायर का भविष्य?

तेल अवीव. पिछले साल अक्टूबर से हमास और इजरायल की जंग जारी है।

इस जंग को लेकर अब सीजफायर की कोशिश में अमेरिका के विदेश मंत्री ने बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की है और कहा है कि इजरायल ने संघर्ष विराम के समझौते पर मंजूरी दे दी है।

हालांकि हमास ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि इस बातचीत का मकसद सिर्फ इजरायल को और वक्त देना है जिससे वह गाजा में नरसंहार जारी रख सके। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार देर रात घोषणा की थी कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा युद्धविराम समझौते के लिए एक प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और उन्होंने हमास से भी इसे स्वीकार करने की अपील की है।

इस बीच हमास ने गाजा युद्धविराम के लिए इजरायल की नई शर्तों का खुलासा किया है। हमास ने दुनिया से नेतन्याहू और इजरायल सरकार पर युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डालने अपील की है। इस समझौते को 31 मई को बाइडेन ने प्रस्तावित किया था और 11 जून को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने समर्थन दिया था। हमास ने तीन-चरणीय प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है जिसमें पहले चरण में तत्काल युद्धविराम, सीमावर्ती क्षेत्रों में इजरायली बलों की वापसी, विस्थापित लोगों की बिना शर्त उनके घरों में वापसी और बंदियों और कैदियों की रिहाई शामिल है।

हालांकि हमास ने कहा है कि इस समझौते के बाद इजरायल गाजा में और नरसंहार कर रहा है। हमास ने कहा है कि इजरायली नेता ने बातचीत के लिए नई शर्तें भी पेश कीं। इजरायल ने कहा है कि वह राफा क्रॉसिंग से पीछे नहीं हटेगा।

पीएम मोदी से पहले 45 साल पूर्व कौन प्रधानमंत्री गए थे पोलैंड? सेकेंड वर्ल्ड वॉर से है बड़ा कनेक्शन

45 साल बाद भारत की ओर से प्रधानमंत्री मोदी पोलैंड की यात्रा पर जा रहे हैं, जोकि एक ऐसा देश है जिससे हमारे संबंध अटूट हैं. ऐसा देश जिसके हम संकट के समय के साथी रहे हैं, आखिर कौन थे वे भारतीय पीएम जिन्होंने 45 साल पहले की थी....

विदेश. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन की ओर जाते हुए बुधवार 21 अगस्त को पोलैंड में होंहे जहां वह वारसॉ में पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा और पीए डोनाल्ड टस्क के साथ बातचीत करेंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि करीब पांच दशकों में यह पहली बार है जब भारत की ओर से कोई प्रधानमंत्री पोलैंड की यात्रा पर जाएगा. कौन गया था पीएम मोदी से पहले पोलैंड विजिट पर? भारत और पोलैंड के बीच राजनयिक संबंध 1954 में स्थापित हुए लेकिन फिर भी इस बार इतना लंबे समय का गैप कैसे आया? जबकि सच तो यह है कि दोनों के बीच दशकों पुराना दिल का मार्मिक रिश्ता है, जिसके बारे में आग आपको विस्तार से बताएंगे.

साथ ही यह जानना दिलचस्प है कि पीएम मोदी की इस यात्रा से पहले भारत की ओर से पोलैंड की यात्रा किन्होंने की थी? बता दें कि 1977 से 1979 के बीच भारत के प्रधानमंत्री रहे मोरारजी देसाई ने 1979 में वारसॉ का दौरा किया था. 1979 में मोरारजी देसाई की यात्रा के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा होगी. उनसे पहले जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी दोनों ने इस देश का दौरा किया था. दोनों देशों के संबंधों की नींव रखे जाते ही 1957 में वारसॉ में भारतीय दूतावास और 1954 में नई दिल्ली में पोलिश दूतावास खोला गया था. अब इन संबंधों को आगे बढ़ाते हुए पीएम अपने समकक्षों से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का फोकस रक्षा और रणनीतिक होगा, प्रधानमंत्री जामनगर और कोल्हापुर के महाराजाओं के स्मारकों का दौरा करेंगे.

सेकेंड वर्ल्ड वार में भारत ने दी थी पोलैंडवासियों को शरणज

एक जानकारी के मुताबिक, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, 1942 और 1948 के बीच, 6,000 से अधिक पोलिश महिलाओं और बच्चों को भारत की दो रियासतों- जामनगर और कोल्हापुर में शरण दी गई थी. नवानगर के जाम साहब दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा ने अपने राज्य में एक हजार से ज्यादा पोलिश बच्चों को शरण दी. कई अन्य बच्चों को कोल्हापुर के एक बड़े शिविर में शरण मिली. पोलिश राज्य और भारत में अपना बचपन बिताने वाले लोगों ने इस संबंध को बहुत अच्छे से याद होगा. दोनों देशों को यह दौर बखूबी जोड़ता है.

पोलैंड के विद्वानों ने किया संस्कृत का अनुवादज

पोलैंड में इंडोलॉजिकल स्टडी की एक पुरानी और मजबूत परंपरा है. पोलिश विद्वानों ने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में ही संस्कृत का पोलिश भाषा में अनुवाद कर लिया था. 1860-61 से क्राको में 600 साल पुराने जगियेलोनियन विश्वविद्यालय में संस्कृत का अध्ययन किया जा रहा है जहां पर 1893 में संस्कृत की एक चेयर स्थापित की गई थी.

पोलैंड और भारत के बीच है अरबों डॉलर के कारोबारी संबंधज

दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध आज भी काफी मजबूत हैं. पोलैंड मध्य और पूर्वी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक और निवेश साझेदार है.

2023-2024 में दोनों देशों के बीच व्यापार 5.72 बिलियन डॉलर था, जिसमें भारत ने 3.96 बिलियन डॉलर का निर्यात और 1.76 बिलियन डॉलर का आयात किया. जानकारों के मुताबिक, व्यापार संतुलन काफी हद तक भारत के पक्ष में रहा है जो 2010 में 650 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2022 में 2.6 बिलियन डॉलर हो गया है. पोलैंड को भारत चाय, कॉफी, मसाले, तिलहन फसलें, समुद्री भोजन, अनाज और मशीनरी निर्यात करता है

अंदर घुसे यूक्रेन को रूस का करारा जवाब, खौफ में आ गए जेंलेस्की, खाली करना पड़ा शहर

यूक्रेन की सेना रूस में क्या घुसी, रूस को हमला करने का मौका मिल गया. अब उसने यूक्रेन के पूर्वी इलाके में इतना तगड़ा हमला किया है कि यूक्रेन की सेना इलाका खाली करने को मजबूर हो गई है.

विदेश. यूक्रेन युद्ध में अब तक लग रहा था कि जेलेंस्की की सेना भारी पड़ रही है, क्योंकि यूक्रेनी आर्मी ने रूस के 35 किलोमीटर से ज्यादा अंदर तक कब्जा कर लिया था. लेकिन अब रूस ने इन हमलों का करारा जवाब दिया है. रूसी सैनिकों ने अब यूक्रेन के दोनेत्स्क के उत्तर-पश्चिम इलाके में खासी बढ़त बना ली है. इसके जवाब में यूक्रेन ने अपने शहर पोकरोवस्क के नागरिकों को यहां से चले जाने को कहा है. जैसे-जैसे रूसी सेना आगे बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे यहां ऐसे बदलाव देखने को मिल रहे हैं. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि कुर्स्क में यूक्रेन की सेना सिर्फ इसलिए घुसी क्योंकि वो बफर जोन नाना चाहते हैं, ताकि मास्को से जो अटैक हम पर किया जा रहा है, उसे रोका जा सके. इसीलिए यूक्रेनी सैनिकों ने रूसी सीमा में दूसरा पुल भी उड़ा दिया, जिससे रूस के सैनिकों को सैन्य साजोसामान की आपूर्ति रोकी जा सके. यूक्रेनी सेना

कुर्स्क में लगभग दो हफ्ते से बढ़त पर है. एक के बाद एक इलाके को अपने कब्जे में लेती जा रही है. लेकिन रूस भी पीछे नहीं है. उसने यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में आक्रमण कर दिया है. उसकी सेनाएं यूक्रेन के काफी अंदर तक घुस चुकी हैं. कुर्स्क पर जिस तरह यूक्रेनी सेना ने अटैक किया, उससे रूस को अपनी रक्षा के लिए करारा वार करना ही था.

यूक्रेन का रक्षात्मक गढ़ पोकरोवस्क पूर्वी मोर्चे पर यूक्रेनी सैनिकों और कस्बों को आपूर्ति करने वाली मुख्य सड़क के चौराहे पर मौजूद है. दोनेत्सक के गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने 14 जगहों से बच्चों और उनके माता-पिताओं को हट जाने के लिए कहा है. उन्होंने कहा कि यहां अभी चार हजार बच्चों समेत 53 हजार लोग रह रहे हैं. इन्हें कहीं और बसाना होगा क्योंकि रूसी सेना काफी तेजी से अटैक करते हुए अंदर की ओर आ रही है.

इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था, हमारा मकसद रूस की युद्ध क्षमता को नष्ट करना और अधिकतम जवाबी कार्रवाई करना है. इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है. सैन्य मामलों के रूस समर्थक ब्लॉगर ने माना कि ग्लुशकोवो शहर के पास सीम नदी पर एक पुल के नष्ट होने से यूक्रेन के आक्रमण से निपटने के लिए रूसी सेना की आपूर्ति बाधित हुई थी, हालांकि रूस अब भी 'पंटून' और छोटे पुलों का उपयोग कर सकता है. यूक्रेन के वायु सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मायकोला ओलेशचुक ने शुक्रवार को एक हवाई हमले का वीडियो जारी किया था, जिसमें पुल दो टुकडों में बिखरा हुआ दिखाई दे रहा था.

दिल्ली में आवारा पशुओं का आतंक, बुजुर्ग की मौत, शिकायतों का नहीं असर, MCD एकदम चुप

दिल्ली में रोहिणी इलाके में आवारा पशुओं के आतंक ने एक बुजुर्ग की जान लील ली. ऐसी यह इस इलाके की कोई पहली घटना नहीं है. कई बार एमसीडी में शिकायतें की गईं लेकिन...

नेशनल डेस्क. हमेशा की तरह उस शाम भी वह शाम की वॉक पर थे. एक गाय ने पीछे से 75 साल के इन बुजुर्ग पर हमला कर दिया था. दिल्ली के रोहिणी इलाके की इस घटना में इन बुजुर्ग को इलाज की सख्त जरूरत थी. सर पर चोट थी लेकिन गंभीर चोटों का इलाज न हो सका. उनकी मृत्यु हो गई. रोहिणी के लोगों में दिल्ली एमसीडी को लेकर खासा रोष है क्योंकि इस इलाके में आवारा पशुओं की दिक्कत काफी समय से बनी हुई है.

इधर जब 10 अगस्त को यह हादसा हुआ तब पीड़ित की बेटी ने 'रात करीब 8.30 बजेआचपग किसी ने फादर के फोन से कॉल करके हमें बताया. वह पीछे से टक्कर लगने के कारण सिर के बल गिरे थे और घायल हो गए थे.' डॉक्टरों ने बहते खून को रोकने और चोटों का इलाज करने की कोशिश की थी पर चोटें बहुत गंभीर थीं. प्रीति कहती हैं, 'सड़क पर आवारा पशु इलाके की एक बड़ी समस्या रहे हैं. हमारी मां पर भी कुछ दिन पहले एक आवारा गाय ने हमला किया था.अब हमें अपने बच्चों को बाहर ले जाने में डर लगता है. पॉकेट एसोसिएशन में ये बात उठाई पर कुछ नहीं हुआ.'रोहणी में इस तरह के हादसों का शिकार यह परिवार अकेला नहीं है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रीति बताती हैं कि पुलिस ने कहा था कि वे प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने के बाद ही एफआईआर दर्ज करेंगे मगर ऐसा नहीं हुआ. जबकि दिल्ली पुलिस ने दावा किया कि परिवार ने कोई शिकायत दर्ज करवाई ही नहीं. एक अन्य रोहिणी निवासी ने कहा कि आस-पास के गांवों से आवारा पशु आते हैं और सड़कों को जाम करते हैं और कभी-कभी यहां रहने वालों पर हमला करते हैं. ज्यादातर बार ये गायें डेयरी मालिकों की होती हैं. वे गायों का दूध निकालते हैं और उन्हें सड़कों पर खुला छोड़ देते हैं. हमने कई बार शिकायतें की हैं लेकिन कोई असर नहीं हुआ.सड़कों पर आवारा पशुओं का मैनेजमेंट एमसीडी करती है और वह भी गैर-सरकारी संगठनों की मदद से करती है. लेकिन नगर निगम ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की. नगर निगम के अधिकारियों ने पहले कहा था कि पिछले कुछ सालों से भीड़भाड़ वाली गौशालाओं के कारण यह काम मुश्किल हो गया है.

20 साल के बेटे ने उठाया ऐसा कदम, मां हो गई 'मरणासन्न', मामले सच को जान पुलिस भी रह गई 'सन्न'

नई दिल्ली. रिश्तेदारों के दबाव में आकर 20 वर्षीय युवक ने एक ऐसा कदम उठा लिया, जिसके चलते उसकी मां लगभग मरणासन्न हालत में पहुंच गई. वहीं जांच में जब यह पूरा मामला खुलकर आया, तो सच जानकार पुलिस के तमाम अधिकारी भी सन्न रहे गए. दरअसल, यह मामला दिल्ली के द्वारका जिले के अंतर्गत आने वाले नजफगढ़ इलाके का है. बीते दिनों, पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिलती है कि इलाके से 20 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है.

मौके पर पहुंची पुलिस टीम को पता चलता है कि लापता युवक का नाम आर्यकांत है और वह वाराणसी के एक कॉलेज में बीसीए सेकेंड इयर का छात्र है. इसके साथ, वह परिवार की आर्थिक मदद के लिए ऑनलाइन ट्रेडिंग का काम भी करता है. परिजनों ने बताया कि वह सात अगस्त को परीक्षा देने के लिए घर से वाराणसी के लिए रवाना हुआ था. इसके बाद से उसका फोन स्विचऑफ है और उसका कोई पता नहीं चल रहा है. तमाम कोशिशों के बावजूद जब उसका कुछ पता नहीं चला, तो उन्होंने इस बाबत पुलिस को सूचना दी. वहीं, 20 वर्षीय बेटे के लापता होने की वजह से मां की हालत इस कदर खराब हुई कि उसको एम्स में भर्ती कराने की नौबत आ गई. पूरा मामला जानने के लिए

अंदर से बंद रूम, हाथ में कैनुला ड्रिप; दिल्ली में नर्सिंग छात्रा का PG में मिला शव, पुलिस को किसकी आशंका?

दिल्ली में एक नर्सिंग स्टूडेंट का शव मिलने से हड़कंप मच गया है. दिल्ली के न्यू अशोक नगर में PG में रहने वाली नर्सिंग की छात्रा ने कथित तौर पर इंजेक्शन लगाकर खुदकुशी है.

नई दिल्ली. कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की हत्या पर बवाल के बीच दिल्ली में एक नर्सिंग की छात्रा का शव मिलने से हड़कंप मच गया है. दिल्ली के न्यू अशोक नगर में नर्सिंग की छात्रा की पीजी में संदिग्ध हालात में मौत हो गई है. पुलिस के मुताबिक, कमरा अंदर से बंद था और छात्रा के हाथ में कैनुला ड्रिप लगा था. पुलिस फिलहाल खुदकुशी की आशंका जता रही है.

दरअसल, दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यह घटना 18 अगस्त 2024 की है. घटना की जानकारी पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए मिली. सूचना मिली कि न्यू अशोक नगर में पीजी में रहने वाली 22 वर्षीय एक लड़की अपने कमरे में बेहोश पड़ी है और कमरा अंदर से बंद है.

पुलिस अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे. लड़की पीजी के ए 77, एनएएन की तीसरी मंजिल पर रहती थी. कमरा अंदर से बंद होने के कारण पुलिस और फायर स्टाफ ने दरवाजा धक्का देकर खोला. जैसे ही कमला खुला, अंदर का नाजारा हैरान करने वाला था. बंद कमरे में 22 वर्षीय निकिता को पाया गया. जब उसकी जांच की गई तो मौके पर ही घ्त्रुस स्टाफ ने उसे मृत घोषित कर दिया.

शव की जांच के दौरान पाया गया कि मृतक के हाथ में कैनुला लगी हुई थी और दो ड्रिप सीलिंग फैन से लटकी हुई थीं. इस कमरे में निकिता के अलावा दो और रूममेट्स, शैली (उम्र 24 साल) और कविता रावत (उम्र 18 साल) भी रहती थीं. ये दोनों राखी के त्यौहार के लिए 3-4 दिन पहले अपने घर चली गई थीं. मौके पर क्राइम टीम को बुलाया गया और शव को जांच के बाद एलबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया.

परिवार के सदस्यों को इस घटना की सूचना दी जा चुकी है और उनके 20 अगस्त 2024 को पहुंचने की संभावना है. परिजन मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं इस मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी, जिसमें शव परीक्षण और अन्य आवश्यक जांच शामिल हैं.

बाजार से दिनदहाड़े उठा ले भागे 20 साल की लड़की, गाजियाबाद में हिंदू संगठनों का हंगामा

गाजियाबाद जिले के मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में बाजार से सामान लेने के लिए गई 20 वर्षीय मूक-बधिर युवती को बाइक सवार दो युवक अपहरण कर ले गए। पीछा किए जाने पर जंगल में छोड़कर फरार हो गए आरोपी।

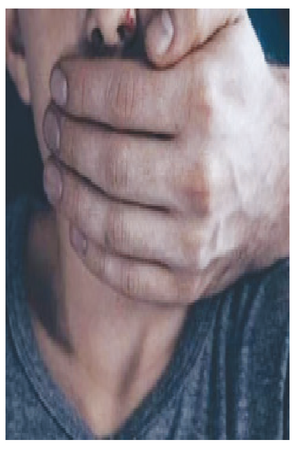

गाजियाबाद. गाजियाबाद जिले के मोदीनगर की जगतपुरी कॉलोनी में बाजार से सामान लेने के लिए गई 20 वर्षीय मूक-बधिर युवती को बाइक सवार दो युवक अपहरण कर ले गए। कॉलोनी के लोगों द्वारा पीछा करने पर छह किलोमीटर दूर गांव सिखैड़ा के जंगल में छोड़कर फरार हो गए। पिता ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नगर की जगतपुरी कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उनकी 20 वर्षीय पुत्री सुनने और बोलने में असमर्थ है। सुबह के समय वह सामान लेने के लिए कॉलोनी की दुकान पर गई थी। इसी बीच वहां पर बाइक सवार दो युवक आए। युवकों ने युवती को इशारे से अपने पास बुलाया। आरोप है कि इसी बीच एक युवक ने युवती को जबरदस्ती बाइक पर बैठा लिया। इसके बाद वह युवती को लेकर भाग गए।

कॉलोनी के एक युवक ने यह सब देख लिया और इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने निवाड़ी रोड पुलिस चौकी पर इसकी सूचना देकर युवती की तलाश शुरू कर दी। आरोपी युवक अपने पीछे लोगों को आता देखकर युवती को गांव सिखैड़ा के जंगल में छोड़कर फरार हो गए। युवती के गले और हाथ पर चोट के निशान हैं और वह बदहवास स्थिति में है। युवती अपने परिजनों को इशारे में अपने साथ हुई घटना की जानकारी दे रही है। परिजन युवती को अस्पताल लेकर गए हैं।

हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

कॉलोनी के लोगों ने बताया कि फेरी लगाने वाले युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया है। आरोपी दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और वह एक सप्ताह से लगातार कॉलोनी में फेरी लगाने के लिए आते थे। बजरंग दल के जिला सह संयोजक मधुर नेहरा पीड़ित परिवार के साथ मोदीनगर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर हंगामा किया। उनका कहना है कि जल्द युवती के अपहरण के आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। थाना प्रभारी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया।

इस गांव में 832 सालों से नहीं बांधी किसी बहन ने राखी, नरसंहार में मारे गए थे सभी भाई

नई दिल्ली.राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के सुराना गांव में बीते 832 सालों से रक्षाबंधन नहीं मना. इस त्योहार पर आज भी बहनों की आंखों में पानी भर जाता है. यहां के लोग इस त्योहार पर खुश नहीं होते, बल्कि इसे अपशकुन मानते हैं. ऐसा हो भी क्यों नहीं, इसके पीछे 832 साल पुरानी कहानी है. उस समय दिल्ली में पृथ्वीराज चौहान की हत्या के बाद मुहम्मद गोरी के सैनिकों ने पूरे गांव को घेर लिया था और खोज खोज कर गांव के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की हत्या कर दी गई थी.

यहां से सैनिकों के जाने के बाद गांव में एक भी भाई जिंदा नहीं बचा था. इस प्रसंग में हम आज उसी कहानी को बताने की कोशिश करेंगे. यह घटना साल 1192 का है. तराइन का युद्ध खत्म हो चुका था. इस युद्ध में मुहम्मद गोरी के हाथों पृथ्वीराज चौहान मारे गए थे. इसी के साथ भारत में आधिकारिक तौर पर मुस्लिम आक्रांताओं की एंट्री हो गई. इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की ओर से यदुवंशी वीर भी लड़े थे, लेकिन पराजय के बाद इन वीरों ने गाजियाबाद के मोदीनगर से लगते गांव सुराना में शरण ले ली.

गोरी ने गांव में कराया था कत्लेआम

इधर, गोरी को इसकी खबर मिली तो उसने पूरी सैनिक टुकड़ी भेज कर इस गांव को घेर लिया. इसके बाद बच्चे से बूढ़े तक गांव में मिले हरेक पुरुष का कत्लेआम करा दिया था. गोरी के सैनिकों के बाद इस गांव में एक भी पुरूष जिंदा नहीं बचा था. वह दिन रक्षाबंधन का ही था. उसी समय इस गांव में रक्षाबंधन को अपशकुन माना जाने लगा. उस घटना को याद कर आज भी इस गांव की रहने वाली कोई बहन किसी भाई को राखी नहीं बांधती.

Name Change
I SHALOO NASHA W/O MAYUR GIRDHAR residing at F-30 STREET NO-9 LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to SHALU GIRDHAR permanently

Name Change
I, AMERA W/O MEHMOOD residing at H NO-313/105 F, 5th FLOOR, GALI NO-13, TULSI NAGAR, INDER-LOK, DELHI-110035 have changed my name to AMEERA for all future purpose.

Name Change
I Mohd Alim Uddeen Fareedee S/O Mohd Faizyab Fareedee. R/O. N-85 Third Floor Lane N0-2 Batla House Okhla Jamia Nagar South East Delhi. 110025. Have Changed my name to Mohd Alim Uddin Fareedee for all future purposes.

Name Change
I, Neelam W/o of No.2805339L Hav kanase maheshkumar laxman R/O vill- angapur POST- angapur TEH - Satara DIST - Satara PIN COD - 415019.have changed my name from neelam to neelam maheshkumar kanase For allfuture purposes vide Affidavit dated 20/08/2024 before Notary public, Delhi

Name Change
I hitherto known as RAMKUMARI alias SHANTI DEVI D/o RAM KISHOR, and W/o RAM ASRE, R/o Gopalpur, Dharupur, Pratapgarh, Uttar Pradesh-230132, have changed my name and shall hereafter be known as SHANTI DEVI.

Name Change
I, KADAMBARI is legally wedded spouse of No. 2808343Y Rank-HAV, Name- MORE PRASHANT VISHWAS R/o AT-VADGAON (BK), POST-KALMANI (KD), TEH - KHED,DIST RATNAGIRI, STATE-MAHARASHTRA, PIN - 415730,have changed my name from KADAMBARI to KADAMBARI PRASHANT MORE for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL36274717157086W dated 13.08.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, SABBAN S/O JAMIL AHMED Residing at A-5, SURAJ PARK COLONY, ROHINI SECTOR-18, DELHI-110042 have changed my name to SABBAN AHMED for all future purpose.

Name Change
I, HAZI ABDUL AZEEZ S/O BAKAR ALI residing at H.NO-C-42, STREET NO-13, MADHU VIHAR, I.P. EXTN. PATPARGANJ, SHAKARPUR DELHI-110092 have changed my name to MOHD AZIZ for all future purposes.

Name Change
I, Barkha Trehan @ Barkha Kochhar D/O Sh. Anil Trehan W/O Sh. Rahul Kochhar R/O C-12/2 S.F.S. DDA Flats, Saket, New Delhi-110017, have changed my name from BARKHA KOCHHAR to BARKHA TREHAN KOCHHAR for all future purposes. Hereinafter I WILL BE CALLED AND KNOWN BY THE NAME OF BARKHA TREHAN KOCHHAR.

Name Change
I, JC-471626P Rank-SUB MAJ HONY CAPT Name-RAVI SINGH S/o BHARAT SINGH Presently residing at VPO-BARODA, TEH-NARWANA, DIST-JIND, HARYANA-126115 have changed my mother's name from BHOTI to BOHTI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1951 instead of her correct date of birth as 01/01/1949 vide Affidavit dated 20/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MISS NISHA daughter of NATHAN LAL residing at H.NO-605, GALI NO-23, NEW KARHERA COLONY, MOHAN NAGAR, DIST-GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201007 have changed my name from MISS NISHA to NISHA KASHYAP for all future purposes vide affidavit dated 20/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MAHDUBAI is legally mother of No. 2801279K Rank- HAV, Name-THANAGE MILIND CHHABU R/O VILL-HIWARE BAZAR, POST-DAITANE GUNJAL, TAH AHMEDNAGAR, DIST AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA, PIN CODE 414103 have changed my name from MAHDUBAI to MANDABAI CHHABU THANAGE for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL362698112998692W dated 13.08.2024. before Public Notary Delhi.

Name Change
I, hitherto known as ANKITA GUPTA D/O ARUN KUMAR GUPTA and W/O GAURAV HARPLANI R/O 160, 1ST FLOOR, BLOCK 6, RAMLEELA GROUND, SUBHASH NAGAR, SUBHASH NAGAR WEST, P.O. TAGORE GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110027 have changed my name and shall hereafter be known as ANKITA HARPLANI.

Name Change
I, No-15715819N Rank-HAV Name-ANAND SASI residing at ILLIKULATHU CHITHIRA, PORUVAZHY, KOLLAM, KERALA-690520 have changed my Minor son's name from DEVANAND to DEVANAND R for all future purposes vide affidavit dated 20/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No. 15331579X HAV VINOD KUMAR YADAV Father of VAIBHAVAI YADAV R/O 1380, SHARAD NAGAR, TARSALI, VADODARA, GUJARAT-390009 have changed my minor daughter's name from VAIBHAVAI YADAV to VAIBHAVI YADAV for all future purposes vide affidavit dated 20/08/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MOHD NASIR S/o Shri MOHD YAKUB R/o House No.1348 GALI NO-44 JAFRABAD SEELAMPUR, Delhi-110053, declare that in my Passport my FATHER NAME incorrect name is mentioned as MOHD YAQUOOB and my correct name is MOHD YAKUB Now onwards my correct name is MOHD NASIR S/O MOHD YAQUOOB for all future purpose.

Name Change
I, SILOCHANA DEVI mother of JC-414880A Rank-NB SUB Name-SANJAY KUMAR residing at VILL-PALOTA, PO- PALOTA, TEH-BUHANA, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333502 have changed my name from SILOCHANA DEVI to SHILOCHANA for all future purposes vide affidavit dated 20/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, YATINDER SINGH S/o YOGESH KUMAR R/o WP-451, Wazirpur Village, Ashok Vihar, North West Delhi-110052, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as YATINDER and JYOTI in my minor daughter ARSHITA CHAUHAN aged 14 years in her School Record. The actual name of mine and my wife are YATINDER SINGH and JYOTI RANI.

Name Change
It is for general information that I, URVI SHARMA D/o PURUSHOTTAM SHARMA R/o C-167, 1st Floor, Sec-1, Avantika, Rohini, Delhi-110085, declare that name of mine and my father have been wrongly written as URVI and P SHARMA in my CBSE 10th & 12th class Educational Documents and University B.Tech Graduation Degree. And, name of mine has been wrongly written as URVI in my Aadhaar Card No. 959037237588. The actual name of mine and my father are URVI SHARMA and PURUSHOTTAM SHARMA respectively.

Name Change
I, MUHAMMAD YOUSUF IQBAL ANSARI S/O MUHAMMAD IQBAL ANSARI residing at SHOP NO-1, FIRST FLOOR, SHAHZADA BAGH PHASE-1, INDERLOK, DELHI-110035 have changed my name to YOUSUF IQBAL ANSARI for all future purpose.

Name Change
I, MERAJ S/O MUNNA residing at H NO- 313/78, TULSI NAGAR, DELHI-110035 have changed my minor son's name from AYAAN SINGH to AYAAN for all future purpose.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक सुश्री नंदिनी राणा पुत्री श्री गेंदा लाल बिना छत के अधिकार वाले फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित ग्राउंड फ्लोर (एल-टाइप) की मालिक हैं, क्षेत्रफल 41.80 वर्ग मीटर है, खसरा के बाहर निर्मित हाउस बियरिंग नंबर डी-138/4 है। नंबर 815, अनाधिकृत कॉलोनी विनोद नगर (उत्तर ए ब्लॉक), ग्राम मंडावली फाजलपुर, पश्चिम विनोद नगर, दिल्ली-110092 में स्थित है। सद्गुण द्वारा, डीडीए (पीएम-अनधिकृत कॉलोनी इन दिल्ली आवास अधिकार योजना सेल) द्वारा दिनांक 08.07.2024 को सुश्री नंदिनी राणा पुत्री श्री गेंदा लाल के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 2024/5/आई/5452, पुस्तक संख्या ढ्ढ के रूप में निष्पादित किया गया। खंड संख्या 3503, पृष्ठ संख्या 99-108, दिनांक 08.07.2024, एसआरओ- ईस्ट प्रीत विहार। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्रीमती ममता और श्री संजय कुमार नाम से बिकने जा रही है और इसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा द्वारका नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

DJT FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED
8th Floor, Lucerna Tower, Plot No .-A2B, Sector-125, Noida, UP-201303 www.djtfintech.com
DEMAND NOTICE UNDER SECTION 13(2) OF SARFAESI ACT, 2002.

Whereas you the below mentioned Borrower's, Co-Borrowers, Guarantors and Mortgagors have availed loans from DJT FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED, by mortgaging your immovable propert ies. Consequent to default co mmitted by you all, your loan account has been classified as N on-performing Asset, whereas DJT FINANCIAL SERVIC ES PRIVATE LIMITED being a secured creditor under the SECURITIZATION AND RECONSTRUCTION OF FINANCIAL ASSETS AND ENFORCEMENT OF SECURITY INTEREST ACT 2002, and in exercise of the powers conferred under section 13(2) of the said Act read with rule 2 of Security Interest (Enforc ement) Rules 2002, issued Demand notice calling upon the Borrower' s/ Co-Borrower's/ Guar antor's/ Mortgagors as me ntioned in column No. 2 to repay the amount mentioned in the notices with future interest thereon within 60 d ays from the date of notice, but the notic es could not be served on some of them for various reasons.

S.No	Name of Borrower/ Co-Borrower/ Guarantor/ Mortgagor	Loan Account No. & Loan Amount	Details of the Security to be enforced	Date of NPA & Demand Notice date	Amount Due in Rs. / as on
1	Mohd Ashraf Siddiqui S/o Taqi Mohd Proprietor of M/S Sunshine Tools Enterprises M/s sunshine tools enterprises. 2. Rukhsana praveen W/o Taqi Mohd. 3. Taqi Mohd	DJTFBS02230700133 & Rs. 30,00,000/- (Rupees Thirty Lakh Only)	Portion of the ground floor admeasuring 48 sq yds., and portion of the second floor admeasuring 32 sq yds., (said portion) of the property bearing no. 1208, admeasuring 80sq yds., Ward No. XI, Gali Mazar Wali, situated at Kucha Faulad Khan, Kalan Mahal, Dar ya Ganj, Delhi - 110006; hereinafter referred to as "the said property: Measuring Area : 1. GF 48.00 SQ YARDS, 2. SF 32.00 SQ YARDS Bounded Area: - East by: Property of others West by: - Property of others North by: Property of others	04.05.24 & 12.07.24	Rs. 33,15,795/- (Rupees Thirty Three Lac Fifteen Thousand Seven Hundred Fifty Nine Only) as date on 05-July-2024

Notice is therefore given to the Borrower/ Co-Borrower/ Guarantor & Mortgagor as mentioned in Column No.2, calling upon them to make payment of the aggregate amount as shown in column No.6, against all the respective Borrower/ Co-Borrower within 60 days of Publication of this notice as the said amount is found payable in relation to the respective loan account as on the date shown in Column No. 6. It is made clear that if the aggregate amount together with future interest and other amounts which may become payable till the date of payment, is not paid DJT FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED shall be constrained to take appropriate action for enforcement of security interest upon properties as described in Column No. 4. Please note that this publication is made without prejudice to such rights and remedies as are available to Jana Small Finance Bank Limited against the Borrower's/ Co-Borrower's/ Guarantor's/ Mortgagors of the said financials under the law, you are further requested to note that as per section 13(13) of the said act, you are restrained/ prohibited from disposing of or dealing with the above security or transferring by way of sale, lease or otherwise of the secured asset without prior consent of Secured Creditor.

Date: 09.08.2024 Place: Delhi Sd/- Authorised Officer, For DJT FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कविता लोहिया पत्नी श्री सोइविंदर कुमार आवासीय प्लॉट नंबर 16, जिसका क्षेत्रफल 167.225 वर्ग मीटर, (ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर, सेकेंड फ्लोर, थर्ड फ्लोर) है। खसरा नंबर 665/2, 666/2,673/2 मिन, 673/3, 674/2, घिटोरनी की अनधिकृत कॉलोनी विस्तारित आबादी में स्थित, ग्राम घिटोरनी के एक्सटेंशन घिटोरनी राजस्व संपदा, नई दिल्ली-110030 की मालिक हैं प्रारंभ में, उक्त संपत्ति के संबंध में श्रीमती मीना गुप्ता मालिक थीं, बाद में, जिन्होंने श्री विमला गोयल के पक्ष में दिनांक 23/11/2011 को एटीएस निष्पादित किया, जिन्होंने बाद में श्रीमती कविता लोहिया के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में दिनांक 06/08/2012 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया।, अंततः, प्राधिकरण पर्ची (पीएमयूडीएवाई) दिनांक 24/08/2022 को डीडीए द्वारा श्रीमती कविता लोहिया के पक्ष में प्लॉट संख्या 16, भूतल मंजिल, पहली मंजिल, दूसरी मंजिल, तीसरी मंजिल, क्षेत्रफल 167.225 वर्ग मीटर है।के संबंध में निष्पादित किया गया। दस्तावेज़ संख्या 4866, एसआर-ङ्कद्बद्ब-ए जो फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के साथ अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त संपत्ति को गिरवी रखना चाहता है। उक्त बंधक या अधिग्रहण पर आपत्ति या संपत्ति में किसी का दावा या अधिकार या हित है तो वह 15 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 20/8/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बेबी मित्तल पत्नी श्री संजय मित्तल संपत्ति संख्या 1, पुरानी संख्या संख्या 20, क्षेत्रफल 376.2 वर्ग मीटर यानी 450 वर्ग. 4ds. खसरा संख्या 31/4/2, 31/5 (क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 31/5, + 400 वर्ग गज भूमि क्षेत्रफल का टुकड़ा, खसरा संख्या 31/4/2 में से स्थित सफ़ीपुर गांव के क्षेत्र में रणहौला कॉलोनी जिसे मीरा एन्क्लेव, नांगलोई, दिल्ली-110041 के नाम से जाना जाता है। की मालिक हैं। द्वारा उपहार विलेख दिनांक 24/05/2023 को दस्तावेज़ संख्या 3516, खंड संख्या 4923, पृष्ठ संख्या 106-115, एसआर-द्वितीय ए, श्री संजय मित्तल द्वारा निष्पादित श्रीमती बेबी मित्तल के नाम पर, प्रारंभ में, श्री राजिंदर कुमार वाधवा और श्री रणबीर सिंह उक्त संपत्ति के संयुक्त रूप से मालिक थे, बाद में श्री राजिंदर कुमार वाधवा द्वारा श्री संजय मित्तल के पक्ष में दिनांक 01/03/1999 को जीपीए निष्पादित किया गया। 400 वर्ग गज क्षेत्रफल के संबंध में बाद में जीपीए दिनांक 14/06/1999 को श्री रणबीर सिंह द्वारा श्रीमती निर्मला देवी के पक्ष में निष्पादित किया गया। पॉट नंबर 20 क्षेत्रफल 100 वर्ग गज के संबंध में, बाद में, जिसने श्री संजय मित्तल के पक्ष में दिनांक 01/12/2000 को जीपीए निष्पादित किया। 50 वर्ग गज के प्लॉट नंबर 20 के संबंध में, आखिरकार, श्रीमती बेबी मित्तल पत्नी श्री संजय मित्तल के नाम उक्त संपत्ति के संबंध में गिफ्ट डीड दिनांक 24/05/2023 को श्री संजय मित्तल द्वारा निष्पादित किया।, जो फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त संपत्ति को गिरवी रखने का इरादा रखता है। जिसे भी उक्त बंधक या अधिग्रहण पर कोई आपत्ति हो या किसी के पास संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित हो, वह संपर्क करेगा। 15 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी को ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 20/8/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

Name Change
I,SHANTI DEVI is legally mother of No. JC-483633X Rank-NB SUB, Name- MAJEET KUMAR SINGH R VILL-HAJAULI BABU KE PURA, PO-HAJAULI, TEH- CAPACHITGARU, DIST-BALLIA, (UTTAR PRADESH)-221701 have changed my name from SHANTI DEVI to SHANTI SINGH and date of birth from 10/07/1958 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL37937713734836W dated 16.08.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I, SHIV KUMAR is legally father of No. JC-483633X Rank-NB SUB, Name-MAJEET KUMAR SINGH R% VILL-HAJAULI BABU KE PURA, PO-HAJAULI, TEH- CAPACHITGARU, DIST-BALLIA, (UTTAR PRADESH)-221701 have changed my name from SHIV KUMAR to SHIVKUMAR SINGH and date of birth from 14/07/1955 t? 25/12/1958. Vide affidavit No IN-DL37933721365276W dated 16.08.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change
I,Rohini W/O of No- JC 463016N Nb Sub Deore Jagdisha Kashinath Shri hari row house no - 06 Plot no - 22/23,Surve no 286/1 Near Sale tax office Pathardi Phata POST-Ambad TEH - Nashik DIST - Sangli PIN COD -422010 have changed my name from Rohini to Deore Rohini Jagdisha For allfuture purposes vide Affidavit dated 14/08/2024 before Notary ,Nashik.

Name Change
I, MALAN MAHABUBALI HAVANUR wife of NO-16118450X Rank-HAV Name-MAHABUBALI HAVANUR residing at PLOT NO-98, VPO-KARJAGI, TEH & DIST-HAVERI, KARNATAKA-581112 have changed my name from MALAN MAHABUBALI HAVANUR to MALAN HAVANUR for all future purposes vide affidavit dated 20/08/2024 before Notary Public, Delhi.

उम्मीदवारों की पहली लिस्ट तैयार, इसी सप्ताह जारी होने के आसार

चंडीगढ़. हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा ने विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया तेज कर दी है। पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची को लगभग अंतिम रूप दिया जा चुका है। पिछले दिनों रोहतक प्रदेश मुख्यालय में हुई भाजपा दिग्गजों की बैठक में दो दर्जन के करीब विधानसभा क्षेत्रों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों का कहना है कि हाईकमान की ओर से करवाए गए सर्वे के अलावा विभिन्न एजेंसियों की रिपोर्ट का मिलान करने के बाद तैयार की गयी पहली सूची मंजूरी के लिए केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जा चुकी है।

इस तरह की भी खबरें हैं कि चुनाव की कमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूरी तरह से अपने हाथों में ली हुई है। हाईकमान के नजदीकी नेताओं में शामिल व हरियाणा विधानसभा चुनाव इंचार्ज, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ग्राउंड पर पूरा होमवर्क करने के बाद ही प्रत्याशियों की पहली सूची तैयार करवाई है। माना जा रहा है कि अगर किसी तरह की अड़चन नहीं आई तो इसी सप्ताह भाजपा की पहली सूची जारी हो सकती है।

कई मंत्रियों, विधायकों का टिकट कटना तय

दिल्ली से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने राज्य की सर्वे रिपोर्ट और एंटी-इनकमबेंसी को देखते हुए कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटने का मन बना लिया है। पार्टी के मौजूदा 41 विधायकों में से कम से कम 20 के टिकट पर तलवार लटकी है। जिनकी टिकट की गारंटी नहीं है, उनमें कई मंत्री और हेवीवेट विधायक भी शामिल हैं। दरअसल, पार्टी के 'रियल्टी चेक' में यह बात सामने आई है कि ग्राउंड पर भाजपा से अधिक, विधायकों के खिलाफ नाराजगी है, जो पूरी पार्टी को भारी पड़ सकती है। यही कारण है कि कई विधायकों ने अपने टिकट को लेकर भागदौड़ शुरू कर दी है। वे अपने-अपने 'राजनीतिक गॉडफादर' के यहां चक्कर लगा रहे हैं। केंद्रीय नेताओं के अलावा संघ दिग्गजों के संपर्क तलाशे जा रहे हैं। वहीं, 2019 में विधानसभा चुनाव हारने वाले 50 नेताओं में से भी इस बार कइयों को टिकट मिलना मुश्किल है। अपना निर्वाचन क्षेत्र छोड़कर दूसरे हलकों से चुनाव लड़ने के सपने देख रहे नेताओं के मंसूबों पर भी हाईकमान ने पानी फेर दिया है। यह लगभग क्लीयर है कि किसी भी नेता के हलके को बदला नहीं जाएगा।

धनखड़ की अध्यक्षता में तैयार होगा भाजपा का चुनावी घोषणा-पत्र

चंडीगढ. हरियाणा भाजपा ने विधानसभा चुनावों का घोषणा-पत्र तैयार करने के लिए कमेटी का गठन किया है। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली की ओर से बनाई कमेटी का नेतृत्व पूर्व कृषि मंत्री व राष्टीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ करेंगे। कमेटी में राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा, वरिष्ठ नेता वेदपाल एडवोकेट, पूर्व मंत्री विपुल गोयल, पूर्व मंत्री किरण चौधरी, विधायक भव्य बिश्नोई, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, सीएम के पूर्व ओएसडी भूपेश्वर दयाल, पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता, नांगल-चौधरी विधायक डॉ अभय सिंह यादव, वरिष्ठ नेता संजय शर्मा, मदन गोयल व रोजी मलिक आनंद को सदस्य के रूप में शामिल किया है।

किरण हरियाणा, बिट्टू एमपी या राजस्थान से जाएंगे!

चंडीगढ़. हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर भाजपा के कई दिग्गज नेताओं की नजर है। माना जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व ने पूर्व मंत्री व तोशाम की विधायक किरण चौधरी को राज्यसभा भेजने का लगभग फैसला कर लिया है। किरण समर्थकों की मानें तो वे बुधवार को विधानसभा पहुंच कर नामांकन-पत्र दाखिल कर सकती हैं।

किरण चौधरी ने कुछ समय पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन की है। हालांकि उन्होंने विधानसभा की सदस्यता अभी तक नहीं छोड़ी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राज्य में राज्यसभा की सीट खाली हुई है। अब उपचुनाव में यह सीट भाजपा के खाते में जानी लगभग तय है।

दुष्यंत ने हुड्डा पर ली चुटकी

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने राज्यसभा उपचुनाव को लेकर पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष किया है। दरअसल, जजपा के छह विधायक पार्टी के खिलाफ बगावत कर चुके हैं। इनमें से पांच विधायकों ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। इस पर चुटकी लेते हुए दुष्यंत ने एक्स (ट्वीटर) पर पोस्ट करते हुए लिखाङ्क अब तो हमारी पार्टी के चार-पांच विधायक कांग्रेसी हो चुके हैं। ऐसे में हुड्डा साहब को अब भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारना चाहिए। दुष्यंत ने कहाङ्क अगर भूपेंद्र हुड्डा की भाजपा के साथ सांठ-गांठ नहीं है तो वे राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करें। हम पहले ही भाजपा के खिलाफ वोट करने का वादा कर चुके हैं।

सिंघवी ने तेलंगाना से भरा पर्चा

हैदराबाद. कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने तेलंगाना से राज्यसभा उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में सोमवार को नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनकी मंत्रिमंडलीय सहयोगी एवं तेलंगाना में पार्टी मामलों के लिए एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी भी उनके साथ थीं। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक दल (सीएलपी) ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए सिंघवी की उम्मीदवारी का रविवार रात समर्थन किया था। हैदराबाद में सीएलपी की एक बैठक के बाद पत्रकारों से मुखातिब मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि बैठक में सिंघवी को कांग्रेस विधायकों, सांसदों और विधान परिषद सदस्यों से मिलवाया गया। वर्ष 2014 में विभाजन के बाद पड़ोसी आंध्र प्रदेश से विभिन्न मुद्दों पर जारी विवाद का जिक्र करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि सिंघवी के चुनाव से न केवल संसद में, बल्कि अदालतों में भी तेलंगाना की चिंताओं और समस्याओं को रेखांकित करने में मदद मिलेगी। सिंघवी ने कहा कि तेलंगाना में राज्यसभा उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामित होना उनके लिए सम्मान की बात है।

हाईकमान ने रवनीत को कागजी कार्रवाई पूरी करने को कहा

लुधियाना.केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भाजपा राजस्थान या मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेज सकती है। राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्र 21 अगस्त तक जमा होंगे। भाजपा हाईकमान ने बिट्टू को कागजी कार्रवाई पूरी करने का आदेश जारी कर दिया है। दोनों राज्यों में भाजपा के पास बहुमत है। ऐसे में बिट्टू के लिए राज्यसभा जाना आसान होगा। ज्यादा संभावना यह है कि उन्हें मध्य प्रदेश से ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह राज्यसभा भेजा जायेगा। लोकसभा चुनाव में सिंधिया की जीत के बाद राज्यसभा की यह सीट खाली हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत सिंह बिट्टू कांग्रेस के टिकट पर तीन बार सांसद रह चुके हैं। वह पहले श्री आनंदपुर साहिब से और फिर दो बार लुधियाना से कांग्रेस सांसद बने। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने कांग्रेस को अलविदा कह दिया और भाजपा में शामिल होकर लुधियाना से चुनाव लड़ा, लेकिन पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग से हार गये।

भाजपा राज में हरियाणा बना सबसे असुरक्षित राज्य : हुड्डा

चंडीगढ़. हरियाणा में भाजपा सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रही है और महिलाओं के विरुद्ध अपराध नॉन स्टॉप हो गया है। खुद सरकारी आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध में हरियाणा आज देश में पहले नंबर पर है। हर रोज 5 रेप व 13 अपहरण के केस सामने आते हैं और रोज 46 महिलाओं के साथ कोई ना कोई अपराध होता है। एसपीआई की रिपोर्ट में भी हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य घोषित किया गया है।

यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अनदेखी के चलते आंगनबाड़ी, आशा वर्कर, मिड-डे-मील वर्कर और नर्सिंग स्टाफ समेत हजारों महिला कर्मचारियों को सड़क पर उतरना पड़ रहा है। इसलिए कांग्रेस और महिलाओं के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि महिलाओं के मान-सम्मान की सुरक्षा का चुनाव बन चुका है। वे सोमवार को रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को संबोधित कर रहे थे।हुड्डा के रोहतक व नयी दिल्ली स्थित आवास पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने राखी भेजी। झज्जर विधायक गीता भुक्कल व शकुंतला खटक ने भी इस दौरान हुड्डा को राखी बांधकर यह त्यौहार मनाया। हुड्डा ने वादा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। अपराध और बदमाशों का प्रदेश से सफाया किया जाएगा। महंगाई कम करने के लिए रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा और 300 यूनिट बिजली मुफ्त होगी। सरकारी नौकरियों में बैकलॉग को पूरा किया जाएगा और सरकारी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया जाएगा।

हुड्डा ने कहा कि आज प्रदेश में कानून व्यवस्था का दिवालिया पिट चुका है। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण प्रदेश के युवाओं का नशे के दलदल में जाना भी है। प्रदेश सरकार ड्रग माफिया को पकड़ने की बजाय संरक्षण दे रही है।

स्कूलों को बंद करके हर गांव, गली और मोहल्ले में शराब के ठेके खोले जा रहे हैं। बढ़ते नशे का सबसे बड़ा खामियाजा घरों में माता-बहनों को भुगतना पड़ रहा है। मांएं अपने युवा बच्चों को आंखों के सामने दम तोड़ते देख रही हैं और महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं।

नशे के कारोबार पर लगाएंगे अंकुश...

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बहनों से वादा किया कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर नशे के कारोबार पर अंकुश लगाया जाएगा। कांग्रेस युवाओं को नशेड़ी नहीं बल्कि खिलाड़ी बनने की दिशा में काम करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा न आम महिलाओं को सुरक्षा दे पाई और ना ही देश का नाम रोशन करने वाली पहलवान बेटियों को न्याय दे पाई। चाहे महिला पहलवानों का मुद्दा हो या फिर महिला कोच का, बीजेपी हर जगह आरोपियों के पक्ष में ही खड़ी नजर आती है।

महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए तत्पर रहें युवा

कैथल.आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं शिक्षा विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष मास्टर सतबीर गोयत के कार्यालय में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में शहर के साथ-साथ गांव से पहुंची महिलाओं व युवतियों ने भाग लिया। महिलाओं व युवतियों ने मौके पर पहुंच कर भाई को राखी बांधकर उनके सुखद भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए मास्टर सतबीर गोयत ने कहा कि रक्षाबंधन हमारा सांस्कृतिक पर्व तो है ही, साथ में यह एक ऐसा पर्व है, जो देश की बहन, बेटियों की सुरक्षा के दृष्टिगत मनाया जाता है। देश के युवाओं को यह पर्व संदेश देता है कि जहां भी महिला के साथ अन्याय होता दिखे तो उसका विरोध करें। महिलाओं और बहन, बेटियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए सदैव तत्पर रहें।

रक्षाबंधन के दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके दीर्घायु होने की कामना भी करती हैं। बदले में भाई भी अपनी बहन को वचन देता है कि वो हमेशा उसकी रक्षा करेगा। कार्यक्रम में आई बहनों के लिए राखी, मिठाई और अन्य प्रबंध मास्टर सतबीर गोयत की ओर से किए गए। इस अवसर पर कमलेश कुमारी, शकुंतला शर्मा, मीना कुमारी, बिमला ढिल्लों, रीना कुमारी, सुनीता, मंजूबाला, राजबाला, सुमन, पूजा, अमरीक सिंह, राजवीर, सौरभ सिंगला, सुभाष चौहान, जयप्रकाश गोयत, विजेंद्र बैनीवाल व अन्य मौजूद रहे।

सर्वे के आधार पर मजबूत और जिताऊ चेहरों को मिलेंगी टिकटें : सतीश पूनिया

चंडीगढ. भाजपा विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी। भाजपा नेता व वर्कर हमेशा ही चुनावों के लिए तैयार रहते हैं। भाजपा की खासियत यही है कि चुनाव में जीत हासिल करने के साथ ही अगले चुनावों की तैयारियां शुरू हो जाती हैं।

ऐसे में समय पूर्व चुनावों की घोषणा से कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा पहले से ही अपनी तैयारियां पूरी कर चुकी है। दैनिक ट्रिब्यून से विशेष बातचीत में हरियाणा प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने चुनावी रणनीति, प्रदेश के राजनीतिक माहौल, लोकसभा चुनाव के नतीजों सहित कई अहम मुद्दों पर खुलकर बातचीत की। डॉ. पूनिया ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार है और आगे भी डबल इंजन की सरकार ही पीएम नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका अदा करेगी। पार्टी के स्तर पर चुनाव की तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं। पार्टी नेताओं व पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें चल रही हैं। इससे पहले पूनिया लोकसभा चुनावों के दौरान भी हरियाणा भाजपा के चुनाव इंचार्ज रह चुके हैं। भाजपा ने इस बार राज्य में लोकसभा की दस में से पांच सीटों पर जीत हासिल की। पांच सीटों पर हुई हार को लेकर पूनिया ने कहा ङ्क कांग्रेस के झूठे प्रचार की वजह से पार्टी को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इन चुनावों में अच्छा वोट बैंक हासिल किया है। अनुसूचित जाति के लोगों को संविधान व लोकतंत्र के नाम पर कांग्रेस ने भ्रमित करने का काम किया।

अब लोगों को यह बात अच्छे से समझ में आ गई है कि कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मौजूदा भाजपा सरकार ने साढ़े नौ वर्षों में 1 लाख 40 हजार के करीब सरकारी नौकरियां मैरिट पर दी हैं। व्यवस्था में बदलाव किया है और पूरे हरियाणा का समान तरीके से विकास किया है। भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा सरकार जीरो टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और जीत की हैट्रिक लगाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों के चयन के लिए पार्टी हाईकमान द्वारा सर्वे करवाया जा रहा है।

पूनिया ने कहा कि भाजपा टिकट आवंटन में सबसे पहली शर्त जिताऊ की होगी। पार्टी के प्रति वफादार चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अपेक्षाकृत नौजवानों को टिकट दी जाएगी। दूसरी राजनीतिक पार्टियों से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को चुनाव लड़वाने से जुड़े सवाल पर पूनिया ने कहा कि जो लोग भी दूसरे दलों से आए हैं, वे अब भाजपा के रंग में रंग चुके हैं।

गुमराह नहीं कर सकेंगे कांग्रेसी...

भाजपा प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि लोकसभा चुनावों में कांग्रेस द्वारा किया गया दुष्प्रचार बेशक काम कर गया लेकिन अब हरियाणा के लोग कांग्रेस के बहकावे में नहीं आएंगे।

हरियाणा को विकसित प्रदेश बनाना हमारा लक्ष्य:नायब

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी (लोसपा) व आम आदमी पार्टी के कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई।

चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर यह कार्यक्रम हुआ। भाजपा के पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने लोसपा का गठन किया हुआ है। गुहला-चीका विधानसभा के गांव पटाक माजरा से गुरजीत सिंह के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाजपा ज्वाइन की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी नेताओं व लोगों को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा ङ्क भाजपा का परिवार निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों के लोग भाजपा की रीति-नीति से आकर्षित होकर भाजपा में हर रोज शामिल हो रहे हैं। भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम है। पार्टी के कार्यकर्ता राष्ट्र भावना को सर्वोपरि मानते, निस्वार्थ भावना से समाज सेवा का काम करते हैं। उन्होंने पार्टी में शामिल होने वालों से तुरंत तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने के लिए जुट जाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने 10 वर्षों में देश और प्रदेश की तकदीर और तस्वीर को बदला है। हरियाणा में भाजपा सरकार ने बिना भेदभाव किए समान रूप से विकास कराया है।

10 वर्षों से भाजपा सरकार ने गरीब, युवा, महिला और अन्नदाताओं की उन्नति, समृद्धि के लिए संकल्पित होकर काम किया है। सैनी ने कहा कि हमारा लक्ष्य हरियाणा को विकसित राज्य बनाना है, इसलिए तीसरी बार भाजपा सरकार बनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक अक्तूबर को विधानसभा चुनाव है, इसलिए सभी कार्यकर्ता दिन-रात हर हलके में कमल खिलाने के कार्य में जुट जाएं।

भ्रष्टाचार में कांग्रेस और आप एक समान

मुख्यमंत्री कहा कि भाजपा का ग्राफ बढ़ रहा है, जिससे कांग्रेस को दिक्कत हो रही है। उन्होंने कांग्रेस पर विकास विरोधी होने का आरोप लगाया और केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के मामलों में कांग्रेस से भी आगे निकालने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेसी हमारे बढ़ते ग्राफ को देखते हैं, तो उन्हें समस्या हो जाती है। 4 अक्तूबर को जब विधानसभा चुनाव के परिणाम आएंगे, तो भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी।

कई बहनों ने सीएम की कलाई पर बांधी राखी

रक्षा बंधन पर्व पर कई बहनों ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को राखी बांधी और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने की भगवान से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की हमारी लाड़ली बहनों ने रक्षाबंधन के पावन मौके पर रक्षासूत्र बांधा है। बहनों का यूं स्नेह मिलना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। सैनी ने कहा कि रक्षा सूत्र मेरे लिए विशेष जिम्मेदारी का अहसास है। प्रदेश का मुखिया होने के नाते अपनी सभी बहनों की सुरक्षा, समृद्धि और उनका उत्थान सदैव हमारी प्राथमिकता रहेगी।

पहलवान अमन सहरावत का किया स्वागत

सीएम सैनी ने झज्जर जिले के बीरोहड़ के रहने वाले ओलंपिक कांस्य पदक विजेता 21 वर्षीय पहलवान अमन सहरावत के संत कबीर कुटीर पर पहुंचने पर स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलवान अमन पर देश और प्रदेश को गर्व है। महज 10 साल की उम्र से विपरीत परिस्थितियों में अमन ने कुश्ती में जो कठिन तप किया वो अद्भुत है।

सीएम सैनी ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित और सम्मान देने वाली सरकार है। मुख्यमंत्री ने अमन को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दी।

पार्टी से दूर हुए दलित वोट बैंक को साधने में जुटी भाजपा

चंडीगढ. लोकसभा के हालिया चुनावों में दलित वोट बैंक के खिसकने का झटका झेल चुकी सत्तारूढ़ भाजपा अब राज्य के इस बड़े वोट बैंक को साधने और मनाने में जुटी है। चुनावी नतीजों के बाद से अभी तक राज्य की नायब सरकार अनुसूचित जाति वर्ग को आकर्षित करने के लिए कई बड़े फैसले कर चुकी है। इसी कड़ी में 26 अगस्त को पिपली (कुरुक्षेत्र) स्थित गुरु रविदास मेमोरियल स्थल पर प्रदेश स्तरीय 'दलित सम्मान स्वाभिमान' समारोह का आयोजन होगा। पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर सम्मेलन के मुख्यातिथि होंगे।

यहां बता दें कि भाजपा ने विधानसभा चुनावों का आगाज भी थानेसर (कुरुक्षेत्र) में रैली करके किया था। पिपली में होने वाले दलित सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद दुष्यंत कुमार गौतम विशिष्ट अतिथि होंगे। इस सम्मेलन के जरिये भाजपा ने दलितों को एकजुट करने की रणनीति बनाई है। मुख्यमंत्री के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर सुदेश कटारिया ने इस सम्मेलन की जिम्मेदारी संभाली हुई है। सम्मेलन को लेकर वे कई जिलों में समाज के लोगों के साथ बैठकें कर चुके हैं।

इस सम्मेलन को लेकर हरियाणा के दलित नेताओं ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की और उन्हें दलित सम्मान समारोह का निमंत्रण दिया। इन नेताओं में पीडब्ल्यूडी मंत्री डॉ बनवारी लाल, राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार, पूर्व सांसद डॉ अशोक तंवर, पटौदी विधायक सत्यप्रकाश जरावता व सुदेश कटारिया शामिल रहे। सुदेश कटारिया का कहना है कि 26 अगस्त को आयोजित होने वाला दलित सम्मेलन पीड़ित, शोषित दलित समाज में नई क्रांति और नई उम्मीद का महायज्ञ है।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में दलित एकजुटता के साथ संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प लेंगे। प्रदेश के हर जिले में जनसंपर्क अभियान जारी है, अभी तक फतेहाबाद, कैथल, जींद, रोहतक व झज्जर सहित अंबाला व यमुनानगर में सम्मेलन का न्यौता दलितों को दिया जा चुका है। कटारिया ने कहा कि मनोहर लाल ने अपने साढ़े 9 साल के मुख्यमंत्रित्व काल में अंत्योदय उत्थान की भावना के साथ दलितों को मान-सम्मान देने का काम किया।

टाटा के इस शेयर ने मचाया गदर, खरीदने की लूट, एक्सपर्ट बोले-7100 के पार जाएगा भाव, खरीदो

बिजनेस डेस्क. बाजार में अस्थिरता के बावजूद टाटा समूह की रिटेल ब्रांच ट्रेंट के शेयर (Trent Limited Share) लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं। कंपनी द्वारा 8 अगस्त को जून तिमाही के नतीजे जारी करने के बाद यह गति तेज हो गई। यह स्टॉक लगातार छह सेशंस में नए हाई पर पहुंच गए। इस दौरान इसमें 19 की तेजी आई। पिछले कारोबारी सत्र में स्टॉक 6,700 को पार कर गया और 6,750 प्रति शेयर के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इस महीने अगस्त में अब तक इस स्टॉक में 14.57 की बढ़त हुई है।

ब्रोकरेज की राय

कंपनी के जून तिमाही के नतीजों के बाद घरेलू और वैश्विक दोनों ब्रोकरेज फर्मों ने ट्रेंट पर अपना सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा, जिससे उनके प्राइस नई ऊंचाई पर पहुंच गए। एक्सिस सिक्योरिटीज ने शेयर पर अपना टारगेट प्राइस ?4,800 के पिछले टारगेट से बढ़ाकर ?7,000 प्रति शेयर कर दिया। इसी तरह, मोतीलाल ओसवाल ने टाटा समूह के स्टॉक पर अपना टारगेट प्राइस ?6,080 से बढ़ाकर ?7,040 प्रति शेयर कर दिया। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि स्टॉक ?7,136 तक पहुंच जाएगा। ट्रेंट सितंबर 2024 में आगामी इंडेक्स रीबैलेंस में निफ्टी 50 इंडेक्स में शामिल होने के लिए तैयार है।

जून तिमाही के नतीजे

ट्रेंट के फैशन पोर्टफोलियो ने एक बार फिर उद्योग से बेहतर प्रदर्शन किया। डबल डिजिट में समान-स्टोर बिक्री वृद्धि (एसएसएसजी) हासिल की और अपने खुदरा क्षेत्र में 35त्न का विस्तार किया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन ने साल-दर-साल स्टैंडअलोन राजस्व में 57त्न की वृद्धि की, प्रति वर्ग फुट अनुमानित बिक्री में 19त्न की वृद्धि हुई। जैसे-जैसे कंपनी आगे बढ़ी, ऑपरेटिंग लीवरेज चलन में आया, जिससे सकल मार्जिन में 170 आधार अंक का विस्तार हुआ।

IPO से चमकी 'भारत के एलन मस्क' भाविश अग्रवाल की किस्मत, हुई छप्परफाड़ कमाई

बिजनेस डेस्क. Ola Electric Mobility के सीईओ भाविश अग्रवाल (CEO Bhavish Aggarwal) की किस्मत इस समय चमक रही है। कंपनी के आईपीओ को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। सपाट लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों तेजी देखने को मिली है। उनकी कंपनी में कुल हिस्सेदारी 30.02 प्रतिशत की है। कंपनी की शेयर बाजार लिस्टिंग के बाद उनकी नेटवर्थ मंगलवार के उच्चतम स्तर 21000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई।

कंपनी ने किया निवेशकों का पैसा भी दोगुना

आईपीओ के लिए कंपनी ने 72 से 76 रुपये का प्राइस बैंड तय किया था। बीएसई में आज कंपनी के शेयर 154 रुपये पर

खुलने के बाद 157.53 रुपये के आल टाइम हाई पर पहुँच गया। जोकि इश्यू प्राइस से दोगुना है। हालांकि इसके बाद कंपनी के शेयरों में नरमी देखने को मिली है।

लिस्टिंग के बाद भाविश अग्रवाल के पास ह्यद्य Electric Mobility के कुल 1,32,39,60,029 शेयर थे। आज के दिन के उच्चतम स्तर पर शेयर पहुंचने के बाद उनकी नेटवर्थ 83.87 रुपये के एक्सचेंज रेट पर 20,856 करोड़ रुपये हो गई थी। बता दें, आईपीओ के वक्त भाविश अग्रवाल ने कुल 288 करोड़ रुपये के शेयर भी बेचे थे। अगर उसे भी मिला दें तो उनकी कुल नेटवर्थ 21,144 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था।

एक्सपर्ट के अनुमान से भी ज्यादा चढ़ गया शेयर

ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने ओला इलेक्ट्रिक के लिए 140 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया था। कंपनी के शेयर मंगलवार को 7.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 157.53 रुपये के लेवल पर पहुंच गए थे। जोकि कंपनी के आईपीओ के अपर प्राइस बैंड की तुलना में 107 प्रतिशत अधिक है।

पहले 10, अब 19, शेयर पर लगातार डिविडेंड बांट रही यह कंपनी, रॉकेट बना भाव

बिजनेस डेस्कवेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के बोर्ड ने ?19 प्रति शेयर के अपने दूसरे अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दे दी है। इससे पहले कंपनी ने प्रति शेयर 10 रुपये के पहले अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की थी। हिंदुस्तान जिंक ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा- निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 19 रुपये प्रति शेयर यानी दो रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य पर 950 प्रतिशत के दूसरे अंतरिम डिविडेंड पर विचार किया और उसे मंजूरी दे दी है। यह 8,028.11 करोड़ रुपये बैठता है।इस खबर के बीच मंगलवार को हिंदुस्तान जिंक के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के दूसरे दिन कंपनी के शेयर करीब 3 फीसदी चढ़कर 513

रुपये के स्तर को टच कर गए। 22 मई 2024 को शेयर की कीमत 807 रुपये के 52 वीक हाई तक गई थी। वहीं, 52 वीक का लो 285 रुपये है। यह भाव इसी साल मार्च महीने में था।

3,200 करोड़ रुपये जुटाए

इस बीच, हिंदुस्तान जिंक के शेयरों की बिक्री पेशकश से करीब 3,200 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों के मुताबिक वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयरों की बिक्री पेशकश को खुदरा एवं संस्थागत निवेशकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। सूत्रों ने कहा कि इस बिक्री पेशकश से वेदांता को करीब 3,200 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है।

क्या होगा पैसे का

वेदांता ओएफएस से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल अपने बही-खाते को दुरुस्त करने और अपनी विस्तार परियोजनाओं में निवेश के लिए करेगी। पिछले महीने पात्र संस्थागत आवंटन से जुटाई गई 8,500 करोड़ रुपये की राशि मिलाकर वेदांता समूह और हिन्दुस्तान जिंक दोनों का कर्ज कम करने में मदद मिलेगी। खुदरा निवेशकों के लिए बेस इश्यू साइज 51.44 लाख शेयरों का था जबकि कुल 93.82 लाख शेयरों की खरीद हुई।

सूत्रों के मुताबिक, संस्थागत निवेशकों के लिए 4.62 करोड़ शेयर निर्धारित किए गए थे जबकि कुल संस्थागत खरीद 6.36 करोड़ शेयरों की हुई। 16-19 अगस्त तक चली ओएफएस प्रक्रिया के बाद हिंदुस्तान जिंक में वेदांता की शेयरधारिता 63.42 प्रतिशत रह गई है।

नए ऐलान के बाद 52 वीक हाई पर पहुंच भाव, शेयरों में 12% की उछाल

बिजनेस डेस्क.Optiemus Infracom के शेयरों में आज 12 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल एक नए ऐलान के बाद देखने को मिली है। बता दें, मंगलवार को कंपनी के शेयर 52 वीक हाई पर पहुंच गए थे।

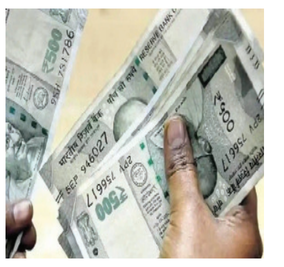

कंपनी क्या-क्या उत्पादन करेगी?

कंपनी ने शेयर बाज़ारों को दी जानकारी में कहा है कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर प्लान के तहत अब टेलीकॉम सामानों की उत्पादन करेगी। इसी खबर ने निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। कंपनी तेजस नेटवर्क के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी अपने नोएडा मैन्युफैक्चरिंग सेंटर पर 4जी बेस ब्रांड यूनिट/ रिमोट रेडियो हेड/ ब्रांड बैंड स्विच राउटर्स आदि का उत्पादन करेगी।इससे पहले पिछले महीने Optiemus Infracom की सब्सिडियरी कंपनी Optiemus unmanned Systems Private limited एग्रीकल्चर और मैपिंग के लिए ड्रोन्स बनाने का ऐलान किया था।

नई ऊंचाई पर शेयर

बीएसई में आज कंपनी के शेयर सोमवार की क्लोजिंग की तुलना में 509.95 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। इसके बाद कंपनी के शेयर 12 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 569.50 रुपये के लेवल पर पहुँच गया था। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 218.40 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 4,833.33 करोड़ रुपये का है।

1 महीने में 47 प्रतिशत चढ़ा शेयर

Optiemus Infracom का शेयर बाजारों में प्रदर्शन शानदार रहा है। पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतो में 123 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 88 प्रतिशत का लाभ मिला है। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि महज एक महीने के अंदर ही कंपनी के शेयरों का भाव 47 प्रतिशत बढ़ा है।

105 करोड़ का ऑर्डर, साथ ही कंपनी ने बनाया बड़ा प्लान, शेयर पर टूटे निवेशक, खरीदने की लूट, 192 पर भाव

बिजनेस डेस्क. भारत की प्रमुख स्टील प्रोसेसिंग कंपनियों में से एक हाई-टेक पाइप्स के शेयरों में लगातार नौवें कारोबारी सेशन में तेजी जा रही है। कंपनी के शेयर आज इंट्राडे कारोबार में 5.5त्न चढ़कर ?192.8 प्रति शेयर के नए हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी ने बताया कि उसे इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड स्टील पाइप की सप्लाई के लिए ?105 करोड़ का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर के प्रमुख ग्राहकों द्वारा दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

कंपनी ने साथ ही इक्विटी जारी कर 600 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना की भी घोषणा की। स्टील पाइप विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा, ठेके अगले तीन महीनों में पूरे किए जाएंगे। ये आपूर्ति गुजरात के साणंद स्थित उसकी नई विनिर्माण सुविधा से की जाएगी। कंपनी बयान के अनुसार, ईआरडब्ल्यू (इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड)स्टील पाइप की आपूर्ति के लिए कुल 105 करोड़ रुपये के ठके अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख ग्राहकों मिले हैं। हाई-टेक पाइप्स ने एक अलग बयान में कहा, उसके निदेशक मंडल ने इक्विटी निर्गम के जरिये 600 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है।

प्रस्ताव के लिए अभी आवश्यक मंजूरी मिलना बाकी है। हाई-टेक पाइप्स के पास छह एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं का स्वामित्व है तथा उनका संचालन करती है। इनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 7,50,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष है।

कंपनी के तिमाही नतीजे

कंपनी ने परिचालन से अपने राजस्व में 35त्न की बढ़ोतरी दर्ज की, जो Qv FY25 में 866.98 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि क्त्ता FY24 में 642.16 करोड़ था। इसका कर पश्चात लाभ (पीएटी) 125% बढ़कर 18.05 करोड़ हो गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान तिमाही में 8.02 करोड़ था। क्त्ता FY25 में 1,22,155 टन की बिक्री के साथ, कुल बिक्री मात्रा में सालाना आधार पर 45% की वृद्धि हुई, जबकि Qv FY24 में यह 84,489 टन थी।

मझगांव डॉक ही नहीं, निवेशक बेच रहे हैं ये 3 और डिफेंस स्टॉक, छाई मायूसी

बिजनेस डेस्क. डिफेंस सेक्टर की कंपनियों के शेयरों में आज गिरावट देखने को मिली है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयर आज 9 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए थे। कोचिन शिपयार्ड्स, गार्डन रीच के शेयरों में मंगलवार की सुबह गिरावट देखने को मिली है। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में -

1- कोचिन शिपयार्ड (Cochin Shipyard Ltd)

इस डिफ़ेंस कंपनी के शेयरों में भी भारी-भरकम गिरावट देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयर 2153.95 रुपये के स्तर पर खुला था। फिर कंपनी के शेयरों में रिकवरी देखने को मिली।

जिसके बाद स्टॉक को भाव 2156.45 पर पहुंच गया। इंट्राडे हाई से कोचिन शिपयार्ड के शेयर 5.73 प्रतिशत तक टूट 2039.50 रुपये के लेवल पर आ गए थे।

2- गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (Garden Reach Shipbuilders & Engineers Ltd)

मंगलवार को इस कंपनी के शेयरों ने भी ख़राब प्रदर्शन किया है। बीएसई में आज यह डिफेंस स्टॉक गिरावट के साथ 1900.95 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर 9.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1751.60 रुपये के लेवल पर पहुँच गए थे। इस कंपनी का 52 वीक हाई 2,834.60 रुपये है।

3- पारस डिफेंस (Paras Defence)

आज से पहले के 2 कारोबारी सत्रों के दौरान कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। लेकिन आज कंपनी के शेयरों में आज गिरावट देखने को मिली है। कंपनी का इंट्राडे हाई 1323.95 रुपये है। कंपनी के शेयर इंट्राडे हाई से 7त्न से अधिक टूट गए।

4- मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स

कंपनी के शेयर मंगलवार की सुबह 4671.20 रुपये के लेवल पर बीएसई में खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद यह स्टॉक 9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4278.80 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुँच गया। ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरिटिज ने इस स्टॉक के लिए 1165 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

दिग्गज डिफेंस कंपनी के शेयरों को बेचने की होड़, 8त्न गिरा भाव, एक्सपर्ट ने जारी की है चेतावनी

बिजनेस डेस्क. पिछले एक साल से मालामाल करने वाला डिफेंस स्टॉक मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में आज भारी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर मंगलवार की सुबह 8 प्रतिशत से अधिक लुढ़क चुके हैं। इस डिफेंस स्टॉक को लेकर आईसीआईसीआई सिक्योरिटिज ने पहले ही भविष्यवाणी की थी।

8 से अधिक टूट चुका है शेयर

बीएसई में आज कंपनी के शेयर 4671.20 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद भारी बिकवाली के चलते स्टॉक का भाव 4359.75 रुपये के इंट्राडे लो लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में सोमवार की क्लोजिंग की तुलना में 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

1165 रुपये का टारगेट प्राइस

ब्रोकरेज फर्म आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने इस स्टॉक को बेचने की सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म ने 1165 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। जोकि आज के इंट्राडे लो लेवल से काफी कम है।

जून तिमाही में कंपनी के लिए अच्छा नहीं रहा

अप्रैल से जून के दौरान कंपनी का रेवन्यू 2,628.02 करोड़ रुपये रहा है। जोकि तिमाही दर तिमाही के हिसाब से 23.88 प्रतिशत कम है। कंपनी के लिए ये नतीजे बहुत अच्छे नहीं रहे हैं।

पोजीशनल निवेशक भारी गिरावट के बाद भी फायदे में

पिछले एक साल के दौरान पोजीशनल निवेशकों को आज तक 137 प्रतिशत का लाभ मिला है। 6 महीने से स्टॉक को होल्ड कर रहे निवेशकों को 108 प्रतिशत का लाभ मिला है।

क्यों चढ़ने लगे सोने-चांदी के भाव? क्या सस्ता होने की है कोई उम्मीद

सर्राफा बाजारों में आज सोना जहां 261 रुपये महंगा खुला वहीं, चांदी ने 1003 रुपये की छलांग लगाई है। एमसीएक्स पर आज सोने की कीमत अपने ऑल टाइम हाई 74,732 रुपये प्रति 10 ग्राम से लगभग 3,000 रुपये दूर थी।

बिजनेस डेस्क. सर्राफा बाजारों में आज सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सोना जहां 261 रुपये महंगा खुला वहीं, चांदी ने 1003 रुपये की छलांग लगाई है।

दूसरी ओर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत बैठक के मिनट्स जारी होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की चर्चा से पहले मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स में आज सोने की कीमत सपाट खुली।सर्राफा मार्केट का हाल सर्राफा मार्केट में आज 24 कैरेट सोना 71369 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी 1003 रुपये प्रति किलो चढ़कर 84294 रुपये पर पहुंच गई है। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुतबिक 23 कैरेट सोना अब 71083 रुपये, 22 कैरेट सोना 65374 रुपये, 18 कैरेट गोल्ड 53527 रुपये और 14 कैरेट सोना 41751 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला।एमसीएक्स पर किस भाव बिक रहा सोना एमसीएक्स पर सोने का रेट आज 71,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला और ओपनिंग बेल के कुछ ही मिनटों के भीतर 71,597 के इंट्राडे को छू गया। इस इंट्राडे हाई पर चढ़ते हुए एमसीएक्स पर आज सोने की कीमत अपने ऑल टाइम हाई 74,732 रुपये प्रति 10 ग्राम से लगभग 3,000 रुपये दूर थी। सोना 11:50 बजे के करीब यह 0.22 पर्सेंट नीचे 71426 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का कमेंया रहा भाव ग्लोबल मार्केट में हाजिर सोने की कीमतें करीब 2,500 डॉलर प्रति औंस हैं। शुक्रवार को जैक्सन होल संगोष्ठी में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण में नीतिगत दरों में कटौती की घोषणा की 82 प्रतिशत संभावना है।

बाय-ऑन-डिप्स रणनीति बनाए रखें

एक्सपर्ट्स ने सोने के निवेशकों को तब तक बाय-ऑन-डिप्स रणनीति बनाए रखने की सलाह दी है, जब तक कि सोने की हाजिर कीमत 2,480 डॉलर से ऊपर न हो जाए और एमसीएक्स गोल्ड रेट 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर न हो जाए।लाइव मिंट के मुताबिक गोल्ड आउटलुक के बारे में पूछे जाने पर एलकेपी सिक्योरिटीज में कमोडिटी एंड करेंसी के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा, इस हफ्ते फेड की बैठक के मिनट सोने की कीमत रैली को और दिशा देंगे, जो 2500-2515 के क्षेत्र में रेजिस्टेंट का सामना कर सकता है और 2480-2470 डॉलर पर सपोर्ट के साथ कुल मिलाकर ट्रेंड सोने के लिए सकारात्मक है।

कोटक सिक्योरिटीज के एवीपी-कमोडिटी रिसर्च कायनत चेनवाला ने कहा, कॉमेक्स गोल्ड की कीमतों ने सप्ताह की शुरुआत मामूली लाभ के साथ की, जो 2,541.00 डॉलर पर बंद होने से पहले 2,549.90 डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

लॉजिस्टिक्स कंपनी के शेयर पर टूटे निवेशक,68 पर आया भाव, इस खबर का है असर

बिजनेस डेस्क.ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स के शेयर आज मंगलवार 20 अगस्त को बीएसई पर सुबह के कारोबार में लगभग 12 प्रतिशत चढ़ गए। कंपनी के शेयर 68.65 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक अच्छी खबर है। दरअसल, कंपनी ने पॉजिटिव मंथली ऑपरेशनल अपडेट दिया है। बता दें कि शेयर का 52 वीक का हाई प्राइस 97.70 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 58.63 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप आज 6,601.35 करोड़ रुपये हो गया।

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स के शेयर आज मंगलवार 20 अगस्त को बीएसई पर सुबह के कारोबार में लगभग 12 प्रतिशत चढ़ गए।

कंपनी ने क्या कहा?

19 अगस्त को बाजार बंद होने के बाद कंपनी ने कहा कि जुलाई 2024 के लिए उसकी एलसीएल (कंटेनर लोड से कम) मात्रा 8,18,000 क्यूबिक मीटर थी, जिसमें महीने-दर-महीने 6 प्रतिशत की वृद्धि और साल-दर-साल 5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वॉल्यूम अगस्त 2022 में दर्ज किए गए अपने अब तक के उच्चतम मासिक वॉल्यूम के समान था।

जून तिमाही के नतीजे

ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 97 प्रतिशत घटकर 3.36 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 198.26 करोड़ रुपये था। ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, हालांकि समीक्षाधीन तिमाही में आय सालाना आधार पर 46 प्रतिशत बढ़कर 526.47 करोड़ रुपये हो गई, पिछले साल समान अवधि में यह 360.26 करोड़ रुपये थी।

कंपनी की कर पूर्व आय पहली तिमाही में 20 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। ऑलकार्गो ने साथ ही बताया कि उसके अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला व्यवसाय ईसीयू वर्ल्डवाइड ने लैटिन अमेरिका में वृद्धि पहल के तहत अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे में एक नई नेतृत्व दल का गठन किया है।

पेरेंट्स बनने का आपका सपना तोड़ सकती हैं ये 5 समस्याएं, समय रहते कर लें इनकी पहचान

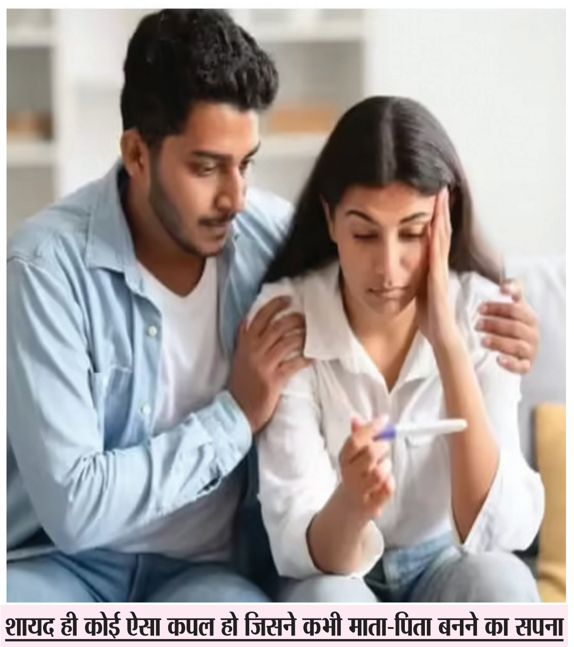

शायद ही कोई ऐसा कपल हो जिसने कभी माता-पिता बनने का सपना न देखा हो। हालांकि इन दिनों कई कपल्स को अपने इस सपने को पूरा करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा इस लिए क्योंकि बिगड़ती लाइफस्टाइल और खराब खानपान की वजह से कई समस्याएं होने लगती हैं जो कंसीव करने में परेशानी बनती हैं। जानते हैं कुछ ऐसी ही समस्याओं के बारे में।

माता-पिता बनना लगभग हर कपल का सपना होता है। यह एक सुखद अहसास है, जो व्यक्ति को व्यक्तित्व को निखारती है और एक कपल को करीब लाता है। हालांकि, इन दिनों लोगों की बदलती लाइफस्टाइल की वजह माता-पिता बनने में काफी दिक्कतें आने लगी हैं। आजकल कपल के शादीशुदा जीवन की सबसे बड़ी समस्या जो उभर कर सामने आ रही है, वह कंसीव न कर पाने की समस्या है।

अस्त-व्यस्त जीवनशैली, कंसीव करने की प्लानिंग में देरी, खराब खानपान, स्मोकिंग, शराब जैसे तमाम कारण हैं, जो स्वस्थ तरीके से कंसीव करने के रास्ते में रोड़ा बन कर खड़े हो जाते हैं। इसलिए सही समय पर सही कदम उठाने से आसानी से कंसीव किया जा सकता है। आइए जानते हैं कुछ ऐसी आम समस्याओं के बारे हैं, जो कंसीव करने के रास्ते में बन सकती हैं रोड़ा-

गलत टाइमिंग

कंसीव करने में ये एक बेहद अहम और बेसिक सी जरूरत है। एक महिला की ओव्यूलेशन की टाइमिंग को ट्रैक कर के उसी अनुसार कंसीव करने को कोशिश करनी चाहिए, जिससे ये सफल हो। लोगों को ओव्यूलेशन पीरियड की सही जानकारी न होने के कारण ये गलती हो जाती है।

हार्मोनल असंतुलन

एस्ट्रोजन डोमिनेंस, ऑटो इम्यून कंडीशन, PCOS या फिर लो प्रोजेस्टेरोन जैसे शरीर में होने वाले हार्मोनल असंतुलन कंसीव करने में समस्या पैदा करते हैं। टेस्ट करा कर इस स्थिति को रूल आउट करना चाहिए और उसके बाद कंसीव करने की कोशिश करनी चाहिए।

खराब स्पर्म क्वालिटी

50त्न कपल में मेल इनफर्टिलिटी कंसीव न कर पाने का कारण बनती है। इसकी भी जांच करा कर पुष्टि करनी चाहिए और फिर डॉक्टर के बताए निर्देशों को फॉलो करना चाहिए।

फीमेल इनफर्टिलिटी

एंडोमेट्रियोसिस, फाइब्रॉयड, यूटरस या यूटरिन लाइनिंग में समस्या, जेनेटिक डिसऑर्डर या पॉलिप जैसे डिसऑर्डर फीमेल इनफर्टिलिटी के लिए जिम्मेदार होते हैं, जिससे कंसीव करने में समस्या पैदा होती है।

हार्मोनल बर्थ कंट्रोल

लंबे समय तक बर्थ कंट्रोल पिल का इस्तेमाल करने से इनफर्टिलिटी का एक टेंपरेरी पीरियड लगभग एक साल के लिए आ सकता है।

बांग्लादेश अभी भी अस्थिर, कोई स्पष्ट राजनीतिक दिशा नहीं दिख रही

अब बांग्लादेशी राजनीति में तीसरी ताकत का क्या? क्या वे छात्र जो राजनीतिक दलों को बाहर रखने की बात कर रहे हैं, देश में स्थापित राजनीतिक दलों के बाहर प्रगतिशील, गैर-सांप्रदायिक ताकतों का तीसरा मोर्चा बनाने में नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं? यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश में वामपंथी दलों की संख्या बहुत अधिक है। वे सभी हाशिये की पार्टियां हैं। गुटबाजी में उलझी हैं।5 अगस्त को बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाये जाने, जिसके लिए छात्रों और अन्य विपक्षी दलों द्वारा उनके नेतृत्व वाली अवामीलीग सरकार के 15 साल के शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह किया, के बाद उनके पतन के कारणों और उनके सत्ता से हटने में योगदान देने वाले संभावित कारकों के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। अब हम उन विभिन्न घटनाओं पर नज़र डाल सकते हैं जो अंतरिम सरकार द्वारा आम चुनाव आयोजित किये जाने तक उभर सकती हैं।आइए,नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार के ताजा बयानों और कार्रवाइयों तथा 5 अगस्त के बाद से अब तक हुई कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं से कुछ संकेतों का आकलन करें। सबसे पहले, बीएनपी सुप्रीमो खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया है तथा उन्होंने अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ बीएनपी के पुनर्गठन के बारे में चर्चा शुरू कर दी है, ताकि अंतरिम सरकार को प्रभावित करने में वह अग्रणी भूमिका निभा सके। उन्होंने अपने समर्थकों से सत्ता हासिल करने के लिए आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा है। हालांकि बीएनपी आधिकारिक तौर पर अंतरिम सरकार में शामिल नहीं है, लेकिन बीएनपी नेतृत्व ने अंतरिम सरकार के कुछ सदस्यों के साथ मौजूदा स्थिति में आगे बढ़ने के बारे में चर्चा की है।दूसरा, जिलों में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के बारे में अंतरिम सरकार द्वारा दिये गये सभी आश्वासनों के बावजूद, स्थिति खराब है। पुलिस प्रशासन हतोत्साहित हो गया है। जिलों में, बीएनपी और जमात मौजूदा अवामीलीग विरोधी भावनाओं का फायदा उठा रहे हैं तथा कानून-व्यवस्था एजंसियों द्वारा किसी भी बाधा के बिना अवामीलीग कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में कट्टरपंथी तत्व कुछ स्थानों पर हिंदुओं पर हमला कर रहे हैं, लेकिन अल्पसंख्यक संगठनों के साथ-साथ छात्रों और नागरिक समाज के उदारवादी वर्ग द्वारा संगठित प्रतिरोध के कारण इसकी तीव्रता का मुकाबला किया गया है। अंतरिम सरकार को पुलिस प्रशासन में तुरंत मनोबल भरना होगा ताकि वे निष्पक्ष रूप से कार्य करें और उन सांप्रदायिक तत्वों

के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस रखें जो अब अंतरिम सरकार के करीब होने की कोशिश कर रहे हैं।पूर्ववर्ती हसीना सरकार की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी को भारतविरोधी विचारों वाली पार्टी के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि उनकी मान्यता के अनुसार अवामीलीग भारत से जुड़ी हुई है और शेख हसीना भारत सरकार के हित में काम करती हैं। बीएनपी में कई सांप्रदायिक तत्व हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह एक सही पार्टी है जो संसदीय लोकतंत्र में एक खिलाड़ी के रूप में काम कर सकती है। बीएनपी एक कट्टरपंथी पार्टी नहीं है। भारत दृष्टिकोण में मतभेदों के बावजूद इस पार्टी से तालमेल बिठा सकता है।बांग्लादेश की राजनीति के लिए मुख्य समस्या हसीना सरकार के पतन और अचानक अवामीलीग विरोधी संगठनों के पास राजनीतिक सत्ता जाने के परिणामस्वरूप जमात-ए-इस्लामी का मजबूत होना है। जमात का चुनावी समर्थन आधार छोटा है, यह अनुमानतः मात्र 4 प्रतिशत है, लेकिन यह कैडर-आधारित और वैचारिक रूप से रूढ़िवादी है। मुस्लिम देशों, मुख्यतः सऊदी अरब के कई धार्मिक संस्थानों से प्राप्त धन के कारण जमात के पास बड़ी वित्तीय ताकत है। अवामीलीग के शासन के दौरान हसीना ने धन के कुछ मार्गों को बंद कर दिया था। अब उन्हें फिर से खोल दिया जायेगा और जमात के पास फिर से धन की भरमार हो जायेगी। अगर अंतरिम सरकार वास्तव में बांग्लादेश की 1750 लाख आबादी में से 130 लाख अल्पसंख्यकों को सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहती है, तो जमात को नियंत्रित करना उसकी प्रमुख गतिविधियों में से एक होना चाहिए।अब अवामीलीग के बारे में क्या? अवामीलीग अब बदनाम हो चुकी है, लेकिन पार्टी के पास सबसे बड़ा समर्थन आधार है, जो अब शांत है। अभी तक, नयी सरकार अवामीलीग की भागीदारी के बिना आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है। अधिकांश प्रशासनिक शाखाओं के साथ-साथ न्यायपालिका और वित्तीय क्षेत्र में, हसीना के करीबी माने जाने वाले शीर्ष अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है। कई ने इस्तीफा दे भी दिया है। यह सफाई प्रक्रिया से कम नहीं है। यह सिलसिला जारी रहेगा क्योंकि मुखिया डॉ. यूनुस खुद हसीना के उत्पीड़न का बड़ा शिकार रहे हैं और वे इसे भूल नहीं सकते।

शेख हसीना ने अभी कहा है कि वह बांग्लादेश वापस जायेंगी और आवामीलीग चुनाव लड़ेगी। इससे पहले उनके बेटे ने कहा था कि वे राजनीति छोड़ देंगी। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश के आवामीलीग के नेता जो अभी भी लड़ना चाहते हैं, उन्होंने उन्हें अपना पिछला फैसला बदलने के लिए राजी कर लिया है। यह एक सच्चाई है कि उनके नेतृत्व के बिना आवामीलीग के लिए एक मजबूत पार्टी के रूप में उभरना मुश्किल होगा। लेकिन अगर हसीना दिल्ली छोड़कर बांग्लादेश जाती हैं, तो इस बात की पूरी संभावना है कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा और उन्हें और भी कड़ी सजा दी जायेगी, जो नयी बांग्लादेशी सरकार उन्हें देना चाहेगी। पहले ही बांग्लादेश की अदालत में उन पर हत्याओं का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया जा चुका है। यह बहुत संभव है कि बांग्लादेश उन्हें स्वतंत्र नहीं रहने देगा और उनके नेतृत्व के बिना आवामीलीग एक मजबूत ताकत के रूप में उभर नहीं पायेगी।

अब बांग्लादेशी राजनीति में तीसरी ताकत का क्या? क्या वे छात्र जो राजनीतिक दलों को बाहर रखने की बात कर रहे हैं, देश में स्थापित राजनीतिक दलों के बाहर प्रगतिशील, गैर-सांप्रदायिक ताकतों का तीसरा मोर्चा बनाने में नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं? यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश में वामपंथी दलों की संख्या बहुत अधिक है। वे सभी हाशिये की पार्टियां हैं। गुटबाजी में उलझी हैं। उनका अपना कोई आधार नहीं है। लेकिन अकादमिक समुदाय और सांस्कृतिक दुनिया में उनका अच्छा प्रभाव है। कुछ सूत्रों का कहना है कि डॉ. यूनुस चुनाव एक नयी पार्टी बना सकते हैं। यह निश्चित नहीं है कि 84 साल की उम्र में डॉ. यूनुस यह जोखिम लेंगे या नहीं। उनका बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिकी रणनीतिकार भविष्य को किस तरह देखते हैं।

पिछले हफ्ते, अवामीलीग के सूत्रों ने शेख हसीना के हवाले से कहा है कि उन्हें इसलिए बाहर कर दिया गया क्योंकि उन्होंने बंगाल की खाड़ी में चटगांव के सेंट मार्टिंस द्वीप को अमेरिका को आधार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए सौंपने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने अमेरिकी प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो वे वहीं रहतीं। निश्चित रूप से यह उनके निष्कासन का एकमात्र कारण नहीं था, जो बड़े पैमाने पर हुए उभार के कारण हुआ, लेकिन यह मानने के कारण हैं कि अमेरिका की भूमिका थी।

अमेरिका और पश्चिमी देश बीएनपी को अधिक धर्मनिरपेक्ष अवामीलीग के मुकाबले अधिक पसंद करते हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद से हटाये गये इमरान खान ने 2022 के शासन परिवर्तन में अमेरिकी हस्तक्षेप के बारे में यही बात कही। पाकिस्तान में भी, स्थिति अपने आप विकसित हुई, लेकिन अमेरिका ने इसमें मध्यस्थ की भूमिका निभाई। आने वाले दिनों में, अमेरिका निश्चित रूप से बांग्लादेश पर हावी होने और उसके अनुसार घटनाओं को प्रभावित करने की अपनी एशिया-प्रशांत रणनीति के अनुसार अपनी भूमिका निभायेगा। चीन एक द्वितीयक खिलाड़ी के रूप में कार्य करेगा।

क्या दोनों महाशक्तियां हसीना और अवामीलीग की भागीदारी के साथ स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में रुचि रखती हैं, यह देखना होगा। फिलहाल, भारत को दूर से ही घटनाक्रम पर नजर रखनी चाहिए। नई दिल्ली के लिए एकमात्र कार्य बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र से भी सभी प्रकार की मदद मांगना है।

संपादकीय

महिला सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही

कोलकाता के सरकारी आर जी कर अस्पताल में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और फिर हत्या के जघन्य अपराध पर इस समय पूरा देश आक्रोशित और आंदोलित दिखाई दे रहा है। 9 अगस्त को घटी इस घटना से 16 दिसंबर 2012 के निर्भया प्रकरण की भयावह याद लोगों को आ रही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि बलात्कार का एक घिनौना अपराध 2012 को हुआ और उसके बाद सीधे 2024 को हुआ हो, बल्कि इस बीच इस तरह के अपराध की एक लंबी श्रृंखला बन गई, जिसे सियासत ने टूटने ही नहीं दिया। यह सोचकर ही वितृष्णा होती है कि हम कितने गिरे हुए समाज में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें एक स्त्री पर हुए भयानकतम अत्याचार को सत्ता हासिल करने का माध्यम बनाने में कोई संकोच नहीं होता। महाभारत में कुरुसभा में द्रौपदी के चीरहरण का प्रसंग अभी और न जाने कितने युगों तक चलने वाला है। क्योंकि तब जिन लोगों से उम्मीद थी कि वे राजधर्म और नैतिकता के धर्म का पालन करके एक स्त्री का साथ देंगे, उन लोगों ने आंखें मूंद ली थीं और अब भी वही रवैया नजर आ रहा है।कोलकाता की घटना के बाद इसी तरह की घटनाएं उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार से भी सामने आईं। जहां एक दलित को, एक नाबालिग को शिकार बनाया गया। लेकिन भाजपा शासित राज्यों में घटी इन घटनाओं पर समाज में हलचल नहीं देखी जा रही है। फिलहाल सबका ध्यान प.बंगाल पर टिका है। वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग से लेकर राज्य में राष्ट्रपति शासन तक लगाने की मांग हो चुकी है। ममता बनर्जी को महिला होने का वास्ता भी दिया जा रहा है। उनके साथ टीएमसी की मुखर सांसद महुआ मोईत्रा पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस पर उंगलियां उठाई जा रही हैं और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बड़े हक से पूछ रहे हैं कि राहुल और प्रियंका गांधी कोलकाता कब जाएंगे।राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ही हैं और प्रियंका गांधी तो कांग्रेस की एक सामान्य पदाधिकारी से अधिक कुछ नहीं हैं। प.बंगाल में कांग्रेस की सत्ता भी नहीं है, न ही केंद्र में कांग्रेस का शासन है, इसलिए इस मामले में कांग्रेस से सवाल किया जाना, राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। कायदे से इस वक्त दो ही लोगों से जवाब मांगे जा सकते हैं, एक हैं ममता बनर्जी और दूसरे हैं नरेन्द्र मोदी। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं, तो उन्हें अपने राज्य के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, मगर इसमें जो लोग महिला वाला कोण सामने कर रहे हैं, वो संकुचित मानसिकता को ही दिखाता है।एक महिला के साथ होने वाले अपराध के दर्द को एक महिला ही क्यों समझे, एक पुरुष क्यों न समझे, यह सवाल समाज को करना चाहिए। इस मामले में महुआ मोईत्रा पर उंगलियां उठाने का भी कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वे एक सांसद ही हैं, न कि प.बंगाल सरकार का हिस्सा।

और अगर उनसे जवाब मांगे जा रहे हैं, तो फिर यही बर्ताव सारे सांसदों के साथ किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले के अपने भाषण में महिला अपराधों को रोकने और अपराधियों को दंडित करने की बात जरूर कही, लेकिन उनका रवैया भी अब तक चयनित ही रहा है। अगर प.बंगाल में पहले संदेशखाली और अब कोलकाता बलात्कार कांड पर वे सख्त फैसलों के पक्ष में खड़े दिखते हैं, तो उन्हें मणिपुर, हाथरस, कठुआ, उन्नाव और उत्तराखंड में अंकिता भंडारी जैसे मामलों पर भी यही रुख अपनाना चाहिए था।इस पूरे प्रकरण में पीड़िता को इंसाफ दिलाने का सवाल सबसे अहम होना चाहिए था, मगर वही अब प्राथमिकता सूची में सबसे आखिरी में दिख रहा है। सियासत के कारण इसमें भ्रामक तथ्यों को फैलाने का जोर बढ़ गया है। मामला फिलहाल सीबीआई के सुपुर्द है, तो उसे उसका काम करने देना चाहिए।

लेकिन नियमों, कानूनों का उल्लंघन करते हुए कहीं पीड़िता की पहचान उजागर की जा रही है, कहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट का ब्यौरा दिया जा रहा है और उसमें भी सच-झूठ का घालमेल है। इस मामले में प.बंगाल पुलिस ने अब भाजपा के दो और टीएमसी के एक नेता को नोटिस भी भेजा है। लेकिन इस नोटिस के बावजूद गलत सूचनाएं या अफवाहें फैला दी गई हैं और अब सोशल मीडिया के जरिए उन्हें देश भर में प्रसारित किया जा चुका है। इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है।महिला सुरक्षा को लेकर समाज सतर्क रहे और सरकार से जवाबदेही चाहे, इसमें कुछ गलत नहीं है।

जम्मू कश्मीर : किसका बनेगा मुख्यमंत्री बड़ा सवाल!

1992 की लाल चौक तक की यात्रा को मोदी जी बहुत याद करते हैं और यात्रा के नेता मुरली मनोहर जोशी को भुला देते हैं। जम्मू में उस यात्रा की सफलता का पूरा श्रेय चमनलाल गुप्ता का था। जम्मू के आगे तो एयर फोर्स के विमान से जोशी जी और मोदी जी को भेजा गया था। जहां तिरंगा फहराकर वे कुछ ही देर में वापस जम्मू आ गए थे।

भाजपा को चमनलाल गुप्ता की याद है? जम्मू कश्मीर में चुनाव है और यह पहला विधानसभा चुनाव है जब भाजपा वहां गंभीरता से सरकार बनाने की सोच रही है। प्रधानमंत्री मोदी का हर कदम उसी दिशा में उठता हुआ है। उन्होंने बहुत सारे काम किए। जिन्हें वे पहली बार कहते हैं। जैसे 2014 के बाद देश को सम्मान दिलाने का भी! ऐसे बहुत सारे दावे हैं। मगर एक काम जो वे करना चाहते हैं और जो बहुत मुश्किल है वह है- जम्मू कश्मीर में भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बनाना।

उप मुख्यमंत्री वे बना चुके हैं। दो सरकारों में शामिल रह चुके हैं। प्रधानमंत्री बनते ही पहली बार मुफ्ती मोहम्मद सईद की सरकार में और फिर मुफ्ती की बेटी महबूबा मुफ्ती की सरकार में।

लेकिन कभी भाजपा के वहां मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं आया। इसलिए याद कर रहे हैं भाजपा को यहां तक लाने वाले उसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे चमनलाल गुप्ता को।

आज शायद भाजपा के नए नेताओं में उन्हें जानने वाले भी कम होंगे। मोदी जी के आने के बाद भाजपा में एक नई प्रथा चली है अपने पुराने नेताओं को भूलने की। जो केवल नींव के पत्थर ही नहीं थे बल्कि भाजपा के महल को ऐसा बनाया कि जहां बैठकर मोदी जी शासन कर सकें। मोदी जी शासन तो कर रहे हैं। मगर उन सब को भुलाकर जिन्होंने मोदी जी शासन के लिए महल बनाया।1992 की लाल चौक तक की यात्रा को मोदी जी बहुत याद करते हैं और यात्रा के नेता मुरली मनोहर जोशी को भुला देते हैं। जम्मू में उस यात्रा की सफलता का पूरा श्रेय चमनलाल गुप्ता का था। जम्मू के आगे तो एयर फोर्स के विमान से जोशी जी और मोदी जी को भेजा गया था। जहां तिरंगा फहराकर वे कुछ ही देर में वापस जम्मू आ गए थे।कश्मीर में आतंकवाद 1989 से शुरू हुआ। सबसे पहला हमला राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हुआ। राज्य सरकार भंग हो गई। राज्यपाल शासन लागू हो गया। पाकिस्तान चाहता था राजनीतिक शून्य की स्थिति। पोलिटिकल वैक्यूम! आतंकवाद के लिए वह सबसे आदर्श स्थिति होती है। जनता किसी के पास जा नहीं सकती। जगमोहन ने इसे नहीं समझा था। वे प्रशासन के जरिए राज करने की कोशिश करने लगे। जनप्रतिनिधियों का विकल्प ब्यूरोक्रेट नहीं हो

सकते।केन्द्र ने वहां रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के प्रमुख रहे गिरीशचन्द्र सक्सेना को भेजा। राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालने के साथ उन्होंने जो हमें पहला इंटरव्यू दिया उसमें राजनीतिक प्रक्रिया की जरूरत बताई। वह राजनीतिक प्रक्रिया वहां बहुत चुनौतीपूर्ण थी। सबसे बड़े दल के नेता फारूख अब्दुल्ला मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर लंदन चले गए थे। नेशनल कांफ्रेंस नेतृत्वविहीन थी। सबसे से ज्यादा उसके लोग मारे जा रहे थे।ऐसे में जिन लोगों ने राजनीतिक प्रक्रिया में हिस्सा लिया उनमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गुलाम रसूल कार, सीपीआईएम के युसूफ तारिगामी, भाजपा के चमनलाल गुप्ता और उस समय राजनीति में नहीं आए थे मगर सामाजिक रूप से सक्रिय और लेखक की भूमिका में आतंकवाद के सवालों को उठाते हुए डॉ जितेन्द्र सिंह जो केन्द्र में मंत्री हैं वे और भाजपा के ही वैद्ध विष्णुदत्त का नाम प्रमुख है।

खासतौर से भाजपा का जिक्र आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस चुनाव में मोदी जी भाजपा का पहला मुख्यमंत्री बनाने की पूरी कोशिश करेंगे। चुनाव पूर्व सारी तैयारियां इसी दिशा में हुई हैं। विधानसभा क्षेत्रों का पुनर्गठन किया गया। परिसीमन में जम्मू की सीटें बढ़ाकर 43 कर दी गईं। पहले यह 37 थीं। 6 सीटें बढ़ा दी गईं। उधर कश्मीर में केवल एक सीट बढ़ाई गई। पहले 46 थीं जो अब 47 कर दी गईं। राज्य का विभाजन कर दिया गया।लद्दाख को अलग केन्द्र शासित राज्य का दर्जा दे दिया गया। जम्मू कश्मीर को भी। राज्यपाल का पद घटाकर उप राज्यपाल कर दिया। मगर उसकी शक्तियां बढ़ा दी गईं। 370 खत्म करके एक भावनात्मक माहौल बनाने की कोशिश हुई। मगर उसका फायदा शेष भारत में तो दिखा नहीं। 370 हटाने से पहले भाजपा की लोकसभा में 303 सीटें थीं। जो 370 हटाने के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव 2024 में घटकर 240 रह गईं। बहुमत की संख्या 272 से कम।अब 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर में पहला विधानसभा चुनाव है। भाजपा इसका फायदा जम्मू में देखना चाह रही थी। मगर जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी घटनाओं के बढ़ने, सेना के कई अफसरों के शहीद होने से मैसेज यह गया कि जिस तरह नोटबंदी से आतंकवाद खत्म करने का दावा किया गया था वैसे ही 370 हटाने से आतंकवाद खत्म करने का दावा भी खोखला निकला। जम्मू में बाकी समस्याएं भी वैसी की वैसी ही रहीं। उल्टे बेरोजगारी की और बढ़ गई। जम्मू से युवा बड़ी तादाद में सेना में जाते थे। मगर अग्निवीर ने उनके रोजगार का यह साधन भी छीन लिया।पिछली बार 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अब तक की सर्वोच्च 25 सीटें जीती थीं। लेकिन दस साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव में अब बीजेपी कितनी और कैसी सफलता हासिल करेगी यह मुख्य सवाल है। विधानसभा 90 सीटों की है। 46 का बहुमत।

कश्मीर में बीजेपी को सबसे बड़ी उम्मीद गुलामनबी आजाद से है। मोदी उनका हर तरह से ध्यान इसीलिए रख रहे हैं। राज्यसभा में उनकी तारीफ की। पद्म सम्मान दिया। दिल्ली, जम्मू, श्रीनगर तीनों जगह सरकारी मकान। राज्यसभा समाप्त होने पर प्रधानमंत्री कार्यालय से संबद्ध केन्द्रीय राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह ने उनके लिए अपने घर भोज का आयोजन सब किया। मगर आजाद के पास है क्या देने को?

एक एक करके सब पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। लोगों को पार्टी का नाम भी याद नहीं। चुनाव की घोषणा हो गई आजाद का कहीं जिक्र भी नहीं। इसलिए एक नया शिगुफा शुरू करवाया कि वापस कांग्रेस में जा रहे हैं। फिर खंडन करवाया कि नहीं जा रहे। किसी तरह चर्चा में तो रहें। अब ऐसे कमजोर आजाद के भरोसे मोदी जी कश्मीर में क्या कर पाएंगे। मगर ऐसे दूसरे कई हैं। जिन्हें वहां लड़वाया जाएगा।

जम्मू कश्मीर में कहा जाता है कि सरकार उसी की बनती है जिसकी केन्द्र सरकार चाहती है और केन्द्र में जब मोदी जी जैसा प्रधानमंत्री हो जो सत्ता के लिए कुछ भी कर सकता हो तो जम्मू कश्मीर के चुनाव की स्थिति समझ जाना चाहिए। दो प्रमुख क्षेत्रीय दल हैं। एनसी और पीडीपी। दोनों भाजपा के साथ सरकार में शामिल रह चुके हैं। वाजपेयी सरकार में एनसी के उमर अब्दुल्ला विदेश राज्य मंत्री थे। और मुफ्ती सईद और महबूबा मुफ्ती दोनों की राज्य सरकारों में भाजपा शामिल थी।

चुनाव के नतीजों के बाद कु छ भी हो सकता है और चुनाव से पहले भी यह बड़ा सवाल है कि क्या इंडिया गठबंधन एक होकर लड़ पाएगा? लोकसभा की 5 सीटों में से पीडीपी एक सीट मांग रही थी। मगर दो पर कांग्रेस लड़ गई और तीन पर एनसी। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को अनंतनाग से हार का सामना करना पड़ा। यह उनका गृह लोकसभा क्षेत्र है यहां से वे पहले लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। इस हार का जख्म गहरा है।

गुलाब जल लगाए खूबसूरती में चार-चांद

खुशबू और खूबसूरती का पर्याय माना जाने वाला गुलाब आपकी खूबसूरती में चार चांद तक लगा सकता है।

1,गुलाब जल हर स्किन के लिए लाभदायक होता है। गुलाबजल को डिस्टिलड वॉटर में बराबर माला में मिलाकर 1 शीशी में रख लें और प्रतिदिन इसकी कुछ बूंदें चेहरे पर थपथपाते हुए इस तरह लगाएं कि आपकी स्किन गुलाब जल को पूरी तरह सोख लें। ढीली स्किन पर गुलाब जल टोनर का काम करता है। स्किन में कसाव आता है।

2,चेहरे पर स्थायी निखार लाने के लिए गुलाब जल का उपयोग आप रात को सोने से पहले करें। गुलाब जल को पहले कच्चो दूध में मिला लें उसके बाद रूई की मदद से इसे आप अपने चेहरे, गर्दन और दोनों हाथों की पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा अच्छी तरह से साफ हो जाएगी और आपका चेहरा दमकने लगेगा। इसके नियमित प्रयोग से आप अपने चेहरे और त्वचा पर स्थायी निखार लाने में सफल होंगी।

3,गुलाब जल का नियमित उपयोग सूखी त्वचा को कोमल बनाने में भी सहायक होता है। 4-अकसर देखा जाता है कि 30 से 35 साल की उम्र की महिलाओं के चेहरे पर डार्क सर्कल्स हो जाते है। अगर आप इससे बचना चाहती हैं तो खीरे का रस निकाल कर उसमें गुलाब जल की कुछ बूंदों को मिलाकर कुछ समय के लिए फ्रिज में रख दें। रात को सोने से पहले उसे आंखों की पलकों के ऊपर रखें। इससे डार्क सर्कल्स तो दूर हो ही जाते हैं और आपकी थकी हुई आंखों को भी बेहद आराम मिलता है।

5-गुलाब जल का नियमित उपयोग चेहरे पर पडने वाली झुर्रियों से भी बचाव करता है। आप जब भी कोई फेसपैक लगाएं उसमें गुलाब जल की कुछ बूंदें जरूर मिलाएं।

6-तैलीय स्किन पर आप मुल्तानी मिट्टी और चंदन पाउडर में कुछ बूंदें गुलाबजल की मिलाकर फेस पैक तैयार करें और इसे चेहरे पर लगा लें। इसे लगाने के बाद आपकी स्किन मुलायम और सॉफ्ट हो जाएगी ।

7-गुलाब जल त्वचा के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है और इसके प्रयोग से पुरानी कोशिकाओं की मरम्मत और नई कोशिकाओं के निर्माण में मदद मिलती है।

8-गुलाब जल आपकी खूबसूरती को ही नहीं बल्कि यह आपकी हेल्थ के लिए भी लाभदायक है। कई देसी दवाओं में इसका प्रयोग किया जाता है। गुलाब जल से आप अपने आँखों को भी आराम पहुंचा सकती हैं। यदि आप इसे नियमित रूप से दिन में एक बार आँखों में डालें तो आँखों की पूरी गन्दगी बाहर आने से आपकी आँखों की सुन्दरता बढेगी जिससे आपके चेहरे पर एक नया निखार नजर आएगा।

एनिमल मेकअप का बोल्ड लुक

अगर आप सॉफ्ट और क्यूट से हटकर कोई नया लुक कैरी करना चाहती हैं, तो एनिमल मेकअप ट्राई कर सकती हैं। यह आपको एक बोल्ड लुक देता है। मेकअप का ट्रेंड आए दिन बदल जाता है। कभी क्रिस्टल मेकअप इन होता है, तो कभी डायमंड का जादू चलता है। इन दिनों एक और मेकअप बहुत पसंद किया जा रहा है। हम बात कर रहे हैं एनिमल मेकअप की। इसे वाइल्ड मेकअप भी कहते हैं। आप इसे पार्टीज और खास मौकों पर बखूबी कैरी कर सकती हैं।

पंक कलर्स

इन दिनों के ट्रेंड पर नजर डालें, तो एनिमल मेकअप में जेब्रा, लेपर्ड, टाइगर व कैट लुक ज्यादा पॉपुलर हैं। इन लुक्स के लिए मेकअप में बोल्ड कलर्स का यूज किया जा रहा है। खास बात यह है कि इनमें कई बार बॉडी पार्ट्स पर ड्रॉइंग भी की जाती है। वाइल्ड मेकअप में पंक कलर्स का यूज ज्यादा होता है। मेकअप से पहले थीम डिसाइड की जाती है। फिर इसके मुताबिक कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट किया जाता है। अगर जेब्रा थीम पर बेस्ड आई मेकअप करना हो , तो वाइट और ब्लैक कलर का यूज करके जेब्रा धारियां बनाई जाती हैं। मेकअप को उभारने के लिए ब्रॉन्जर। इसी तरह टाइगर थीम है , तो टाइगर प्रिंट्स बनाए जाते हैं।

पॉपुलर थीम

अगर एनिमल मेकअप के लिए पॉपुलर थीम की बात करें , तो गोथिक थीम ज्यादा इन है। इस थीम में लिप्स पर ब्लैक लिपस्टिक और आंखें को कोहल लुक दिया जाता है। आंखों के साइड में ड्रैकुला , खंजर , नाइफ जैसे प्रिंट्स यूज किए जाते हैं। इसी तरह नेल्स में एनिमल्स के पंजे व पूंछ वगैरह के टैटू बनाए जाते हैं। मेकअप आर्टिस्ट मंजू रावत कहती हैं कि एनिमल मेकअप को उभारने के लिए पर्पल , ग्रीन व डार्क ब्लू जैसे शेड्स मददगार होते हैं। चूंकि ये कलर्स इंडियन स्किन को सूट करते हैं , इसलिए लोग इन्हें बेहिचक कैरी करते हैं।

ये बनाएं हेयरस्टाइल्स

इसमें आंखों के मेकअप में आईलाइनर को डार्क , मोटा और आंखों के किनारों से थोड़ा बाहर तक लगाया जाता है , वहीं बालों पर रिंगलेट्स ज्यादा बनाए जाते हैं। आश्मीन बताती हैं कि इस मेकअप के साथ सूट करने वाले हेयर स्टाइल्स में ब्रेडिंग , डेड लॉक्स और फ्रंट के ऊपरी साइड को फ्लिप करके रफ लुक शामिल हैं। इसमें बालों पर यूज किए जाने वाले बैंड्स और क्लिप में ड्रैगन और डेंजर्स वगैरह के साइन लगाएं जाते हैं।

स्पेशल है फिश मेकअप

अगर आपको एनिमल लुक के साथ फेमिनिन टच चाहिए , तो फिश मेकअप ट्राई कर सकती हैं। बमपिट और फिश पोनी के माध्यम से फिश लुक आसानी से पाया जा सकता है। आश्मीन कहती हैं , फिश मेकअप में अंडर वॉटर के करीब सभी कलर्स यूज किए जाते हैं जैसे सी , ब्लू पिंक वगैरह। इसमें जितने कलर्स की फिश होती हैं , उतने कलर्स आप मेकअप में यूज कर सकते हैं। वैसे , इन दिनों ग्लिटर और सी कलर ज्यादा ट्रेंड में है।

फेदर लुक भी इन

नाइट पार्टी , पब और रैंप में जाने के लिए फेदर लुक खूब पॉपुलर हो रहा है। इसमें स्काई व बर्ड से जुड़े सभी कलर्स का यूज होता है। थीम को ध्यान में रख इसमें मेकअप किया जाता है। पैरेट ग्रीन थीम है, तो मेकअप में सारे शेड्स ग्रीन के होते हैं। इसमें आंखों के किनारों पर पंख या कलर से पिक्चर बना दी जाती है। कुल मिलाकर चिक्स से लेकर आंखों तक में खूब एक्सपेरिमेंट किया जाता है। इस समय फेदर लुक में ढेरों टैटूज आ गए हैं , जिनसे जरिए आप इस मेकअप को कंप्लीट दे सकती हैं।

फैशन फिर आया लांग स्कर्ट का

आजकल युवतियां पुराने फैशन को दोहराते हुए लांग स्कर्ट को पसंद कर रही हैं। कुछ समय पहले लांग स्कर्ट का बहुत ज्यादा फैशन था और युवतियां इसे बहुत ज्यादा पहनती थीं, लेकिन अचानक से यह बाजार से गायब हो गया है। एक बार फिर से युवतियां इसे फैशन में ले आई हैं। बाजार में कई आकर्षक डिजाइनों और विभिन्न रंगों में लांग स्कर्ट मिल रहे हैं। आजकल युवतियों के बीच डेनिम लांग स्कर्ट और कॉटन लांग स्कर्ट की ज्यादा मांग है। गर्मी और बरसात दोनों मौसम के हिसाब से कॉटन लांग स्कर्ट आरामदायक होती है, इसी वजह से युवतियों के बीच इसका ज्यादा क्रेज है। ज्यादातर युवतियां लांग स्कर्ट के ऊपर स्लीवलेस टीशर्ट पहनना पसंद कर रही हैं, वहीं बहुत सारी युवतियां लांग स्कर्ट के ऊपर टीशर्ट और लांग कुर्ती अथवा शॉर्ट कुर्ती भी पहन रही है।

यह लांग स्कर्ट बाजार में डेढ़ सौ रुपए से लेकर 500-700 रुपए की रेंज में मिल रही है। वो भी अलग-अलग डिजाइन्स और तरह-तरह के पैटर्न में उपलब्ध है। अगर आप भी अगर इस मानसून में कुछ नया ट्राई करना चाहती है तो आपके लिए लांग स्कर्ट भी बेहतर पहनावा साबित हो सकता है। इसे आप डिजाइनर हिल वाली सैंडिल्स या डिजाइनर जूती पर पहनेंगी तो और भी ज्यादा आकर्षक नजर आएंगी।

जवानी को कैद करे ऑलिव ऑयल

तीस की उम्र में हर महिला खूबसूरत होने के साथ-साथ जवान भी दिखना चाहती है। ना केवल तीस पार कर चुकी महिलाएं ही बल्कि आजकल तो युवा वर्ग भी अपने फेवरेट सेलेब्रिटी की खूबसूरती देख, खुद को उन्हीं की तरह बना लेना चाहते हैं। पर खूबसूरती और जवानी को कोई भला कैसे कैद कर सकता है, लेकिन अगर आप कम उम्र से ही अपनी त्वचा पर ध्यान देने लगेंगे तो आप अपनी जवानी को हमेशा के लिये कैद कर सकती हैं। जानिये ऑलिव ऑयल इस काम में कैसे मदद करता है। खाने में प्रयोग - रोज खाना बनाने के लिये ऑलिव ऑयल का प्रयोग करना शायद थोड़ा महंगा पड़े, लेकिन रोजाना के तेल और बटर, जिसमें ट्रांस फैट भरा पड़ा रहता है उससे अच्छा होगा कि आप ऑलिव ऑयल में बने खाने को खाएं। इस तेल से मोटापा नहीं बढ़ेगा और किन बिल्कुल कोमल हो जाएगी। इसके साथ ही यह तेल आपके चेहरे पर पड़ी छुर्रियों को भी दूर करेगा। मेकअप रिमूव करने के लिये बाजार में मिलने वाली कई मेकअप रिमूवल क्रीम चेहरे पर बहुत हार्श होती हैं। आपको तो पता ही होगा कि आंखों के पासइसलिये यहां पर मेकअप रिमूव करने के लिये ऑलिव ऑयल का ही प्रयोग उचित होता है। टमाटर हमारे स्वास्थ्य के लिये बहुत ही अच्छे होते हैं, इनमें एंटीएजिंग गुण पाए जाते हैं। इसलिये यह शरीर में जा कर अच्छे से अपना प्रभाव दिखा सकें इसके लिये आपको सलाद में टमाटर काट कर रखना चाहिये और उसके ऊपर से हल्का ऑलिव ऑयल छिड़क देना चाहिये। इन दोनों को मेल आपकी त्वचा के लिये किसी जादू से कम नहीं होगा।

कॉटन फेब्रिक लड़कियों की पहली पसंद

हल्के-फुल्के सूती कपड़ों को लड़किया अधिक पसंद करती है। ये कपड़े हर मौसम में आरामदायक होते हैं। इन कपड़ों में फूलों जैसे रंग तथा प्रिंट्स भी आपकी आंखों को सुकून देने का काम करेंगे। यूं तो कॉटन के सलवार-सूट्स, साड़ी, स्कर्टस सभी फैशन में हैं और आप किसी को भी चुन सकती है। लेकिन आज हम बात करेंगे खातौर पर कॉटन के कुर्तों, टॉप तथा शर्ट्स की।

जींस हो, लैगिंग्स हों या फिर घेरदार स्कर्ट..., कॉटन के टॉप, शर्ट्स या कुर्ते इन सबके साथ मैच करते हैं। प्रिंट्स, चेक्स, स्ट्राइप्स, प्लेन, चिकन, मलमल और एम्ब्राइडरी जैसे कई विकल्पों में ये तमाम वस्त्र फिट बैठते हैं। आजकल कॉलेज जाने वाली लड़कियों से लेकर घेरलू महिलाएं तक जींस और लैगिंग्स जैसे इजी फिट और आरामदायक विकल्प पहनना पसंद कर रही हैं।

ऐसे में मैचिंग के लिए कॉटन के शॉर्ट या लांग कुर्ते, सिंपल टॉप या शर्ट्स सबसे पहले चुने जाते हैं। यही कारण है कि बाजार में बटिक प्रिंट से लेकर फ्लोरल, एम्ब्रायडरी, क्रोशिए तथा अन्य प्रकार की लेस से सजे कॉटन कुर्तों तथा टॉप्स की बहार है। इनमें शॉर्ट, मीडियम और लांग तीन स्टाइल में से आप मनचाहा चुन सकती हैं। यही नहीं, कांथा, चिकन तथा अन्य प्रकारों को भी कॉटन मटेरियल के साथ मिलाकर बेहद खूबसूरत तरीके से वस्त्रों में ढ़ाला जाता है। इन्हें भी जींस, लैगिंग्स या चूड़ीदार और ट्राउझ्र के साथ मैच करके पहना जा सकता है। इन टॉप्स को आप स्लीवलेस के अलावा शिफॉन स्लीव्स या हाफ स्लीव्स और थ्री-फोर्थ स्लीव्स के साथ चुन सकती हैं।

ऑफिस के लिए ऑफिशियल ज्वेलरी

अगर आप वर्किंग वूमन हैं तो जाहिर है कि पहनावे के मामले में आपको कुछ प्रोटोकॉल का ध्यान तो रखना ही होगा। जिस तरह आप ऑफिस में इवनिंग गाऊन या लहँगा पहनकर नहीं जा सकतीं, ठीक उसी तरह हाथों में सजी ढेरों चूड़ियाँ तथा गले में पहना नौलखा हार भी ऑफिस के लिहाज से सूट नहीं करेगा। तो फिर ऑफिस में ज्वेलरी कैसी पहनें कि एक जैसी ज्वेलरी से आप बोर भी न हों और ऑफिस के प्रोटोकॉल का भी आप पालन कर सकें।

डायमंड, मोती या कोई भी अन्य नग आप ऑफिस में पहन सकती हैं। बशर्ते ये किसी भारी-भरकम वेलरी में न जड़े हों। हल्का-फुल्का डायमंड का सेट, सिंगल पेंडेट, नाजुक-सी एँगूठी, मोतियों के छोटे-छोटे इयररिंग्स या फिर टॉप्स आप आसानी से पहन सकती हैं। हाथों में एक या दो चूड़ियाँ, कोई ब्रेसलेट या डिजाइनर घड़ी भी अच्छी लगेगी। बीड्स के सिंपल इयररिंग्स, वुडन कड़े, थोड़े-सी बीड्स से बने पेंडेंट या एक लंबा बीड्स का हार या फिर सिंपल व्हाइट गोल्ड या गोल्ड चेन में फंकी और डिजाइनर पेंडेंट भी सूट करेंगे। आजकल लेदर और मैटल के कड़े, टॉप्स, ब्रेसलेट तथा पेंडेंट भी चलन में हैं। आप इन्हें भी अपना सकती हैं। पैरों में पायल पहनने से बचें। बहुत ही शौक हो तो साधारण मैटल, लेदर या बीड्स से बना एक ऐंकलेट डाल लें। ये आपको एकरसता से भी बचाएगा। डिजाइनर वॉच आजकल हाथों में पहनी जाने वाली एक्सेसरीज सबसे टॉप पर हैं, लेकिन इनमें भी बहुत यादा डायमंड जड़ी, गोल्ड प्लेटेट या स्टोन से सजी वॉच के बजाए ऑफिस में सिंपल वाली का ही चयन करें।

80 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद खुद के प्रति खो देती हैं रुचि

जिम्मेदारी तरोताजा रहने की

जीवन के दूसरे हिस्से में महिलाएं शादी के बाद रुचि त्याग देती हैं क्योंकि वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ बच्चों के लालन-पालन में व्यस्त हो जाती हैं। उनके लिए बेहतर होगा कि वे कुछ समय अपनी व्यक्तिगत रुचियों के लिए भी निकालें। ऐसा करके वे फ्रेश बनी रह सकती हैं

हर नारी की सबसे बड़ी चाहत मां बनना होती है, लेकिन बहुत ही कम मां ऐसी हैं जो अपने बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ रुचियों और सेहत के प्रति सजग होती हैं। हाल में हुए एक सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि 80 प्रतिशत माताओं के पास अपनी रुचियों को विकसित करने के लिए समय ही नहीं होता। उनकी रुचियां घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के तले दबकर रह जाती हैं। समाजशास्त्रियों का मानना है कि मां बनने के अरमान के पूरा होते ही महिलाएं अपने बच्चे की परवरिश में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि उन्हें अपने घरेलू काम और बच्चे की खुशियों के अलावा खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता।

बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

अधिकतर महिलाएं यह मानती हैं कि अगर वे अपने में ही बिजी रहने लगीं तो बच्चों और घर-परिवार की जिम्मेदारी पूरी हो ही नहीं सकती। उनके अनुसार बच्चों की खुशी अधिक अहमियत रखती है। इसके लिए उन्हें अपने फ्री टाइम से भी समझौता करना मंजूर है। डाइटीशियन्स के अनुसार अधिकतर महिलाओं की मां बनने के बाद प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। खुद से ज्यादा बच्चे की फिक्र होती है। बच्चे की देख-रेख में उन्हें खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता या कह सकते हैं कि वे खुद भी अपनी रुचियों के लिए समय निकालने की कोशिश ही नहीं करतीं। यही कारण है कि वे अधिक तनावग्रस्त हो जाती हैं।

हाउसवाइफ कोमल का कहना है कि पहले मैं जॉब करती थी लेकिन अब मां बनने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता परिवार है। इसके लिए वह अपनी हर खुशी को नजरअंदाज करने को भी तैयार हैं। उनका मानना है कि पहले वह किटी पार्टीज जॉइन करती थीं लेकिन अब तो दोस्तों के साथ भी मेलजोल करना कम कर दिया है।

काम में खुशी मिलती है

समाजशास्त्री मानते हैं कि हर इंसान को किसी न किसी काम को करने में खुशी मिलती है, जो उसे तनावमुक्त रखती है। अधिकतर माएं अपने परिवार में खुद को भूल ही जाती हैं। शुरू से चली आ रही धारणाओं में बह कर उनकी रुचियां दब जाती हैं। यही कारण है कि वे जल्दी तनाव में आ जाती हैं। एक महिला को परिवार की धुरी माना है। अगर वह खुद ही अपने प्रति सजग नहीं होगी तो परिवार को कैसे संभाल पाएगी। ऐसे में जरूरी है महिलाएं अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने लिए समय जरूर निकालें। मातृत्व सुख के बाद महिलाएं उसी में रम जाती हैं।

ऐसे निकालें समय

- थोड़ा सा समय अपनी हॉबी को विकसित करने के लिए जरूर निकालें।
- अपनी पसंदीदा फिल्में देखें।
- कभी-कभी अपनी पसंद की डिश भी बनाएं।
- सिंगिंग में रुचि है तो इस हुनर के लिए कुछ समय निकालें।
- पढ़ने का शौक रखती हैं तो अच्छे नॉवल व बुक पढ़ें।
- मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लें।

रूप निखारें कुछ ऐसें

- नींबू के रस को चेहरे और शरीर पर 30 मिनिट तक लगाएं और फिर धूप में निकलें। यह एंटीटेनिंग लोशन की तरह काम करेगा।
- नींबू के रस और छिलके से हाथों को साफ करें। खुरदापन दूर होगा और हाथ चमक उठेंगे।
- जैतून के तेल की नाखूनों पर धीरे-धीरे मालिश करें। नाखून चमक जाएंगे।
- मुंहासे दूर करने के लिए लहसुन का रस लगाएं!
- कच्चे दूध का फाहा बंद आँखों पर रखें। आँखों की जलन, थकान दूर हो जाएगी।

यूं करें अपने बालों की देखभाल

- खूबसूरत और चमकदार बालों के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और खाने में हरी सब्जियों का सेवन करें। इसके लिए अपने भोजन में सलाद को जरूरी हिस्सा बनाएं। अंकुरित दालें जरूर लें।
- नियमित योग और एक्सरसाइज करें।
- अच्छी कंपनी के ही शैंपू, कंडिश्नर और तेल का उपयोग करें। हफ्ते में दो बार तेल से बालों की मालिश करें। किसी अच्छे सैलून में हेयर स्पा भी ले सकती हैं।
- हेयर कट और हेयर स्टाइल अपने फेस के अनुसार रखें।
- डैंड्रफ और त्वचा रोगों के लिए उचित उपचार करवाएं।
- नाश्ते में और रात को सोने से पहले एक गिलास दूध जरूर लें।

क्रेज बढ़ने लगा फुट स्पा का

करें फुट मसाज

पैरों को रिलैक्स करने के लिए फुट मसाज मददगार साबित हो सकती है। इससे पैर साफ भी हो जाते हैं और आपकी थकान भी दूर होती है। आप घर पर भी पैरों का पैडीक्योर कर सकते हैं। इसके लिए बाथ टब में गर्म पानी लें और उसमें लिक्विड सोप डालें। कुछ देर तक पानी में पैर रखें व इन्हें ब्रश से साफ करें। मार्केट में उपलब्ध स्क्रब का भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद टॉवल से पोंछ कर कोल्ड क्रीम या नारियल का तेल लगाएं।

चेहरे की देखभाल के साथ-साथ जरूरी है आपके पैर भी खूबसूरत दिखें। महिलाएं अब पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए फुट स्पा का सहारा ले रही हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जितना जरूरी हेयर स्पा या बॉडी स्पा है, उतना ही जरूरी है फुट स्पा। पैरों को ज्यादातर लोग नजर अंदाज करते हैं, लेकिन इनकी साफ-सफाई और रैग्यूलर देखभाल बेहद जरूरी है। फुट स्पा न केवल आपके पैरों को खूबसूरत बनाता है, बल्कि पैरों के दर्द से भी राहत दिलाता है।

ब्यूटी सैलून के साथ-साथ घर पर भी थोड़ा समय निकाल कर आप अपने पैरों की टैनिंग दूर कर सकते हैं और इन्हें सॉफ्ट व खूबसूरत बना सकते हैं। वुमन भास्कर ने फुट स्पा को लेकर शहर की ब्यूटी एक्सपर्ट्स से बात की और जाने पैरों की देखभाल के टिप्स :-

महीने में एक बार जरूर लें फुट स्पा :

ब्यूटी एक्सपर्ट माया बताती हैं कि ज्यादातर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को लेकर चिंतित रहती हैं, लेकिन अब कुछ समय से वे पैरों का भी ध्यान रखने लग गई हैं। बॉडी स्पा व हेयर स्पा की सर्विस के साथ-साथ अब फुट स्पा की भी डिमांड बढ़ रही है। 200 रुपए से लेकर 1100 रुपए के अफोर्डेबल रेट्स पर फुट स्पा लिया जा सकता है। महीने में कम से कम दो बार फुट स्पा जरूर करवाना चाहिए। साथ ही पैडीक्योर भी बेहद जरूरी है, ताकि पैरों से डेड स्किन निकल सके और पैर साफ दिखें।

गर्मी में कूल इफैक्ट : सैलून ओनर मनीषा बताती हैं कि कुछ महिलाओं को पैरों में गर्माहट महसूस होती है। इसके लिए उनको सैलून पर फुट आइस वर्क स्पा दिया जाता है। इसके अलावा अलग-अलग तरह के स्पा जैसे डीटैन, चॉकलेट फुट स्पा, फुट हील स्पा उपलब्ध है। मनीषा बताती हैं कि कई महिलाओं को क्रैक हील्स की परेशानी ज्यादा होती है। ऐसे में फुट स्पा मददगार साबित होता है।

एंटी टैनिंग ब्लीच का करें इस्तेमाल: ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कम खर्च में भी घर पर रहकर पैरों की देखभाल की जा सकती है। इसके लिए मार्केट में कई तरह की एंटी टैनिंग ब्लीच उपलब्ध है। ब्यूटी एक्सपर्ट सुधा बताती हैं कि गर्मियों में टैनिंग ज्यादा होती है। शूज न पहनने के कारण महिलाओं के पैरों पर टैनिंग का ज्यादा इफैक्ट होता है। इसीलिए एंटी टैनिंग ब्लीच का हर 15 दिन में प्रयोग मददगार साबित हो सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2562

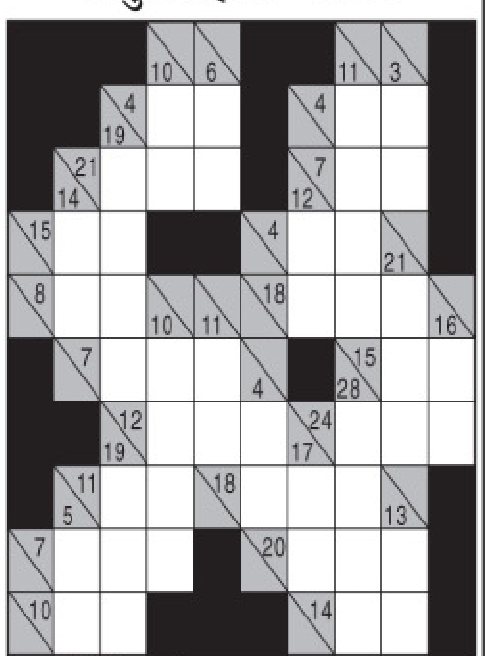

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

16 → 1 2 3 4 6
23 ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2561 का हल

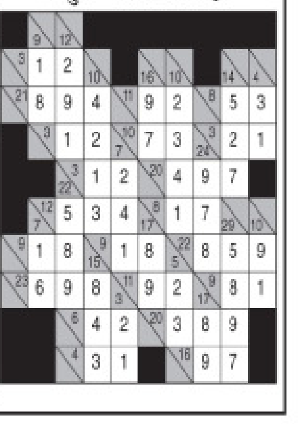

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

फिल्म वर्ग पहेली - 2562

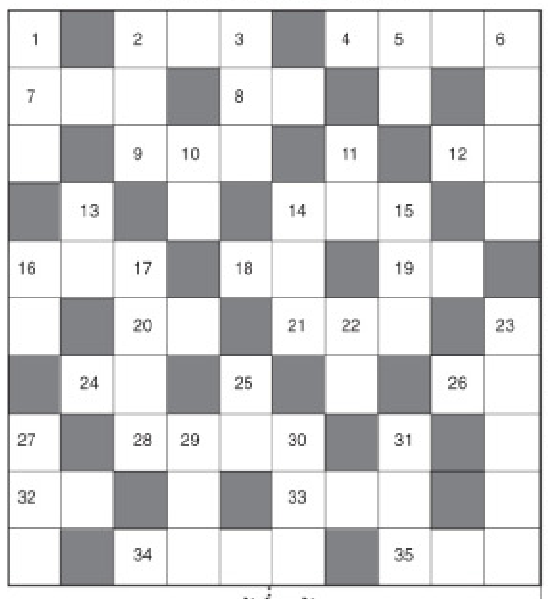

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर कसम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2561

सूडोकु -2562

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2561 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2562

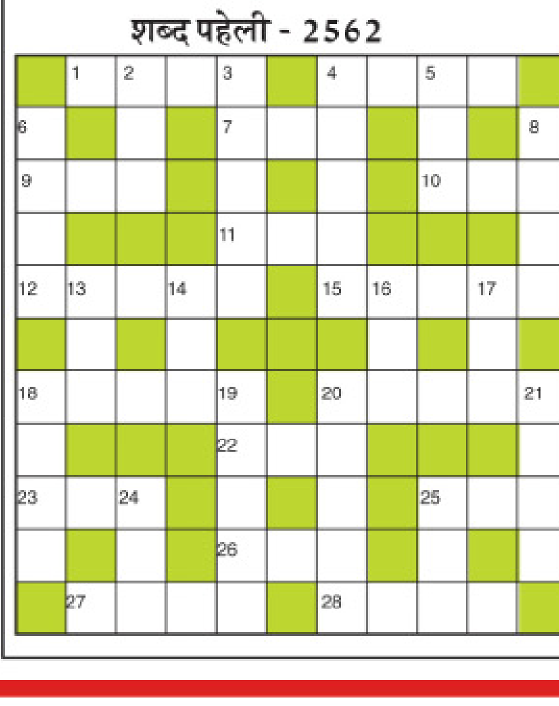

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2561 का हल

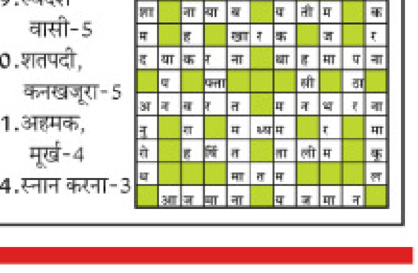

'अभी भद्रा है' कहकर बिना राखी बंधाए ननिहाल चला गया भाई, बहन ने लगा ली फांसी

कानपुर. उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नगरी कानपुर में राखी के दिन एक हैरान करने वाली घटना हुई है. यहां एक 14 साल की लड़की ने अपने भाई की वजह से दुखी होकर फांसी लगा ली है. सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लड़की का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. घटना कानपुर के घाटमपुर में साढ़ थाना क्षेत्र के बैजूपुर गांव का है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक बैजूपुर गांव में रहने वाले शोभित (20) ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उसकी बहन करीब 6 साल छोटी है. किसी बात को लेकर कुछ दिनों से भाई बहन के बीच तानातनी चल रही थी. शोभित के मुताबिक राखी के दिन सुबह उसे मां को लेकर ननिहाल जाना था. जैसे ही वह तैयार होकर निकलने लगा, उसकी बहन ने कहा कि राखी बंधवा कर जाए. उस समय तो उसने कह दिया कि अभी भद्रा है, इसलिए वह लौटकर आने पर राखी बंधवाएगा.

पंखे के कुंदे से लटकर दी जान

इसके बाद वह तो मां को लेकर ननिहाल चला गया, लेकिन बहन ने ऊपर के कमरे में जाकर पंखे के कुंदे में दुपट्टा फंसाया और फांसी लगा लिया. ननिहाल से लौटने के बाद जब वह कमरे में गया और फंदे से लटकते शव को देखकर परिजनों को सूचित किया. पुलिस ने बताया कि फिलहाल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है.

सीतामढ़ी और सहरसा से आनंद विहार के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेन-सरस्वती चन्द्र

यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ने पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर रेल मंडल के सीतामढ़ी और सहरसा से आनंद विहार टर्मिनल के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है।

समस्तीपुर. यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ने पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर रेल मंडल के सीतामढ़ी और सहरसा से आनंद विहार टर्मिनल के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने यहां बताया कि गाड़ी संख्या 04022/04021 आनंद विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी स्पेशल ट्रेन आगामी 31 अक्टूबर तक अप एवं डाउन दिशा में 22-22 फेरे चलेगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 04032/04031 आनंद विहार टर्मिनल-सहरसा समर स्पेशल आगामी 1 नवम्बर तक 55-55 फेरे लगाएगी। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 04022/04021 आनंद विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी-आनंद विहार टर्मिनल समर स्पेशल- गाड़ी संख्या 04022 आनंद विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी समर स्पेशल 30 अक्टूबर तक प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को संचालित की जाएगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह ट्रेन 11.40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15.45 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04021 सीतामढ़ी-आनंद विहार टर्मिनल समर स्पेशल सीतामढ़ी से प्रत्येक गुरूवार एवं

शनिवार को 18.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 18.05 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। यह ट्रेन अप एवं डाउन दिशा में मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, सुरेमनपुर, बलिया, गाजीपुर सिटी, औड़िहार, वाराणसी जं., मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़ जं., रायबरेली, लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 16 कोच रहेंगे।

मुख्य जन संपर्क अधिकारी ने बताया कि गाड़ी संख्या-04031 आनंद विहार टर्मिनल- सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल समर स्पेशल- गाड़ी संख्या 04032 आनंद विहार टर्मिनल- सहरसा समर स्पेशल ट्रेन आगामी 31 अक्टूबर तक बुधवार एवं शुक्रवार को छोड़कर प्रति दिन आनंद विहार टर्मिनल से 05.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 10.30 बजे सहरसा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04031 सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल समर स्पेशल सहरसा से आगामी 1 नवम्बर 2024 तक गुरुवार एवं शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन 13.00 बजे प्रस्थार कर अगले दिन 16.10 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गढ़ बरुआरी, सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, सकरी, दरभंगा, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरगनिया, रक्सौल, नरकटियागंज, बगहा, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोडा, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में वातालुकूलित तृतीय श्रेणी के 16 कोच लगेंगे।

बागेश्वर धाम जा रही टैक्सी को हाईवे पर ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर...5 लोगों की मौत

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 6 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जब एक ट्रक ने टैक्सी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसा एनएच-39 हाईवे पर कड़ारी के पास हुआ. मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं और...

नेशनल डेस्क. मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 6 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जब एक ट्रक ने टैक्सी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसा एनएच-39 हाईवे पर कड़ारी के पास हुआ. मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जो टैक्सी दुर्घटनाग्रस्त हुई वह उत्तर प्रदेश के नंबर पर रजिस्टर्ड थी। यह छतरपुर रेलवे स्टेशन से बागेश्वर धाम जा रही थी, तभी पीछे से पंजाब नंबर के ट्रक ने टक्कर मार दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। इसने ट्रक के विवरण की खोज भी शुरू कर दीय।

BJP नेत्री के पुत्र पर अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से किया हमला, घटना CCTV में कैद

ऊधम सिंह नगर- उत्तराखंड के जनपद उधम सिंह नगर में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे है। ऐसा ही एक मामला पंतनगर थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने भाजपा नेत्री के बेटे पर घर में घुसकर लोहे की रोड और धारदार हथियार से...

ऊधम सिंह नगर. उत्तराखंड के जनपद उधम सिंह नगर में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे है। ऐसा ही एक मामला पंतनगर थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने भाजपा नेत्री के बेटे पर घर में घुसकर लोहे की रोड और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद घायल को परिजनों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुट चुकी है। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में चार नकाब पोस बदमाश युवक पर धारदार हथियार व रॉड से हमला करते हुए दिखाई दे रहे है। जानकारी के मुताबिक, घटना उधम सिंह नगर जिले के पंतनगर थाना क्षेत्र स्थित मेट्रो पोलिस कालोनी की है, जहां भाजपा नेत्री मधु राय भाटिया अपने बेटे पीयूष राय भाटिया और बच्चों के साथ रहती है। इसी बीच बीते रविवार देर रात वह नैनीताल से घर पहुंचे थे। जैसे ही पीयूष गाड़ी से समान निकाल रहा था, वैसे ही एक कार से बदमाश आए और पीयूष पर हमला बोल दिया। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमे मुंह में नकाब लगा कर चार बदमाश पीयूष पर रॉड से हमला करते हुए दिखाई दे रहे है। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद परिजन खून से लथपथ पीयूष को जिला अस्पताल ले गए और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

वहीं इस मामले में आईपीएस सीओ सिटी निहारिका तोमर ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी है। इसके अतिरिक्त पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच करने और जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

ज्वेलरी शॉप से 18 लाख कीमत की सोने की चेन भरे बॉक्स को महिलाओं ने किया पार, चोरी करते CCTV में कैद हुई करतूत

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां एक महिला ज्वैलरी शॉप से सोने की चेन से भरा बॉक्स लेकर फरार हो गई। उसकी यह करतूत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे...

फतेहपुर. उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां एक महिला ज्वैलरी शॉप से सोने की चेन से भरा बॉक्स लेकर फरार हो गई। उसकी यह करतूत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बॉक्स में करीब 15 लाख रुपये की 18 से 20 चेन थी। दुकान से सोने की चेन चुराती हुई महिला के कैमरे में कैद होने के बाद खुलासा हुआ।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, थाना कोतवाली क्षेत्र के चौक बाजार स्थित एक सर्राफा दुकान में कुछ महिलाएं पहुंचीं। जिसके बाद उन्होंने दुकानदार को बातों में उलझाकर एक महिला ने मौका देखकर सोने की चेन से भरा बॉक्स उड़ा लिया। यह पूरी घटना दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस घटना के बाद पीड़ित दुकानदार में थाने में मामला दर्ज कराया है। सीसीटीवी फुटेज में एक महिला साफ तौर पर काउंटर से एक बॉक्स उठाते दिख रही है। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर महिलाओं की तलाश कर रही है।

दुकानदार रवि कुमार रस्तोगी के मुताबिक, उसकी चौक बाजार में लाल बाबू ज्वैलर्स एण्ड संस के नाम से दुकान है। रवि ने बताया कि 14 अगस्त की दोपहर करीब डेढ़ बजे 5 महिलाएं अलग-अलग समूह में दुकान के अंदर आईं। उन लोगों ने तरह-तरह के आभूषण दिखाने को कहा। इसके बाद काउंटर पर मौजूद स्टॉफ को बातों उलझा लिया। इसी बीच उनमें से एक महिला ने सोने की चेन से भरा बॉक्स लेकर फरार हो गई।

तेज रफ्तार कंटेनर ने एक ही परिवार के चार लोगों को रौंदा... एक की मौत, अन्य तीन घायल

झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक ही परिवार के 4 सदस्य कंटेनर की चपेट में आ गए। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं

गिरिडीह. झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक ही परिवार के 4 सदस्य कंटेनर की चपेट में आ गए। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं।

सड़क पार करने के दौरान हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, हादसा बगोदर थाना क्षेत्र में हुआ, जहां परिवार के सदस्य सड़क पार कर रहे थे, इसी दौरान एक अचानक एक तेज रफ्तार कंटेनर ने उन्हें रौंद डाला। इस हादसे में एक महिला

की मौत हो गई जबकि एक अन्य महिला समेत दो बच्चे घायल हो गए हैं। मृतका की पहचान बुधनी देवी के रूप में हुई है, जबकि गंभीर रूप से घायल चमेली देवी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अन्य घायलों में अंकित कुमार और क्षितिज पंडित शामिल हैं, जो बच्चे हैं। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। सभी सदस्य बगोदर थाना क्षेत्र के दामा गांव के रहने वाले है।

वहीं घटना के बाद ड्राइवर कंटेनर को मौके पर ही खड़ा कर फरार हो गया है। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घायल लोगों की स्थिति गंभीर है। हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और तीन घंटे तक जीटी रोड को जाम कर रखा। बता दें कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर जाम हटाया गया।

हजारों लोगों सहित CM धामी भी बने ऐतिहासिक बग्वाल के साक्षी, पूजा-अर्चना कर प्रदेश के लोगों की खुशहाली की कामना की

रक्षाबंधन के मौके पर जहां समस्त उत्तराखंड भाई-बहन के अटूट प्यार के बंधन में बंधा रहा, वहीं कुमाऊं का एक क्षेत्र विशेष बग्वाल के अछुत खेल में खूनी रंग में रंगा रहा।

चंपावत/नैनीताल. रक्षाबंधन के मौके पर जहां समस्त उत्तराखंड भाई-बहन के अटूट प्यार के बंधन में बंधा रहा, वहीं कुमाऊं का एक क्षेत्र विशेष बग्वाल के अछुत खेल में खूनी रंग में रंगा रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इसके साक्षी रहे। चंपावत के देवीधुरा के खोलीखाण मैदान में लाखों लोगों ने अछुत बग्वाल को देखा। ऐतिहासिक बग्वाल के इस बार एक लाख से अधिक लोग साक्षी बने।

मुख्यमंत्री ने पूजा अर्चना कर प्रदेश के लोगों की खुशहाली की कामना की। अपराह्न 2.06 मिनट पर शुरू हुई बग्वाल 2.17 मिनट तक चली। बग्वाली वीरों ने फल और फूलों से बग्वाल की शुरुआत की लेकिन देखते ही देखते दोनों ओर से पत्थर की बरसात होने लगी। इस दौरान लोग सांस रोक कर इस अछुत खेल को देखते रहे। मुख्यमंत्री धामी ने इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बग्वाल हमारी लोक संस्कृति, आस्था और परंपराओं का संगम है। रक्षाबंधन के मौके पर खेली जाने वाली बग्वाल के चलते चंपावत का नाम देश ही नहीं दुनिया में विख्यात है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने रतिया नदी में बाढ़ सुरक्षा कार्य, वैकल्पिक सड़क का निर्माण, मानसखंड कोरिडोर के अंतर्गत मां बाराही धाम में शेष अवस्थापना कार्यों का निर्माण कार्य संबंधी घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ ही पौराणिक स्थलों का भी संवर्धन कर रही है। मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के पौराणिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण हो रहा है। देवीधुरा भी इस मिशन का महत्वपूर्ण भाग है। उन्होंने कहा चार धामों के साथ ही मानसखंड में मंदिरो को भी रोप-वे से जोड़ने का कार्य जारी है। मां पूर्णागिरि धाम को रोप-वे से जोड़ा जा रहा है। मानसखंड यात्रा के तहत विशेष ट्रेन भी चलवाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत महाविद्यालय को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कैंपस के रूप विकसित किया जा रहा है। चंपावत मुख्यालय में एआरटीओ का उप कार्यालय खोला गया है। चंपावत को आदर्श जिला बनाने के साथ ही उत्तराखंड को एक सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस बीच लोक कलाकार गिरीश बरगली द्वारा तैयार 'जय मां वाराही% वीडियो को भी लांच किया। साथ ही उन्होंने विभिन्न विभागों के द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का भी मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टालों का भी अवलोकन किया। बग्वाल को देखने के लिए न केवल कुमाऊं बल्कि अन्य प्रदेशों से भी हजारों श्रद्धालु देवीधुरा पहुंचे। मंदिर परिसर के साथ ही आसपास के मकानों की छतें ठसाठस श्रद्धालुओं से भरी हुई थीं। चम्याल, गहड़वाल, लमगड़िया व बालिग खाम के रणबांकुरे दोपहर 12 बजे से खोलीखाण मैदान में जुटने लगे। सभी ने पूजा-अर्चना के साथ मंदिर की परिक्रमा की। इसके बाद शुरू हुआ अछुत पाषाण युद्ध। इस दौरान कई दर्जन रणबांकुरे घायल हो गये। जिनका स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर ही उपचार किया। बग्वाल बंद होने के बाद चारों खामों के योद्धा आपस में गले मिले और कुशलक्षेम पूछी। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार यहां पौराणिक काल से बग्वाल खेली जाती है। रक्षाबंधन के दिन देवीधुरा के चार खाम व सात थोक के लोग बग्वाल खेलते हैं।

मान्यता है कि मां बाराही को मनाने के लिए बग्वाल खेली जाती है। कहा जाता है कि मां बाराही को मनाने के लिए यहां प्रतिवर्ष एक नर बलि देने की परंपरा थी। चार खाम के लोग हर वर्ष बारी-बारी से नर बलि देते थे। एक बार चमियाल खाम की वृद्धा की बारी थी।

परिवार में वृद्धा व उसके पौत्र मौजूद थे। पौत्र मोह में वृद्धा ने मां बाराही ही गहन स्तुति की और तब मां बाराही ने वृद्धा को दर्शन दिए और बग्वाल खेलने को कहा। मान्यता है कि तभी से चार खामों के लोग पत्थर युद्ध बग्वाल खेलते हैं। माना जाता है कि जब तक एक आदमी के बराबर खून न गिर जाए तब तक बग्वाल खेली जाती है।

श्रावण मास में 53.84 लाख से अधिक भक्तों ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

काशी. देवाधिदेव के पवित्र मास श्रावण में 22 जुलाई से 29 दिन में 53.84 लाख से अधिक भक्तों ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा का आशीर्वाद लिया। श्रावण मास के आखिरी सोमवार को 1.64 लाख से अधिक भक्त पहुंचे बाबा के दर हाजिरी लगाई। रविवार की रात से ही काशी बाबा के रंग में रंगने लगी थी। अंतिम और 5वें सोमवार को काशी हर हर महादेव के उद्घोष से गूंजती रही। काशी पुराधिपति का पांचवें सोमवार को शंकर पार्वती गणेश श्रृंगार एवं श्रावण पूर्णिमा वार्षिक झूला श्रृंगार हुआ। महादेव के भक्त बाबा के इस स्वरूप का दर्शन पाकर आनंदित हुए। सावन के अंतिम सोमवार को भी योगी सरकार ने श्रद्धालुओं के ऊपर पुष्प वर्षा की।

मिली जानकारी के मुताबिक, सड़क पर केसरिया कतार में कावड़ियों का ऐसा ही नजारा पूरे श्रावण में काशी में देखने को मिला। कंकर-कंकर शंकर वाले शहर काशी के शिवालयों में भक्तों की आस्था का रेला उमड़ा रहा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि पिछले 4 सोमवार को बाबा को अलग अलग स्वरूपों का श्रृंगार हुआ है। अंतिम सोमवार को भी बाबा का विशेष शंकर पार्वती गणेश श्रृंगार एवं श्रावण पूर्णिमा वार्षिक झूला श्रृंगार हुआ। सावन के पांचवे सोमवार को शाम पांच बजे तक एक लाख 64 हज़ार 716 से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके थे, जबकि सावन माह में अब तक 53 लाख 84 हज़ार से अधिक भक्तों ने बाबा के दर्शन किये।

श्रावण मास के पहले ही दिन मुख्यमंत्री ने काशी पहुंचकर स्थिति देखी थी और आवश्यक निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन ने फूल प्रूफ प्लान तैयार किया था। इसका फायदा क्राउड मैनजमेंट समेत अन्य व्यवस्था को सुगमता से करने में मिला। श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान ,सुरक्षा और सुगम दर्शन का कर्तव्य निभाते हुई योगी सरकार ने श्रावण मास को सफलता पूर्वक संपन्न कराया। सावन के प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या 3 लाख से अधिक रही है। इस दौरान प्रशासन, पुलिस, कमांडो, यातायात विभाग, चिकित्सकों की टीम, आपदा प्रबंधन, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ़,जल पुलिस की टीम लगातार मुस्तैद रही। बारिश और धूप से बचने के लिए जर्मन हेंगर, पेयजल ,वेट कॉर्पेट,इंडस्ट्रियल कूलर ,पेयजल अल्पाहार आदि की व्यवस्था पूरे श्रावण मास श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में चलती रही।

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ो कहानियो का गवाह रहा हू, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हू.मैं चित्तौड़गढ़ हू.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हू. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहा पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यही से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नही आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चित्तौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा मे नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर मे ही बैठी रहती है.राणा कुंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नही आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हू.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हू.मैं चित्तौड़ हू.

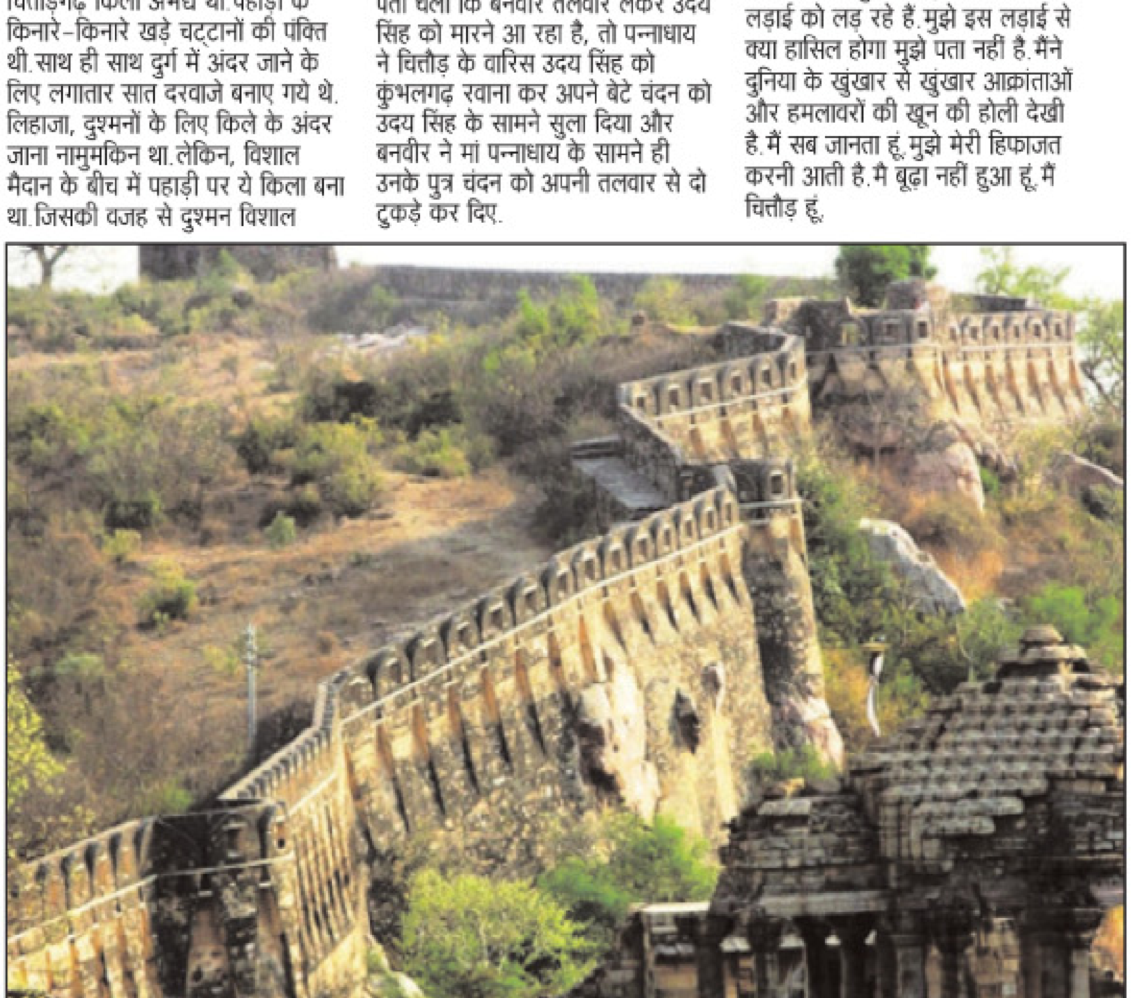

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

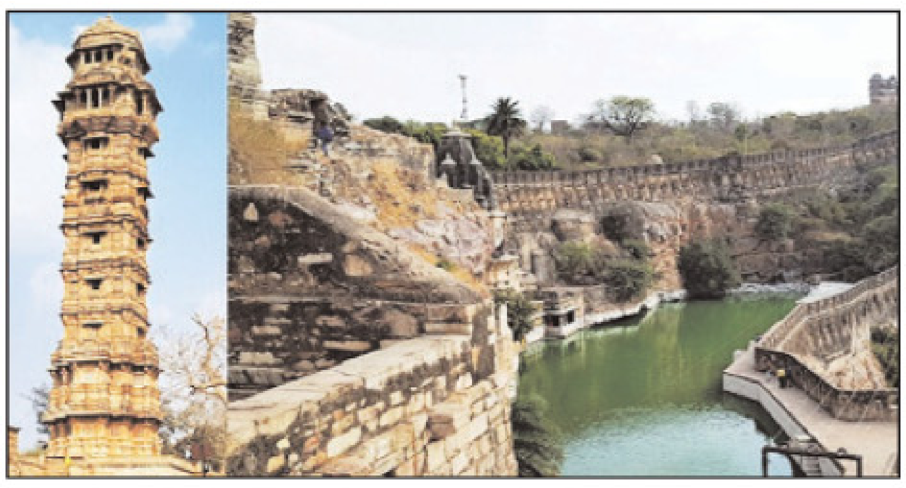

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चित्तौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यो सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे र प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँग गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चित्तौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमीन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चित्तौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चित्तौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

कभी-कभी ऐसा लगता है कि मैं एक साथ दो मैच खेल रहा हूं...पाकिस्तान टीम के पेसर ने क्यों कहा ऐसा?

स्पोर्ट्स डेस्क. पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज नसीम शाह बुधवार 21 अगस्त से बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में खेलते नजर आएंगे। लंबे समय के बाद नसीम शाह को टेस्ट टीम में जगह मिली थी और अब प्लेइंग इलेवन में भी उनको शामिल कर लिया गया है। नसीम शाह ने आखिरी टेस्ट पाकिस्ता के लिए पिछले साल जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। ऐसे में एक साल के लंबे अंतराल के बाद वे व्हाइट जर्सी में नजर आएंगे। हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट पाकिस्तान के लिए वे टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले थे, जहां टीम सुपर 8 में भी नहीं पहुंची थी।

नसीम शाह ने क्रिकबज को दिए इंटरव्यू में कहा, ÷एक क्रिकेटर के जीवन में पर्दे के पीछे बहुत कुछ चलता रहता है, जिसके बारे में लोगों को जानकारी नहीं होती।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷कई बार, आप सिर्फ खुशी के छोटे-छोटे पलों की तलाश में रहते हैं। मेरे पिता कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं। एक समय था जब उन्हें क्रिकेट के बारे में कुछ भी नहीं पता था, लेकिन अब वे हर गेंद देखते हैं और जब हम हार जाते हैं तो दुखी हो जाते हैं। इसलिए, हर बड़े मैच से पहले, मैं अपने भाइयों को फोन करके सुनिश्चित करता हूं कि हमारे पिता इस मैच को ना देखें। मुझे डर है कि इससे कुछ बड़ी स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। यह दबाव ऐसा है जैसे मैं एक साथ दो मैच खेल रहा हूं। 16 साल की उम्र में नसीम शाह ने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। साल 2019 में वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा में खेले थे। अभी भी उनकी उम्र 21 साल है। 17 टेस्ट मैच वे पाकिस्तान के लिए खेल चुके हैं। 14 वनडे इंटरनेशनल और 28 टी20 इंटरनेशनल मैच उन्होंने अब तक पाकिस्तान के लिए खेले हैं। 100 से ज्यादा विकेट इंटरनेशनल क्रिकेट में नसीम शाह ने अब तक अपने नाम किए हैं। दो मैचों की ये टेस्ट सीरीज नसीम शाह के लिए अहम है, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में नसीम शाह अभी तक इतने सफल नहीं रहे हैं।

पैट कमिंस भारत के खिलाफ इन 2 खिलाड़ियों को बनाएंगे 'ब्रह्मास्त्र', 'छह तरफा' अटैक की है तैयारी

स्पोर्ट्स डेस्क. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी ऑस्ट्रेलिया ने शुरू कर दी है। टीम के कप्तान पैट कमिंस करीब दो महीने के ब्रेक पर चले गए हैं और बाकी खिलाड़ियों के बयानों से साफ लगता है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से बदला लेने की फिराक में हैं। इस बीच टीम के कप्तान पैट कमिंस ने ये भी बताया है कि वे किन दो खिलाड़ियों को भारत के खिलाफ ब्रह्मास्त्र की तरह यूज करने वाले हैं। पैट कमिंस ने बताया है कि ऑलराउंडर कैमरोन ग्रीन और मिचेल

मार्श को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में ज्यादा गेंदबाजी करनी पड़ सकती है। ऑस्ट्रेलिया की पेस अटैक कुछ ऐसा हो सकता है, जिसमें खुद पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क होंगे। इनके अलावा कैमरोन ग्रीन और मिचेल मार्श भी पेस बॉलिंग करते नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार सात टेस्ट मैच स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड ने साथ में खेले हैं। पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई इन टेस्ट सीरीजों के दौरा हैरान करने वाली बात ये है कि इनमें से एक भी टेस्ट मैच पांचवें दिन नहीं पहुंचा। सिर्फ तीन ही पारियों में ऑस्ट्रेलिया को 78 से ज्यादा ओवर करने पड़े। कैमरोन ग्रीन ने डेविड वॉर्नर के रिटायरमेंट के बाद 4 टेस्ट खेले और कुल 42 ओवर फेंके।

ईएसपीएन क्रिकइंफो ने पैट कमिंस के हवाले से लिखा, ÷ऑलराउंडर्स का टीम में होना बहुत बड़ी बात है। कुछ मायनों में हमें उनका उतना इस्तेमाल नहीं करना पड़ा जितना हमने सोचा था। जो एक अच्छी बात है। पिछली कुछ समर सीजन साधारण रहे हैं और टेस्ट मैच कम समय में खत्म हुए हैं। मुझे लगता है कि इस बार की समर सीजन थोड़ा अलग हो सकता है। हम कैमरोन ग्रीन और मिचेल मार्श का थोड़ा और इस्तेमाल करेंगे।

क्या डेविड वॉर्नर के बाद स्टीव स्मिथ भी सोच रहे हैं संन्यास के बारे में? बताया फ्यूचर प्लान

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बैटर स्टीव स्मिथ फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहे हैं, इसके अलावा उन्हें भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज का बेसब्री से इंतजार है। भारत को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

स्पोर्ट्स डेस्क. बिग बैश लीग की फ्रेंचाइजी टीम सिडनी सिक्सर्स के साथ स्टीव स्मिथ ने तीन साल की डील साइन कर ली है। ऑस्ट्रेलिया का यह दिग्गज बैटर अगर अगले तीन साल के अंदर इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा भी कह देता है, तो वह बिग बैश लीग में खेलना जारी रखेगा। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बैटर रहे डेविड वॉर्नर इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं, लेकिन बिग बैश लीग में खेलते नजर आएंगे। वॉर्नर ने सिडनी थंडर के साथ दो साल की डील की है और यह पहला मौका होगा जब वॉर्नर पूरे बिग बैश लीग एडिशन में खेलते हुए नजर आएंगे। स्मिथ की बात करें तो वो बिग बैश लीग के पूरे सीजन में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उसी बीच भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी होस्ट करनी है, जो पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। स्टीव स्मिथ जब तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं, पूरा बिग बैश लीग सीजन खेलना मुश्किल ही होगा। जब रिटायरमेंट को लेकर स्मिथ से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, 'अभी रिटायरमेंट का कोई प्लान नहीं है। मुझे अभी खेलने में बहुत मजा आ रहा है। मैं अभी काफी रिलैक्स्ड हूं और आने वाले समर सीजन का इंतजार कर रहा हूं। भारत के खिलाफ चुनौती काफी कड़ी मिलने वाली है। भारतीय टीम काफी अच्छी है, दो बेस्ट टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। मैं इसको लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हूं।'

वॉर्नर के संन्यास के बाद से स्मिथ टेस्ट टीम में ओपनर की भूमिका निभा रहे हैं, क्या आने वाले टेस्ट मैचों में भी ऐसा ही होगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। अपने बैटिंग ऑर्डर को लेकर स्मिथ ने कहा, 'अभी तक जो बात हुई है, उसके मुताबिक हम इंग्लैंड जाएंगेज मैं वहां वनडे मैच खेलूंगा और उसके बाद फैसला लूंगा।

बैटिंग ऑर्डर को लेकर पीछे भी बातें चल ही रही हैं, जैसा कि उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन का मानना है कि वो मुझे नंबर-4 पर बैटिंग करते हुए देखना चाहते हैं। बैटिंग ऑर्डर को लेकर देखना होगा क्या फैसला लिया जाता है, मुझे किसी भी नंबर पर बैटिंग करने से कोई ऐतराज नहीं है।'

12 गेंदों में 60 रन लुटा लोगन वैन बीक के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड, जमकर हुई धुनाई

स्पोर्ट्स डेस्क. मैक्स60 लीग 18 अगस्त को कैरेबियन टाइगर्स वर्सेस ग्रैंड केमैन जैगुआर्स के बीच खेले गए मैच में कुछ ऐसा हुआ, जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद रही होगी। ग्रैंड केमैन जैगुआर्स टीम के लिए खेल रहे नीदरलैंड के खिलाड़ी लोगन वैन बीक की इस मैच में जमकर धुनाई हुई। कैरेबियन टाइगर्स की ओर से खेल रहे निक हॉब्सन ने जमकर बीक की धुनाई की और 12 गेंद पर 40 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। बीक ने

इस मैच में अपने कोटे के दो ओवर में 60 रन लुटा डाले। मैक्स60 लीग में टी10 फॉर्मेट में मैच खेले जा रहे हैं। कैरेबियन टाइगर्स ने पहले बैटिंग करते हुए 10 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बना डाले। जिसमें से 60 रन तो अकेले बीक ने लुटा डाले।ग्रैंड केमैन जैगुआर्स टीम के पास मिचेल मैक्लिनेगन, जोश लिटिल, सिकंदर रजा जैसे खिलाड़ी मौजूद थे। इन तीनों ने मिलकर छह ओवर में 64 रन दिए, वहीं टेरेंस हाइंड्स ने दो ओवर में 25 रन खर्चे। जवाब में ग्रैंड केमैन जैगुआर्स की टीम 10 ओवर में आठ विकेट पर 88 रन ही बना सकी। 33 साल के लोगन वैन बीक नीदरलैंड की ओर से खेलते हैं। ऑलराउंडर बीक अपनी गेंदबाजी के साथ-साथ बड़े-बड़े शॉट्स खेलने के लिए भी जाने जाते हैं।

2014 में बीक ने अपना इंटरनेशनल करियर शुरू किया था। लोगन का जन्म न्यूजीलैंड में हुआ है, लेकिन बाद में वो नीदरलैंड शिफ्ट हो गए। इंटरनेशनल क्रिकेट में लोगन के स्टैट्स पर नजर डालें तो उन्होंने 33 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 46 विकेट चटकाए हैं, जबकि 477 रन बनाए हैं।

युवराज सिंह की बायोपिक जल्द आने वाली है बड़े पर्दे पर, कौन निभाएगा लीड रोल?

स्पोर्ट्स डेस्क. टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक आपको जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आएगी। किशन कुमार और रवि भागचंदका इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। युवराज की बायोपिक का नाम क्या होगा और इसमें लीड एक्टर कौन होगा, इसको लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं आई है। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रहे युवराज सिंह का करियर काफी ज्यादा उतार-चढ़ाव भरा रहा है। अपने समय के धाकड़ क्रिकेटर रहे युवराज आईसीसी वर्ल्ड कप 2011 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे, जब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने खिताब पर कब्जा जमाया था। 2011 वर्ल्ड कप के समय युवराज सिंह कैंसर से जूझ रहे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जो जज्बा दिखाया था, उसे आजतक याद किया जाता है। युवराज सिंह ने कैंसर से जंग लड़ने के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी की थी और कुछ यादगार पारियां भी खेली थीं। युवी की बायोपिक को लेकर सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। युवराज सिंह के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए अभी तक कुल 40 टेस्ट, 304 वनडे और 58 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार छह गेंद पर छह छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम ही दर्ज है। युवराज के खाते में 1900 टेस्ट, 8701 वनडे और 1177 टी20 इंटरनेशनल रन दर्ज हैं। युवराज इसके अलावा तीनों फॉर्मेट में क्रम से 9, 111 और 28 विकेट भी चटका चुके हैं। 2000 में युवराज सिंह ने अपना इंटरनेशनल करियर शुरू किया था। लंबे समय तक युवी टीम इंडिया के लिए बेस्ट फिनिशर रहे हैं और उनके जाने के बाद से टीम इंडिया को उनके जैसे बैटिंग ऑलराउंडर की कमी हमेशा से खली है। युवी टीम इंडिया के लिए बड़े मैच विनर थे।

बांग्लादेश पर रफ्तार से वार करेगा पाकिस्तान, प्लेइंग इलेवन में 4 तूफानी तेज गेंदबाजों को किया शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क. बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी ने सोमवार को प्लेइंग इलेवन का चयन किया है। टीम में एक भी स्पेशलिस्ट स्पिनर नहीं है। टीम में कुल 4 तेज गेंदबाज हैं, जिनमें नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद अली और खुर्रम शहजाद शामिल हैं।

दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 21 अगस्त से हो रही है। दोनों मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज जेसन गिलेस्पी के लिए पाकिस्तान के टेस्ट कोच के तौर पर पहला असाइनमेंट है। दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 30 अगस्त से 3 सितंबर तक इसी मैदान पर खेला जाना है। सऊद शकील और सलमान अली आगा स्पिन गेंदबाजी की बागडोर संभालेंगे, क्योंकि टीम में कोई प्रमुख स्पिनर नहीं हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात का भी ऐलान कर दिया है कि अब्दुल्ला शफीक और सैम अयूब ओपनिंग करने वाले हैं, जबकि शान मसूद नंबर तीन पर खेलेंगे, जो कि टीम के कप्तान हैं। पूर्व कप्तान बाबर आजम नंबर चार पर खेलते हुए नजर आएंगे, जबकि उपकप्तान सऊद शकील पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और नंबर 6 पर विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान खेलते हुए नजर आएंगे। सातवें पर सलमान अली आगा खेलेंगे। आमिर जमाल टीम से रिलीज कर दिए गए हैं, क्योंकि वे फिट नहीं हैं। ऐसे में प्लेइंग इलेवन में थोड़ा सा बदलाव हुआ है। उनको बैक इंजरी की समस्या है, जिससे वे अभी तक उबरे नहीं हैं।

पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन

अब्दुल्ला शफीक, सैम अयूब, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, सऊद शकील (वाइस कैप्टन), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सलमान अली अगा, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, खुर्रम शहजाद और मोहम्मद अली

मैं देश के बेस्ट स्पिनरों में से एक हूं...मुझे टेस्ट खिलाओ, 3 T20I खेलने वाले गेंदबाज का चौंकाने वाला बयान

मुझे लगता है कि मैं देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक हूं। ये कहना है तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले आर साई किशोर का। उन्होंने ये भी कहा है कि जडेजा भी टीम में हैं, लेकिन मैं उनके साथ रेड बॉल क्रिकेट में नहीं खेला हूं।

स्पोर्ट्स डेस्क.तमिलनाडु के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले लेफ्ट आर्म स्पिनर आर साई किशोर ने एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि वह इस देश में मौजूदा समय में बेस्ट स्पिनर्स में से एक है। टीम को रणजी ट्रॉफी के फाइनल तक का सफर तय कराने के बाद साई किशोर आईपीएल 2024 में खेले थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में उनको गर्दन में चोट लगी थी और वे लंबे समय के लिए क्रिकेट से दूर रहे थे। हालांकि, चोट से उनके हौसले कम नहीं हुए। वे तमिलनाडु प्रीमियर लीग में नजर आए और दमदार प्रदर्शन किया। इसके बाद उनको कुछ ब्रेक मिला और इसमें उन्होंने ट्रेनिंग की।

साई किशोर ने द न्यू इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा, ÷मैं बहुत आत्मविश्वासी महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने पहले कभी इस तरह की ट्रेनिंग नहीं की थी। शायद आईपीएल में आने से पहले मैं इस तरह की ट्रेनिंग करता। सुबह 4 बजे उठना, ट्रेनिंग करना और फिर बॉलिंग करना। मैंने पिछले चार-पांच सालों में इतने घंटे नहीं लगाए हैं, जितने मैंने इस प्री-सीजन में लगाए हैं। आईपीएल के दौरान, आपको समय नहीं मिलता, आप रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करते हैं। टीएनपीएल के बाद, मुझे 15-20 दिन का ब्रेक मिला और मैंने इसका बेहतरीन तरीके से इस्तेमाल किया।

बुची बाबू इनविटेशनल टूर्नामेंट में आर साई किशोर टीएनसीए इलेवन की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। वे दलीप ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर और राहुल चाहर जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने वाले हैं। तीन टी20 इंटरनेशनल खेल चुके साई किशोर ने कहा, ÷मुझे लगता है कि मैं देश के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक हूं। मुझे टेस्ट मैच में उतारो, मैं तैयार हूं। इसलिए, मैं बहुत ज्यादा चिंतित नहीं हूं। जडेजा वहां हैं, मैं उनके साथ कभी नहीं खेला। मैं सीएसके में उनके साथ रहा हूं, लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में कभी उनके साथ नहीं खेला। वह जो करते हैं, उसके संदर्भ में यह एक अच्छा सीखने का अनुभव होगा। ऐसा कहने में, मैं आत्मविश्वास महसूस करता हूं।

डेविड वॉर्नर पहली बार खेलेंगे BBL का पूरा सीजन, रिटायरमेंट के बाद इस टीम के साथ की डील

डेविड वॉर्नर पहली बार बिग बैश लीग यानी BBL का पूरा सीजन खेलने वाले हैं। रिटायरमेंट के बाद सिडनी थंडर के उन्होंने दो साल की डील की है। इसी टीम के लिए बिग बैश लीग में उन्होंने साल 2011 में डेब्यू किया था।

स्पोर्ट्स डेस्क. हर एक क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि उसका खिलाड़ी उसकी टी20 लीग का हिस्सा बने, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ ऐसा नहीं है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पहले तो लीग को ही ऐसे समय पर आयोजित करता है, जब उसके यहां इंटरनेशनल क्रिकेट खेली जा रही होती है, ऐसे में वह अपने खिलाड़ियों से क्या ही शिकायत करे। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डेविड वॉर्नर आज तक बिग बैश लीग यानी बीबीएल का पूरा सीजन नहीं खेले हैं। हालांकि, रिटायरमेंट के बाद वे बिग बैश लीग के पूरे सीजन में खेलने के लिए तैयार हैं।डेविड वॉर्नर ने अपने करियर में पहली बार एक पूर्ण बीबीएल सीजन के लिए प्रतिबद्धता जताई है, उन्होंने सिडनी थंडर के साथ दो साल का नया करार किया है। स्टीव स्मिथ ने सिडनी सिक्सर्स के साथ तीन साल का अनुबंध किया है, जबकि मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कैरी ने बीबीएल 2024-25 से पहले क्रमशः ब्रिसबेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ फिर से अनुबंध किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके वॉर्नर पिछले दो संस्करणों में थंडर के लिए सिर्फ आठ मैच खेलने के बाद पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। नौ सत्र के लंबे अंतराल के बाद वे पूरा सीजन खेलने वाले हैं।

सिडनी थंडर की प्रेस रिलीज के मुताबिक, डेविड वॉर्नर ने कहा, ÷यहां बहुत अच्छे लोग हैं, बहुत अच्छे कोच हैं और मैं हमेशा से थंडर का हिस्सा रहा हूं। मुझे पिछले साल का माहौल बहुत पसंद आया, हमारे साथ जो ग्रुप आया था, वह बहुत ऊर्जा लेकर आया था। इस साल, मुझे लगता है कि हम कुछ कदम और बेहतर कर सकते हैं।÷ बीबीएल में 2011 में डेविड वॉर्नर इसी टीम का हिस्सा रहे थे और उन्होंने इस लीग में डेब्यू किया था। टीम के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने कहा, डेवी (डेविड वॉर्नर) जहां भी खेलते हैं, वहां लोकप्रिय हैं, पूरी दुनिया में, विशेषकर भारत में और मैं जानता हूं कि सिडनी के पश्चिम में दक्षिण एशियाई समुदाय थंडर में उनका पूरा समर्थन करेंगे। डेवी के रूप में हमें लगभग 20 वर्षों के टी20 अनुभव के साथ एक विश्व स्तरीय प्रतिभा मिलती है और अब जबकि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं तो हम फाइनल सहित पूरे टूर्नामेंट के लिए उनके पूर्ण ध्यान और प्रतिबद्धता पर भरोसा कर सकते हैं।

Yuzvendra Chahal की पत्नी से क्यों होती है सुरभि चंदना की तुलना, एक्ट्रेस बोलीं - मैं तो कभी मिली नहीं...

आपने अक्सर सुना होगा कि एक शक्ल वाले 7 लोग होते हैं. ये बात कई फिल्मों में भी कही गई है, लेकिन 7 का तो पता नहीं, 2 तो होते हैं. छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस सुरभि चंदनालंबे वक्त से इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं. उन्होंने टीवी पर साइड रोल से अपने करियर की शुरुआत की थी. लेकिन अपनी मेहनत और लगन के चलते सुरभि आत टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं. उनके टीवी शोज काफी हिट साबित हुए हैं. सुरभि को एकता कपूर के शो नागिन में भी लीड रोल में देखा जा चुका है. लेकिन इतना फेम और घर-घर में अपनी खास जगह बनाने के बाद भी अक्सर उन्हें इंडियन क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पत्नी और कोरियाग्राफर धनश्री वर्मा से कंपेयर किया जाता है.

दरअसल यूजर्स सोशल मीडिया पर अक्सर सुरभि चंदाना की तस्वीर को धनश्री वर्मा की तस्वीर के साथ जोड़कर पोस्ट कर देते हैं, जो दिखने में काफी हद तक एक जैसी नजर आती हैं. फैन्स से लेकर यूजर्स तक का ये मानना है कि सुरभि और धनश्री का चेहरा आपस में काफी मेल खाता है. दोनों काफी हद तक एक जैसी हैं. एक इंटरव्यू के दौरान सुरभि चंदना से उनके धनश्री के साथ होने वाले कंपैरिजन को लेकर सवाल किया गया, जिसका उन्होंने काफी मजेदार जवाब दिया.

धनश्री की कार्बन कॉपी है सुरभि ?

सुरभि को एक यूजर का कमेंट रीड करवाते हुए बताया गया कि, क्या आप धनश्री की कार्बन कॉपी हैं और क्या आप सोल सिस्टर्स हैं? अपने जवाब में एक्ट्रेस ने कहा कि, कहते हैं कि 7 लोग एक जैसे दिखने वाले होते हैं. तो हो सकता है कि हम दोनों एक जैसे लगते हों. मैंने ये बहुतों से सुना है. मैं एक दिन उनसे मिलूंगी, मैं आज तक उनसे नहीं मिली. जब मुझे लोग फोटोज भेजते हैं तो कभी-कभी मुझे भी ऐसा लगता है, तो मैं मिलना चाहूंगी और फिर हम साथ में एक फोटो क्लिक करवाएंगे. वैसे मुझे सच में लगता है कि एक जैसे दिखने वाले 7 लोग होते हैं, मुझे एक मिल गया है, अब मुझे बाकी 6 और ढूंढने हैं.

बच्चा प्लान करना चाहती हैं सुरभि चंदना

सुरभि चंदना की शादी ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं. मशहूर एक्ट्रेस ने मार्च के महीने में अपने बॉयफ्रेंड करण शर्मा संग शादी की थी. दोनों की शादी को कई महीने गुजर गए हैं. अपने वेडिंग लुक्स और लहंगे को लेकर सुरभि के काफी चर्चे हुए थे. हाल ही में सुरभि ने प्रेग्नेंसी के सवाल पर कहा कि वो इसके लिए रेडी हैं, जब भी ऊपर वाले से साइन मिलेगा. एक्ट्रेस ने टाइम्स नाउ डिजीटल से बातचीत के दौरान बताया कि, हमें बच्चा करना है, क्योंकि हर कोई अपनी लाइफ में बेबी चाहता है. हम भी चाहते हैं. अब तो मैं मासी बन गई हूं. तो मैं तो चाहती हूं कि मैं और करण बच्चा प्लान करेंगे, जब भी लोगों को वक्त मिलेगा.

श्वेता तिवारी से क्यों हो रही है अरमान मलिक की पत्नी की तुलना? लोग बोले- कुछ तो सीखो

Shweta Tiwari की निजी जिंदगी किसी खुली किताब से कम नहीं है. उनकी दो-दो शादियां और दोनों ही शादियों के अंत के बारे में हर कोई जानता है. खुद श्वेता ने भी इसे छिपाने की कोशिश नहीं की. अपने बुरे दौर से वो लड़ीं और कभी न हार मानने का इरादा भी पक्का किया. श्वेता तिवारी अपने दोनों बच्चों को बेहतर जिंदगी देने के लिए लगातार काम किए जा रही हैं. एक्ट्रेस पिछले दो दशक से छोटे पर्दे का खास हिस्सा बनी हुई हैं. वहीं अब वो रोहित शेट्टी की बड़ी फिल्म सिंघम अगेन में भी नजर आने वाली हैं. लेकिन इसी बीच श्वेता और यूट्यूबर अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल मलिक के बीच लोग तुलना करती हुए नजर आ रहे हैं.अब आप सोच रहे होंने कि श्वेता तिवारी और पायल मलिक के बीच में ऐसा क्या ही कॉमन है कि लोग इन लोगों को साथ जोड़ रहे हैं. दरअसल श्वेता तिवारी का एक इंटरव्यू काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर बात करती हुई नजर आ रही हैं. अपनी लव मैरिज से लेकर अपने डिवोर्स तक के मुद्दे पर उन्होंने खुलकर बात की. श्वेता का कहना है कि हमारे घर में किसी ने लव मैरिज नहीं की थी, वो भी मैंने की. हम लोग ब्रह्माण और जाट, ये सब करते थे. जिसमें भी मैंने एक जाट से शादी की. वो हमारी फैमली का एक अलग-सा ही इशू था.

तलाक के बाद श्वेता तिवारी की मां को मिले ताने

श्वेता तिवारी आगे कहती हैं कि, मेरी मां से सबने कहना शुरू कर दिया था कि क्या कर रही हैं ये नाम खराब कर रही है. उसके ऊपर डिवोर्स हो गया, तो हे भगवान. एक हैपी फैमली तभी हो सकती है, जब आप मेंटली हैपी हों. श्वेता ने समाज की परवाह न करते हुए अपने और अपने बच्चों के लिए हिम्मत जुटाते हुए खुद को टॉक्सिक रिलेशनशिप से बाहर निकाला. अब एक तरफ श्वेता की ये बातें और दूसरी तरफ पायल मलिक की बातें.

अरमान की दूसरी शादी पर फिर बोंली पायल मलिक

पायल मलिक ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि, उन्होंने अरमान की दूसरी शादी को इसलिए एक्सेप्ट कर लिया, क्योंकि उस वक्त उनके पास किसी का साथ नहीं था. वो फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट नहीं थीं. उनके पास एक बेटा भी था.

सच बोल दिया तो गलत किया... जोकर कहने पर Arshad Warsi पर भड़के प्रभास के फैन्स, तो सपोर्ट में उतरे लोग

27 जून को प्रभास की **Kalki** 2898 **AD** आई. फिल्म ने पहले ही दिन से कई बड़े रिकॉर्ड्स तोड़ दिए और बन गई इस साल की पहली 1000 करोड़ कमाने वाली पिक्चर. प्रभास के साथ फिल्म में दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन ने भी अपने अभिनय से खूब इम्प्रेस किया. कुछ महीने पहले तक हर तरफ एक ही नाम की गूंज थी- 'कल्कि 2898 एडी'. 18 अगस्त को एक बार फिर प्रभास की फिल्म चर्चा में आ गई. पर इस बार वजह वो नहीं, अरशद वारसी हैं. सोशल मीडिया पर एक छोटा क्लिप वायरल हुआ. एक इंटरव्यू में अरशद वारसी से पूछा गया कि उन्होंने कौन सी आखिरी फिल्म देखी थी. इस पर वो जवाब देते है 'कल्कि 2898 एडी'. आगे कहा- मुझे नहीं अच्छी लगी. प्रभास सॉरी, पर वो जोकर लग रहे थे. मैं कुछ और देखना चाहता था तुमने उसको क्या बना दिया क्यों करते हैं ऐसा? मुझे नहीं समझ आता.अरशद वारसी के इस स्टेटमेंट के बाद से ही प्रभास के फैन्स गुस्से में आग बबूला हो गए हैं. सोशल मीडिया पर भर-भरकर रिएक्शन दिए जा रहे हैं. कुल मिलाकर जो कुछ भी अरशद वारसी ने कहा, वो लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया, उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है. लोगों का कहना है कि वो इनसिक्योर हैं इसलिए यह सब कह रहे हैं. जान लीजिए लोगों का इस मामले पर क्या कुछ कहना है?

अरशद के स्टेटमेंट पर मचा बवाल

अरशद वारसी के बयान के बाद एक बार फिर साउथ वर्सेज बॉलीवुड देखने को मिल रहा है. जहां एक तरफ प्रभास के फैन्स उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं. तो कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अरशद वारसी की तरफ हैं. आइए शुरुआत करते हैं प्रभास के फैन्स के साथ, जो इस वक्त अरशद वारसी से बेहद नाराज हैं. एक यूजर का कहना है कि यह लोग नए जॉनर की फिल्मों को बढ़ावा नहीं दे सकते, न ही कास्ट और क्रू को.

कभी जिगरी दोस्त हुआ करती थीं ऐश्वर्या राय और रानी मुखर्जी, फिर इस वजह से दोनों के बीच आई कड़वाहट

बॉलीवुड महज एक फिल्म इंडस्ट्री नहीं है, जहां सिर्फ फिल्में ही बनती हैं. यहां सेलेब्स में रिश्ते भी खूब बनते हैं और बिगड़ते भी हैं. कभी-कभी सेट पर काम करते हुए किसी के बीच इतनी गहरी दोस्ती हो जाती है कि उनकी मिसाल दी जाने लगती है. तो कोई शूटिंग करते-करते पहली नजर में दिल दे बैठता है और किसी को अपना हमसफर मिल जाता है. लेकिन यहां पर सबकुछ वैसा नहीं है, जैसा दिखता है. ग्लैमर और कैमरे की चकाचौंध के पीछे की दुनिया एक अलग ही कहानी है, जो रिश्तों की सच्चाई को बयां करती है. कभी-कभी रिश्ते इस कदर खराब जाते हैं कि उनमें हमेशा के लिए दरार पड़ जाती है. कई बार दोस्त भी एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं. कुछ ऐसा ही हुआ था ऐश्वर्या राय बच्चन और रानी मुखर्जी के साथ. ये दोनों एक्ट्रेस कभी खूबसूरत बॉन्ड शेयर करती थीं. हालांकि, फिर इन दोनों ऐक्ट्रेसेस के बीच ऐसा क्या हुआ कि इस कदर दूरियां आई, जो आज तक नहीं मिट पाई. ऐसा क्यों हुआ, क्या थी इसकी वजह, आइए आपको इस बेहद दिलचस्प किस्से से रूबरू कराते हैं.ऐश्वर्या राय और रानी मुखर्जी में बहुत गहरी दोस्ती थी. चाहे खुशी का मौका हो या फिर दुखों का, दोनों सहेलियां एक-दूसरे के साथ हर सुख-दुख में साथ खड़ी नजर आती थीं. हर इवेंट में उन दोनों को साथ स्पॉट किया जाता था. दूसरी तरफ शाहरुख खान भी ऐश्वर्या राय के अच्छे दोस्त थे. दोनों की सुपरहिट मूवी 'देवदास' साल 2002 में रिलीज हुई थी और इनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैन्स को काफी पसंद आई थी. ऐसे में फैन्स उनकी दूसरी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे.

ऐश्वर्या और रानी ने अपने-अपने समय में बहुत कुछ सहा, जिसने उनके रिश्ते के ग्राफ में एक बड़ा बदलाव लाया. एक लंबे दौर तक चली दोनों की इस गहरी दोस्ती का दी एंड कड़वाहट के साथ हुआ. हालांकि, दोनों में से किसी ने भी कभी एक-दूसरे के बारे में कोई गलत बयान नहीं दिया, लेकिन उनके बीच का कोल्ड वॉर सभी को साफ दिखाई देता था.

दोस्ती और फिर दरार

ऐश्वर्या राय और रानी मुखर्जी की दोस्ती एक टूर के दौरान हुई थी. इसके बाद कई ऐसे मौके आए जब ये दोनों साथ में नजर आई और इस तरह इन दोनों की दोस्ती की गाड़ी आगे बढ़ी. साल 2003 में शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय बच्चन को 'चलते चलते' फिल्म के लिए कास्ट किया गया था. दोनों ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी. ऐश्वर्या और रानी के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब 2003 में आई इस फिल्म से ऐश्वर्या को हटाकर रानी को कास्ट कर लिया गया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये बदलाव इसलिए हुआ था, क्योंकि उस समय ऐश्वर्या और सलमान के बीच अनबन चल रही थी और सलमान सेट पर आकर हंगामा करते थे.